वर्ष-32, अंक- 58, पृष्ठ-12 | पौष कृष्ण पक्ष 08, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शुक्रवार
12 दिसंबर 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मूल्य 2 रु.

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

एक नजर

27 बच्चों को तस्करी से नेपाल ले जाकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप

रांची। पश्चिम सिंहभूम जिले में 27 बच्चों को बेहतर शिक्षा और बेहतर जीवन का लालच देकर नेपाल ले जाने के आरोप की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह भी आरोप है कि बच्चों को नेपाल ले जाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की गई। मामला तब सामने आया जब हाल ही में तस्करों के चंगुल से भागकर दो बच्चे अपने घर लौटे और उन्होंने अपने माता-पिता को पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। पश्चिम सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने मीडिया को बताया कि जांच के तहत एक टीम को उन दो बच्चों के गांव भेजा गया, जहां यह जानकारी मिली कि उसी गांव के 11 बच्चे लालच देकर नेपाल ले जाए गए थे। इनमें से चार बच्चे बुधवार को लौट आए, जबकि पांच बच्चे अभी भी नेपाल में फंसे हैं। एसपी ने कहा कि जिला प्रशासन उन्हें वापस लाने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहा है। रेनू ने बताया कि जिले के अन्य हिस्सों से 16 और बच्चों के नेपाल ले जाए जाने की सूचना मिली है, हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है। आरोपित तस्करी के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल वह इससे अधिक जानकारी साझा नहीं कर सकते।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन केंद्र पर जमकर बरसे हेमंत सोरेन, कहा-

झारखंड 25 साल का हो गया है इसको कोई डरा और डिगा नहीं सकता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन अनुपूरक बजट के पक्ष में बोलते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र पर जमकर हमला बोला। कोविड वैक्सीन, इंडिगो संकट, दिल्ली ब्लास्ट, घुसपैठ और देश की लचर अर्थव्यवस्था का हवाला देकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दो टूक कहा कि झारखंड 25 साल का हो गया है, इसको कोई डरा और डिगा नहीं सकता। गैर केंद्र शासित राज्यों के साथ कैसा व्यवहार हो रहा है, यह नई बात नहीं है। झारखंड विधानसभा में सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्ष को कोई भी सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि द्वितीय अनुपूरक बजट की जरूरत क्यों है, इसको सभी जानते हैं। फिर भी विपक्ष के लोग कटौती प्रस्ताव लाते हैं। अभी तो सरकार का एक साल पूरा हुआ है। इस दौरान विकास की राह पर तेजी से चलने का प्रयास हो रहा है।

छात्रों के साथ केंद्र कर रहा है नाइंसाफी : सीएम ने कहा कि हमारी सरकार आने वाली पीढ़ी के लिए दिनरात मेहनत कर रही है। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जनजाति बच्चों के उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्ति योजना के आवंटन में केंद्र ने 90 प्रतिशत राशि कम कर दी है। राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति योजना में 95 प्रतिशत की कमी कर दी गई। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रवृत्ति आवंटन में भी 40 से 63 प्रतिशत कटौती कर दी गई। मेधा और आय आधारित छात्रवृत्ति में भी 75 प्रतिशत की कमी हो गई है। तकनीकी शिक्षा संस्थानों के अनुदान में 61 प्रतिशत की कटौती कर दी। फिर ये कैसे मांग करते हैं कि राज्य में छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है।

छात्र हित में काम कर रही है हमारी सरकार

हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार गुरुजी क्रेडिट कार्ड के जरिए 15 लाख का ऋण दे रही है। सावित्री बाई फूले योजना सरकार चला रही है। सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूल की तर्ज पर खड़ा किया जा रहा है। सरकार अपने प्रयास से प्रतियोगी परीक्षा के लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था करा रही है। बेहतर प्रदर्शन के लिए शिक्षकों की भी ट्रेनिंग कराई जा रही है।

हर बड़ी घटना को किया जाता है डायवर्ट

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि देश के विकास में झारखंड ने सबसे ज्यादा सहयोग किया है। रेलवे को यहां से सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। बदले में प्रदूषण, पलायन मिलता है। लोकसभा में बहस वंदे मातरम पर हो रही है। इस बहस से कितने लोगों की गरीबी खत्म होगी। कितना रोजना सृजन होगा। ये लोग वो हैं जो गरीब लोगों के मुंह से निवाला छीन लें। इंडिगो जैसी घटना में लाखों लोग प्रभावित हुए लेकिन सदन में वंदे भारत की चर्चा होती है। हर बड़ी घटना को डायवर्ट कर दिया जाता है। आज एसआईआर को लेकर अलग अलग राज्यों में जहर उगला जा रहा है। घुसपैठिए की बात की जा रही है। बॉर्डर तो भारत सरकार के जिम्मे है। अगर कोई पहचाना भी जाता है तो क्या होता है। चांदनी चौक पर बम ब्लास्ट हो गया। केमिकल को कई माह से स्टोर किया जा रहा है। लेकिन सूचना तंत्र फेल साबित हुआ।

हवाई जहाज वाले हवाई चप्पल पहनने को विवश

सीएम ने कहा कि देश के सुरक्षाबल आज आदिवासी इलाके में हैं। क्योंकि जंगलों को उजाड़ना है और उसे व्यापारी मित्रों को देना है। लोग आक्रोश में हैं। महंगाई को लेकर कोई चर्चा नहीं है। आर्थिक रूप से देश की स्थिति बदहाल है। हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में चढ़ाने की बात हुई थी। क्या हुआ उसका, जो हवाई जहाज में चढ़ रहे हैं उनको हवाई चप्पल पहनने को विवश किया जा रहा है। **शेष पेज 11 पर...**

सीएजी की रिपोर्ट

जेएसएमडीसी के कारण हुई 70.92 करोड के राजस्व की हानि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीएजी की ओर से गुरुवार को जारी किए गए रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2017-22 के दौरान झारखंड में चालू बालू घाटों के लिए मान्य पट्टाधारी के रूप में झारखंड राज्य् खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) को प्रक्रियाओं का पालन करना था और प्रति एकड 30 हजार रुपए की दर से लगान या हटाए गए बालू की मात्रा का स्वाममित्व (जो अधिक हो) का भुगतान करना था। सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि जेएसएमडीसी ने राज्य के 608 बालू घाटों में से 389 घाटों को चालू करने का प्रयास किया, लेकिन केवल 21 घाटों को ही सफलतापूर्वक चला सका। इस प्रकार वर्ष 2017-22 के दौरान 368 बालू घाटों को नहीं चलाया जा सका। इस कारण 368 गैर परिचालित घाटों के कारण राज्या सरकार को नवंबर 2019 से मार्च 2022 के दौरान इन घाटों (9,782.55 एकड क्षेत्र) के लिए 70.92 करोड रुपये के राजस्व की हानि हुई। बालू की बिक्री से प्राप्त आय का एक तिहाई से अधिक किया खर्च आईटी सोल्यूशन पर सीएजी की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि झारखंड राज्य् खनिज विकास निगम ने वर्ष 2018-22 के दौरान झारखंड के केवल 22 बालू घाटों के पर हुई बालू की बिक्री से प्राप्त् आय का एक तिहाई से अधिक खर्च आईटी सोल्यूशन पर कर दिया। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार जेएसएमडीसी ने इस अवधि में केवल 22 बालू घाटों के लिए खनन योजना को तैयार की और इसके लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त की थी। लेकिन इस दौरान अधिकतम 16 बालू घाट ही चालू थे। वहीं जेएसएमडीसी ने 200 घाटों के चालू करने के लिए आईटी सोल्यूशन की व्यवस्था की और इसपरअत्यधिक खर्च किया। सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि जेएसएमडीसी चाहता तो बालू घाटों के नेटवर्क लगाने की समय सीमा को संशोधित कर सकता था और उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण या छोटे पैमाने पर आईटी सोल्यूशन को लागू कर सकता था। साथ ही मुख्यालय स्तर पर कम संख्या में आईटी कर्मियों को तैनात कर सकता था, लेकिन जेएसएमडीसी ने ऐसा नहीं किया और इससे राजस्व की हानि हुई। उल्लेखनीय है कि सीएजी की रिपोर्ट को वित्त् मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने गुरुवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सदन के पटल पर रखा।

शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन आरोपों की गर्मी रही विधानसभा में

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन गुरुवार को लगातार राजनीतिक हलचल से भरा रहा। सत्र शुरू होने से पहले ही विपक्षी विधायकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और अलग-अलग मुद्दों को लेकर सदन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। मांडू के विधायक निर्मल महतो और बड़कागांव के विधायक रौशनलाल चौधरी विधानसभा के बाहर धरने पर बैठे। मांडू विधायक निर्मल महतो ने एक दैनिक अखबार की प्रति दिखाते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण में कथित रूप से पाँच लाख रुपये की अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया। महतो का

दावा था कि यह मामला कांग्रेस विधायक ममता देवी ने सीएलपी बैठक में उठाया था और इसकी जानकारी मीडिया में भी प्रकाशित हुई है। उन्होंने कहा कि यह राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार की गहराई को उजागर करता है। कांग्रेस विधायक ममता देवी ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सीएलपी बैठक के विषय गोपनीय होते हैं और उन्हें बाहर गलत तरीके से पेश करना अनुचित है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है। इसी दौरान कांग्रेस विधायक अनूप सिंह और श्वेता सिंह ने कहा कि बैठक में विधायक अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखते हैं। ममता देवी ने भी निर्माण कार्यों से जुड़े कुछ मुद्दे सामने रखे थे, जिनका समाधान बाद में कर दिया गया। जबकि बड़कागांव विधायक रौशनलाल चौधरी विस्थापितों के मुद्दे पर सरकार को घेरते दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि पतरातु में राज्य के सबसे बड़े पावर प्लांट के निर्माण के दौरान 25 गांवों के सैकड़ों लोग विस्थापित हुए थे, लेकिन अब तक उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला है। चौधरी ने कहा कि विस्थापित परिवार आज भी सरकारी मदद के इंतजार में भटक रहे हैं और सरकार को तुरंत पुनर्वास व मुआवजा देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

रामगोपाल के हत्यारों को सुनाई गई सजा

सरफराज को फांसी, नौ दोषियों को आजीवन कारावास

एजेंसी

बहराइच। यूपी के बहराइच में रामगोपाल हत्याकांड मामले में दोषियों को सजा सुना दी गई है। मुख्य दोषी सरफराज को फांसी की सजा सुनाई गई है। जबकि,आठ दोषियों को आजीवन करावास की सजा सुनाई गई। एक अन्य दोषी सैफ अली को आठ वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही एक-एक लाख का जुर्माना लगाया गया है। घटना 13 अक्तूबर 2024 की है। जब दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगोपाल की हत्या कर दी गई थी। इससे पहले बुधवार को आए फैसले में अदालत ने मुख्य आरोपी सरफराज उर्फ रिंकू, उसके पिता अब्दुल हमीद, दो भाइयों फहीम और तालिब उर्फ सबलू सहित 10 आरोपियों को दोषी ठहराया था। गुरुवार दोपहर बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। केस को लेकर कचहरी परिसर में सुबह से ही गहमागहमी रही। सजा का फैसला आने से पहले कचहरी परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोग, मृतक पक्ष के परिजन और वकील लगातार कोर्ट की कार्रवाई पर नजर रखे हुए थे। सभी की निगाहें अदालत द्वारा सुनाई जाने वाली सजा पर टिकी रहीं। फैसला आने के बाद लोगों में चर्चाएं तेज हो गईं। रामगोपाल हत्याकांड को 14 महीने पूरे होने वाले हैं। यह वही घटनाक्रम है, जिसने दशहरे जैसे पावन पर्व पर पूरे जिले को हिंसा की आग में झोंक दिया था। पीएसी तैनात हुई, रैपिड एक्शन फोर्स को उतारा गया। डीएम-एसपी खुद डटीं। इसके बाद भी हालात नियंत्रित नहीं हुए। मुख्यमंत्री योगी ने हस्तक्षेप किया और यूपी एटीएस चीफ अमिताभ यश को जिम्मेदारी सौंपी, तब धीरे-धीरे हालात सामान्य होने शुरू हुए।

15 लाख की अवैध अफीम बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

- गुप्त सूचना पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3.12 किलो अफीम जब्त

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चतरा पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में गिद्धौर थाना क्षेत्र से 15 लाख रुपए मूल्य की 3.12 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की गई और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि लोटार डैम के पास अफीम की खरीद-बिक्री होने वाली है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरिया के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल गठित किया गया और तुरंत गिद्धौर थाना क्षेत्र के लिए रवाना किया गया। टीम ने लोटार डैम से रोहमर जाने वाले रास्ते पर निगरानी शुरू की। इसी दौरान दो युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से सफेद प्लास्टिक बैग में 3.12 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई, जिसकी **शेष पेज 11 पर...**

अवैध अफीम की खेती पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चतरा। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर गुरुवार को जिले में अवैध अफीम की खेती के उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने दो थाना क्षेत्रों में कुल 11 एकड़ वन भूमि पर हो रही अवैध अफीम की फसल को शुरुआती अवस्था में ही नष्ट कर दिया। पुलिस ने लावालोंग थाना क्षेत्र, ग्राम बरहेट में 10 एकड़ और वशिष्ठनगर थाना क्षेत्र, ग्राम राजगुरु में 1 एकड़ अवैध अफीम फसल को नष्ट किया। पुलिस ने बताया कि अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस ने आम जनता से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की अवैध अफीम खेती न करें और यदि कोई व्यक्ति इस तरह की गैरकानूनी गतिविधि में संलिप्त दिखाई दे तो तुरंत सूचना दें, ताकि अपराध पर रोक लगाई जा सके।

कोडरमा के सुजीत सिंह जम्मू कश्मीर में शहीद 6 महीने पूर्व हुई थी शादी

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले के मरकच्चो प्रखंड के देवीपुर निवासी सुजीत कुमार सिंह (27 वर्ष) जम्मू–कश्मीर में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। उनके

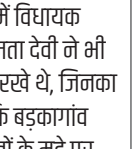

शहीद होने की पुष्टि बड़े भाई और सीआरपीएफ जवान विकास कुमार ने की है। जानकारी के अनुसार, सुजीत जम्मू–कश्मीर में पोस्टेड थे। बीती रात परिजनों को फोन पर अचानक सूचना मिली कि सुजीत कुमार सिंह शहीद हो गए हैं। परिजनों के अनुसार रात 9:55 बजे उनकी अंतिम बार घर से बात हुई थी, जबकि 11 बजे शहादत की खबर मिली। बताया जा रहा है कि सुजीत की लगभग छह माह पहले ही शादी हुई थी और उनकी पत्नी फिलहाल मायके में हैं। शहादत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में कोहराम मचा है और सांत्वना देने वालों की भीड़ लगी हुई है।

इंडिया

एआई से डरने का नहीं इसमें पारंगत होने का समय आ गया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत में तकनीकी क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक आई हो या नहीं पर यूपीआई से भुगतान में हम नंबर एक हैं जबकि साइबर ठगी में झारखंड भी कुख्यात है और जामताड़ा के बाद अनेक स्थानों में इसके गिरोह पकडे जा रहे हैं ऐसे में एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग की आशंका व्यक्त की जाती रही है क्योंकि आज भी भारत की बड़ी आबादी सूचना क्रांति के सहज सुलभ कार्यों से अपरिचित होने के कारण ऑनलाइन धोखेबाजी की शिकार होती रही है । लोगों को डर है कि धोखे से उनकी आवाज या चहरे की कॉपी कर जालसाजी की जाएगी पर एआई से होने वाले फायदे की चर्चा नहीं हो रही जिससे आमदनी भी तेजी से बधाई जा सकती है । जबकि तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम में एशिया के अब तक के सबसे बड़े 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा और इंटेल व कॉग्निजेंट के सीईओ का प्रधानमंत्री के साथ बैठक में बड़े निवेश का संकेत देना, देश की एआई महत्वाकांक्षाओं के लिए तो अच्छी खबर है ही, हमारी तकनीकी संप्रभुता के मजबूत होने का भी संकेत है। अमेजन एवं गूगल ने भी भारत में अरबों डॉलर के एआई निवेश की घोषणा की है।ये दिग्गज कंपनियां दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाले डिजिटल बाजार में निवेश करने की होड़ में लगी हैं, तो यह केंद्र सरकार की अग्रसोची निवेशोन्मुखी नीतियों की सफलता का परिचायक कहा जा सकता है। 2026 से 2029 के बीच चार वर्षों के दौरान 17.5 अरब डॉलर के निवेश के निर्णय के साथ माइक्रोसॉफ्ट का लक्ष्य 2030 तक दो करोड़ भारतीयों को एआई तकनीक में कुशल बनाकर भारत को 'एआई-फर्स्ट' बनाना है, जिसमें दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों और महिला प्रतिभागियों का एक बड़ा हिस्सा शामिल होगा।इस निवेश से जहां देश भर में आधुनिक क्लाउड एवं एआई डाटा सेंटरों का विस्तार हो सकता है, वहीं लाखों भारतीय व्यवसायों और स्टार्टअप को उच्च रफ्तार वाली कंप्यूटिंग क्षमता हासिल हो सकती है। यही नहीं, इसके जरिये लाखों भारतीय युवाओं को एआई तकनीक में प्रशिक्षण देकर भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार किया जा सकता है। इससे भारत की एआई क्षेत्र में संप्रभु क्षमता मजबूत होगी और महत्वपूर्ण डाटा देश के भीतर सुरक्षित रहेगा।इस वर्ष की शुरुआत में भारत दौरे पर आए माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने दो वर्षों में तीन अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। इस वर्ष के अंत तक देश में डाटा प्रोसेसिंग करने के साथ माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट लॉन्च करने की योजना है, जो सरकार, बैंकिंग, वित्तीय सेवा, बीमा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों के लिए भारत में एआई डाटा गवर्नेंस और अनुपालन सुनिश्चित करेगा। दरअसल माइक्रोसॉफ्ट एआई, डिजिटल व्यापार और कार्यबल के प्रशिक्षण में भारत-अमेरिकी भागीदारी को मजबूत करने में अपनी भागीदारी को और गहरा करना चाहती है।इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात में कॉग्निजेंट के सीईओ रवि कुमार एस ने एआई को तेजी से अपनाने और एआई क्षमताओं और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए शिक्षा व कौशल विकास को आगे बढ़ाने पर चर्चा की, तो इंटेल कॉरपोरेशन के सीईओ लिप बू टैन ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा जताई, जिससे भारत के एआई नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने के प्रयासों में तेजी आने की उम्मीद है। समय की मांग है कि हम भविष्य के भारत और झारखंड के लिए खुद को तैयार करें और एआई से डरने के बजाय उसमें पारंगत हों ताकि आनेवाली पीढ़ी का प्रतिभा पलायन न हो और इससे झारखंड भी समृद्ध होगा।

हजारीबाग के डॉक्टर के घर पर एनआईए के छापे से हड़कंप

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब दंत चिकित्सक डॉ. जमील के आवास पर अचानक दो से तीन गाड़ियों में पहुंची पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की टीम ने घर को चारों तरफ से घेर लिया। शुरुआती जानकारी जुटाने पर पता चला कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी की है, जो एक आतंकी संगठन से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में यहां पहुंची है। सूत्र बताते हैं कि यह छापा हजारीबाग में सक्रिय आतंकी नेटवर्क, उसके संपर्कों और संभावित टेरर फंडिंग मॉड्यूल की जांच का हिस्सा है। कार्रवाई की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 200 से अधिक सुरक्षाकर्मी मौके पर तैनात रहे और पूरे क्षेत्र को घेरकर

पेलावल इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया गया। यह इलाका इससे पहले भी सुर्खियों में रह चुका है, क्योंकि यहां से आईएसआईएस से जुड़े संदिग्धों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी को संदेह है कि डॉ. जमील का संबंध देशभर में आतंकी संगठनों के लिए भर्ती और लॉजिस्टिकल सपोर्ट मुहैया कराने वाले नेटवर्क से हो सकता है। फिलहाल एनआईए ने डॉ. जमील को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। टीम उनके घर से लैपटॉप, मोबाइल और कई अहम दस्तावेज जब्त कर रही है, ताकि टेरर फंडिंग के पूरे नेटवर्क की परतें खोली जा सकें। यह कार्रवाई किस विशेष मामले से जुड़ी है, इस बारे में अभी तक एजेंसी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

चैनपुर के कटुअल कला के बेटे ने जेएसएससी में मारी बाजी

- अविनाश कुमार बने श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, मेहनत और लगन से किया नाम रोशन

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। (पलामू) किसान परिवार से आने वाले अविनाश कुमार ने जेएसएससी की सीजीएल प्रतियोगिता में सफलता हासिल कर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के पद पर चयनित होकर गांव और परिवार का नाम रोशन किया। अविनाश कुमार, चैनपुर थाना क्षेत्र के कटुअल गांव निवासी और पूर्व समाजसेवी स्व. रामायण प्रसाद सिंह के पुत्र हैं। ग्रामीणों ने अविनाश की सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बताते हुए कहा कि मेहनत और लगन से हर मंज़िल पाई जा सकती है। पतरिया खुर्द पंचायत की मुखिया रानी सिंह ने भी कहा कि ग्रामीण परिवेश में रहकर मेहनत से अविनाश ने उपलब्धि हासिल की है। अविनाश ने बताया कि माता-पिता का आशीर्वाद और साहित्य की किताबों से मिली प्रेरणा उन्हें आगे बढ़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार करती रही। आधुनिक युग में मोबाइल से दूरी बनाए रखते हुए अध्ययन के प्रति उनका लगाव उनके उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। उन्होंने कहा कि आगे भी अन्य परीक्षाओं की तैयारी जारी रखेंगे। इस अवसर पर अविनाश को बधाई देने वालों में कई सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण जैसे पूर्व मुखिया विवेक सिंह, विक्रमा सिंह, उमाशंकर सिंह, केशरी सिंह और योगेंद्र सिंह शामिल रहे।

परिवहन विभाग व पुलिस ने संयुक्त रूप से चलाया वाहन चेकिंग अभियान, 35 बाइक के कटे चालान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर हुसैनाबाद पुलिस ने गुरुवार को हुसैनाबाद शहर के पटेल चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया। सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई। बिना वैध कागजात, बिना हेलमेट तथा अन्य नियमों का पालन नहीं करने पर पुलिस ने कुल 35 बाइकों को जब्त कर हुसैनाबाद थाना परिसर में सुरक्षित रखा। इसके बाद परिवहन विभाग की टीम ने थाना परिसर में ही सभी बाइकों का ऑन-द-स्पॉट चालान काटकर राशि जमा कराई, जिसके बाद वाहनों को उनके मालिकों को सुपुर्द किया गया। पुलिस ने चालकों को कड़ी हिदायत दी कि भविष्य में हेलमेट, जूता सहित सभी सुरक्षा मानकों का पालन करें और वाहन के वैध दस्तावेज साथ रखें। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभियान का उद्देश्य लोगों को दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट व बिना कागजात वाहन चलाना न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि जीवन को जोखिम में डालने जैसा है। आगे भी ऐसे चेकिंग अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने सभी लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की।

चैनपुर थाना के पास वाहन चेकिंग अभियान, 9 बाइक चालान के बाद न्यायालय में भेजी गई

चैनपुर। (पलामू) चैनपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को वाहनों की जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 2 पहिया वाहनों की कड़ी जांच की गई। जांच में कुल 9 बाइक चालकों के चालान काटकर न्यायालय मेदिनीनगर भेजा गया। कुछ लोग, जो हेलमेट पहनकर भी अपनी बाइक में लटका कर यात्रा कर रहे थे, उन्हें समझाइश देने के बाद छोड़ दिया गया। इस अभियान का नेतृत्व एसआई अनिल विद्यार्थी, एएसआई संजय चौधरी और एएसआई वीरेंद्र राम ने किया। जवानों ने भी सक्रियता दिखाते हुए अभियान को सुचारू रूप से संपन्न कराया। इसमें दीपू दुबे, मनीष दुबे, शिवम दुबे, ओम प्रकाश चंद्रवंशी, धीरेन्द्र यादव सहित अन्य जवान शामिल थे। चैनपुर थाना प्रभारी श्री राम शर्मा ने बताया कि यह अभियान न्यायालय के निर्देशानुसार चलाया गया ताकि लोग अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व दें और हेलमेट का सही उपयोग करें।

कुराईनपतरा मध्य विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी, पंद्रह दिन से ठप पढ़ाई

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर–पीतांबरपुर। प्रखंड अंतर्गत कुराईनपतरा मध्य विद्यालय में शिक्षकों की कमी के कारण पिछले पंद्रह दिनों से पठन-पाठन पूरी तरह ठप्प है। विद्यालय के एकमात्र शिक्षक जय प्रकाश साहू ने सरकारी नियुक्ति पर अन्यत्र योगदान दे दिया और दूसरे शिक्षक पिछले बीस दिनों से अनुपस्थित हैं, जिसके कारण स्कूल में पढ़ाई बिल्कुल बंद है। पंचायत की मुखिया पुनम देवी ने बताया कि इस गंभीर समस्या की सूचना उन्होंने कई बार फोन पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईईओ) महेंद्र प्रजापति को दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जीतेंद्र कुमार ने भी लिखित रूप से विभाग को सूचना दी, फिर भी शिक्षा विभाग की ओर से कोई पहल नहीं की गई। मुखिया पुनम देवी ने आरोप लगाया कि प्रखंड की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और पदाधिकारी बच्चों की पढ़ाई को लेकर गंभीर नहीं हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक की शिक्षा व्यवस्था है, लेकिन वर्ष 2010 से अब तक कक्षा 6 से 8 के लिए एक भी शिक्षक की नियुक्ति नहीं हुई है। निचली कक्षाओं के शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय का संचालन किया जा रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर होती है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द पहल नहीं की गई, तो बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वे जल्द ही जिला शिक्षा पदाधिकारी, पलामू से मिलकर त्वरित समाधान की मांग करेंगी।

डबलू ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में पाई सफलता, किया नाम रोशन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के बेलबिगहा गांव निवासी डब्लू कुमार, पिता स्वर्गीय प्रमोद कुमार सिंह ने जेएसएससी द्वारा आयोजित जेएसएससी सीजीएल परीक्षा 2023 में सफलता प्राप्त कर माता-पिता सहित हुसैनाबाद क्षेत्र का नाम रौशन किया है। उन्हें लेबर इंफोर्समेंट ऑफिसर के पद पर चयन किया गया है। डबलू ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी परिश्रम, गुरुजनों के मार्गदर्शन एवं परिजनों को दिया है। जानकारी देते हुए वे काफी भावुक हुए और बताया कि उनके माता-पिता ने संघर्ष कर उन्हें पढ़ाया-लिखाया। यह उनकी तीसरी सरकारी नौकरी है। इससे पूर्व वे 2019 में आईआरबी में सेवा दे चुके हैं तथा 2020 से रेलवे में कार्यरत हैं। उनके पिता प्रमोद कुमार सिंह का मार्च 2024 में हार्ट अटैक से निधन हो गया था, जबकि उनकी माता रंजू देवी का देहांत इससे पूर्व कैंसर से हो चुका था। डबलू चार भाइयों में सबसे बड़े हैं, जबकि उनका छोटा भाई रोहित कुमार रंजन सीआरपीएफ में पोस्टेड है। डबलू कुमार की सफलता पर स्थानीय दीपक कुमार गुप्ता, चाचा विद्यासागर सिंह, विकास कुमार, अजीत कुमार, सुधीर यादव सहित परिजनों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने बधाई दी है।

मारपीट मामले में मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

नौडीहा। बाजार भितिहरवा विद्यालय में शिक्षक से मारपीट मामले में नौडीहा बाजार थाना पुलिस ने मुख्य अभियुक्त लल्लू यादव को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह शिक्षण अवधि के दौरान गांव के कुछ लोगों ने शिक्षक विश्वनाथ यादव के साथ मारपीट की थी। आरोप था कि विद्यालय प्रबंधन में अनियमितता बरती जा रही है, इसी बात को लेकर विवाद हुआ। पलामू पुलिस ने आमजनों से आग्रह किया है कि किसी भी प्रकार की शिकायत संबंधित विभाग के वरीय पदाधिकारी को दें। किसी भी परिस्थिति में ऐसा कदम न उठाएं जिससे विधि–व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो।

भीमचूल्हा स्थित हथिया पत्थर और नाला खतरे की वजह, आश्वासन के बाद भी नहीं हुई घेराबंदी

मोहम्मदगंज। महाभारतकालीन ऐतिहासिक महत्व वाले भीमचूल्हा परिसर में स्थित हाथीनुमा विशालकाय शिलाखंड आस्था का केंद्र होने के बावजूद खतरे का कारण बना हुआ है। इसके समीप गहरा नाला तथा पश्चिमी एवं उत्तरी दिशा में तालाबनुमा गहरे गड्ढे होने से मकरसंक्रांति मेले के दौरान दुर्घटना की आशंका रहती है। पुजारी सह गाइड पंडित गंगा तिवारी ने बताया कि पर्यटन विकास कार्य के दौरान शिलाखंड को रंग-रोगन कर गजराज का रूप दिया गया, लेकिन खतरे वाले स्थानों की घेराबंदी नहीं की गई। नाले की खुदाई कादलकुर्मी गांव को जलभराव से बचाने हेतु की गई थी, पर शिलाखंड सदियों से वहीं मौजूद है। पहले भी एक बाइक सवार नाले में गिरकर जान गंवा चुका है। निवर्तमान एसडीओ आशीष गंगवार ने घेराबंदी का आदेश दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जो गंभीर चिंता का विषय है। बगल की कादलकुर्मी–जपला मुख्य सड़क से भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

चार दिनों में शुरू हुई हड़ही नदी पर पीसीसी, छात्रों व ग्रामीणों ने जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। 'राष्ट्रीय नवीन मेल' में प्रकाशित खबर का तत्काल प्रभाव दिखा। हुसैनाबाद प्रखंड के कुसुआ गांव स्थित एके सिंह कॉलेज के समीप हयूम पाइप के कारण छात्रों की आवाजाही में आ रही समस्या को देखते हुए कॉलेज मद के विकास कोष से हयूम पाइप पर भराई कराकर पीसीसी ढलाई की गई। पहले कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को गांव का चक्कर लगाना पड़ता था, लेकिन वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर किए गए मरम्मत कार्य से काफी सहूलियत मिली है। समाचार प्रकाशित होने के बाद कॉलेज प्रशासन सक्रिय हुआ और तीन साल से खराब हड़ही नदी मार्ग की मरम्मत के लिए पहल की। प्रभारी प्राचार्य डॉ. रामसुभग सिंह ने बताया कि सड़क निर्माण प्रस्ताव जिला में भेजा जा चुका है और दो-चार दिनों में मार्ग पूरी तरह दुरुस्त हो जाएगा। ग्रामीणों और छात्रों ने बताया कि वर्षों से मांग के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। अब मरम्मत से आवागमन आसान होगा। कार्य के दौरान वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

राष्ट्रीय नवीन मेल का बड़ा असर : भीमचुल्हा पर्यटक स्थल को 2025 में मिली बड़ी उपलब्धि, मोटर बोट सेवा शुरू, जल विहार को लेकर उमड़ी भीड़

मोहम्मदगंज। ऐतिहासिक महत्व के भीमचुल्हा पर्यटक स्थल पर भीमबराज में मोटर बोट से जल विहार की सेवा गुरुवार से आम लोगों के लिए सुलभ हो गई। इससे इस पर्यटक स्थल को वर्ष 2025 में पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। इसके साथ ही यहां के सौंदर्य और पर्यटन क्षमता को नया आयाम प्राप्त हुआ है। स्थल पर जीवन रक्षक जैकेट के साथ दो 6-सीटर मोटर बोट की व्यवस्था की गई है। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग स्थल पर पहुंचे और बोटिंग का आनंद उठाया। मोटर बोट से एक बार की सैर के लिए 100 रुपए भाड़ा निर्धारित किया गया है। पुजारी सह गाइड पंडित गंगा तिवारी द्वारा पूजा-अर्चना के बाद थाना प्रभारी नारायण सोरेन ने फीता काटकर मोटर बोट सेवा का शुभारंभ किया। मौके पर जिला पर्यटन एवं खेल विभाग के डीएलटीएस वसीम राणा, सिकंदर कुमार, उपेंद्र कुमार, जेएसएलपीएस के बीपीएम भूपेश कुमार, मुखिया प्रतिनिधि रौशन कुमार, युवा कांग्रेसी राहुल सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे। ट्रायल के दौरान अतिथियों और स्थानीय लोगों ने बोटिंग कर स्थल के आकर्षण का अनुभव लिया। लोगों का कहना है कि अब पर्यटन मौसम में भीमचुल्हा में सैलानियों की संख्या और बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय नवीन मेल ने लगातार इस स्थल पर बोटिंग सेवा शुरू करने की संभावना और आवश्यकता से संबंधित खबर प्रकाशित की थी, जिसका सकारात्मक प्रभाव अब दिखाई दे रहा है। जिला पर्यटन संवर्धन परिषद ने काफी पहले योजना तैयार की थी, जिसे अब मूर्त रूप दिया गया है। इस उपलब्धि से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है।

जाम व अतिक्रमण की समस्या पर सांसद प्रतिनिधि प्रिंस सिंह ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

पांकी। चतरा सांसद कालीचरण सिंह के खनन विभाग के विधानसभा प्रतिनिधि एवं समाजसेवी कुमार अविनाश सिंह उर्फ प्रिंस सिंह ने गुरुवार को अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पांकी की गंभीर समस्याओं—जाम, अतिक्रमण और कड़ाके की ठंड—की ओर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि पांकी मुख्य मार्ग कर्पूरी ठाकुर चौक से भगत सिंह चौक तक प्रतिदिन जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों और आम यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने और पुलिस जवानों की चौक-चौराहों पर स्थाई तैनाती की मांग की। प्रिंस सिंह ने कहा कि क्षेत्र में बालू की समस्या भी चर्चा का विषय है, हालांकि इसे विधानसभा में विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता उठा चुके हैं और अब विभागीय प्रतिक्रिया का इंतजार है। उन्होंने कहा कि पांकी की जनता ने उनके परिवार को मुखिया से लेकर मंत्री तक बनाया है। उनके लिए पद से अधिक जनता का सम्मान और प्यार महत्वपूर्ण है। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने दर्जनों जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण भी किया। मौके पर सांसद मीडिया प्रभारी सह वरिष्ठ पत्रकार शिव शंकर पासवान, ललन सिंह, अभय सिंह, गफ्फार अंसारी, अफरोज अंसारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

लैंगिक हिंसा पर जागरूकता : अस्पताल में 'नई चेतना 4.0' अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा संचालित जेंडर अभियान नई चेतना 4.0 – पहल बदलाव की ओर के तहत हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जेंडर समानता, महिलाओं के अधिकार, बालिका शिक्षा, घरेलू हिंसा की रोकथाम, समाज में महिलाओं की नेतृत्व भूमिका और लैंगिक भेदभाव समाप्त करने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जेएसएलपीएस की दीदियों ने उपस्थित महिलाओं को समानता, सम्मान और सहयोग के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शपथ दिलाई। जेएसएलपीएस के प्रखंड कॉर्डिनेटर अंजनी कुमार ने बताया कि जेंडर अभियान 4.0 का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सोच और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना है, ताकि महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और निर्णय क्षमता में सशक्त हो सकें। अभियान के तहत प्रखंड कार्यालय, थाना, पंचायत सचिवालय, स्कूल और अन्य संस्थानों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में चांदनी कुमारी, निशा चौधरी, ममता कुमारी, लीलावती देवी, कमला वर्मा, बरती देवी, प्रिया देवी, अनिता देवी, चंद्रावती चौधरी, महिला पुलिस एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। सभी ने इस पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

सरकारी सुविधाएं जनता तक पहुंचें जेनरिक दवाएं अनिवार्य: एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू उपायुक्त समीरा एस के निर्देश पर स्वास्थ्य सेवाओं और जनसुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी ओमप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने गुरुवार को हैदरनगर के सभी 12 पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों और पीडीएस दुकानों की जांच की गई। एसडीओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरनगर का भी गहन निरीक्षण किया और ओपीडी, हाजिरी रजिस्टर, प्रसव कक्ष, दवा वितरण केंद्र, टीकाकरण कक्ष सहित सभी वार्डों की स्थिति देखी। उन्होंने निर्देश दिया कि मरीजों के लिए केवल जेनरिक दवाएं ही लिखी जाएं तथा किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल की सफाई व्यवस्था में कमी पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि सरकारी सुविधाओं का लाभ आम मरीजों तक निर्बाध रूप से पहुँचे और सभी कर्मी अपनी जिम्मेदारी समय पर निभाएं। निरीक्षण में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ज्योतिष कुमार, डॉ. राकेश रंजन, फार्मासिस्ट नवीन किशोर सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। निरीक्षण दल में भूमि उप समाहर्ता गौरांग महतो, बीडीओ विश्व प्रताप मालवा, अंचल अधिकारी संतोष कुमार, पंचायत सचिव शैलेंद्र कुमार चौधरी सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

चार वर्षों के प्रेम प्रसंग के बाद पुलिस हस्तक्षेप से एक हुए प्रेमी–प्रेमिका, मंदिर में सम्पन्न हुई शादी

ऊंटारी रोड। चार वर्षों से चल रहे प्रेम प्रसंग के बाद बुधवार की शाम ऊंटारी रोड पुलिस के हस्तक्षेप और क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रेमी–प्रेमिका का विवाह शिव संपत धाम मंदिर परिसर में सम्पन्न हुआ। हालांकि लड़के पक्ष के माता-पिता इस विवाह में शामिल नहीं हुए। जानकारी के अनुसार मुरमा कला की 20 वर्षीया रानी कुमारी और लहर बंजारी के आलोक कुमार के बीच पिछले चार वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था। पारिवारिक विरोध के कारण उनकी शादी नहीं हो पा रही थी। जैसे ही रानी की शादी कहीं और तय हुई, प्रेमी आलोक सक्रिय हुआ और विवाह रद्द करवाने में सफल रहा। इसके बावजूद स्थिति नहीं सुधरी और मामला थाने तक पहुंच गया। थाना परिसर में बातचीत के बाद दोनों ने विवाह के लिए सहमति दे दी और अंततः शिव संपत धाम में शहनाई की धुन के बीच विवाह सम्पन्न हुआ। मौके पर पूर्व प्रमुख रामसेवक पासवान, अरुण वर्मा, विनय पासवान, सुरेश पासवान, मनोज चंद्रवंशी, दीनानाथ साह, सुनेशवर बैठा सहित कई लोग मौजूद रहे।

रमावल्लभ तिवारी की पुण्यतिथि पर शिक्षा व सेवा के संकल्प को किया याद

नीलांबर–पीतांबरपुर। लेस्लीगंज हाई स्कूल के संस्थापक एवं प्रथम प्रधानाचार्य स्वर्गीय रमावल्लभ तिवारी की सातवीं पुण्यतिथि विद्यालय परिसर और पेंशनर भवन में श्रद्धा और सादगी के साथ मनाई गई। विद्यालय में शिक्षक, छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों की सामूहिक उपस्थिति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण और दो मिनट के मौन से की गई। हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस बार भी स्व. तिवारी के परिजनों ने कमजोर और मेधावी छात्राओं के लिए 11,000 की सहयोग राशि विद्यालय को प्रदान की। इस सहायता से छात्राओं में उत्साह देखा गया। उनके पुत्र सतीश तिवारी और अजीत तिवारी ने कहा कि उनके पिता जीवन भर शिक्षा को समाज उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम मानते थे। वे मानते थे कि बेटियों की शिक्षा से समाज प्रगति करता है। इसी सपने को जीवित रखने के लिए वे हर वर्ष सहायता राशि प्रदान करते हैं, ताकि कोई भी प्रतिभा आर्थिक कारणों से पीछे न रह जाए। विद्यालय के प्राचार्य अमरेश सिंह ने बताया कि स्व. तिवारी केवल प्रधानाचार्य नहीं थे, बल्कि विद्यालय की आत्मा थे। कठिन परिस्थितियों में स्कूल की नींव रखना, भवन निर्माण कराना, अनुशासन और संस्कार को विद्यालय की पहचान बनाना—ये सभी उनकी मेहनत और दूरदर्शिता का परिणाम था। आज स्कूल की जो प्रतिष्ठा है, वह तिवारी की सोच की ही देन है।

बाल संस्कार विद्यालय का वार्षिकोत्सव

पांकी। सगालीम बस स्टैंड के समीप स्थित बाल संस्कार विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद व मजदूर किसान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिलीप कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। विद्यालय प्रबंधन द्वारा अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मंच पर बच्चों ने गीत, नृत्य और विभिन्न कला रूपों की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। प्रखंड प्रमुख ने कहा कि छोटे पंचायत में इस तरह का संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करने वाला विद्यालय सराहनीय है। वहीं प्राचार्य डॉ. दिलीप कुमार ने विद्यालय के शिक्षा स्तर व बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, ग्रामीण व अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पहल सतबरवा सर्वोदय विद्यालय में नवाचार के संग बोर्ड की तैयारी

भौतिकी मॉडल परीक्षा में 400 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। राजकीयकृत +2 सर्वोदय विद्यालय, सतबरवा में आगामी बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए भौतिकी विषय भाग–1 की मॉडल परीक्षा नवाचारी और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा का संचालन पीजीटी भौतिकी शिक्षक अभिषेक तिवारी के नेतृत्व में किया गया। विज्ञान संकाय के लगभग 400 विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी तैयारी का आकलन किया। अभिषेक तिवारी ने कहा कि परीक्षा केवल अंक अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की समीक्षा, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का आधार है। शिक्षक अभिषेक कुमार ने बताया कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रधानाध्यापक अविनाश चौधरी ने कहा कि मॉडल टेस्ट विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के प्रारूप और मानसिक दबाव दोनों के लिए तैयार करते हैं। आईटी शिक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि ऐसे अभ्यास विद्यार्थियों में समय प्रबंधन और अनुशासन विकसित करते हैं। परीक्षा के दौरान सत्यप्रकाश शर्मा, सुबोध कुमार, दिलीप प्रसाद, नवनीत कुमार, नरेंद्र राम, विश्वजीत पासवान, मो. सद्दाम हुसैन, दिलीप कुमार, मुकेश तिवारी सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। परीक्षा शांतिपूर्ण रही और विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा एवं सीखने की प्रेरणा देखने को मिली।

पलामू व गढ़वा के सड़क विकास को लेकर सांसद ने केंद्रीय मंत्री से की बैठक

फोरलेन निर्माण और ब्लैक स्पॉट्स सुधार की मांग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सांसद पलामू विष्णुदयाल राम ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन कार्यालय में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर पलामू संसदीय क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रगति, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के निर्माण पर चर्चा की। बैठक में सांसद ने जोर देते हुए कहा कि सीलीदाग से पड़वा मोड़ तक 22 किलोमीटर फोरलेन निर्माण, गढ़वा फोरलेन बाईपास से रामानुजगंज तक लगभग 50 किलोमीटर फोरलेन सड़क और गढ़वा मझिआंव मोड़ से कांडी प्रखंड के श्रीनगर-पडुका ब्रिज तक 40 किलोमीटर फोरलेन निर्माण सहित कई परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सांसद ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-139 से NH-127 के समानांतर नई फोरलेन सड़क का निर्माण, जपला फोरलेन बाईपास, देवरी कला और देवीपुर को जोड़ने वाले सोन नदी पुल सहित सड़कों का निर्माण पीएम गति शक्ति योजना के तहत शामिल है, जिसे शीघ्र मूर्तरूप दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही रांची-वाराणसी कॉरिडोर में NH-39 सेक्शन-3 पर भोगू से शंखा तक डालटनगंज फोरलेन बाईपास पर ब्लैक स्पॉट्स और दुर्घटनाग्रस्त हिस्सों पर फ्लाईओवर निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया गया। सांसद ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी सुधरेगी, बल्कि आवागमन और सड़क सुरक्षा भी बढ़ेगी। निजी सचिव अलख दुबे ने बताया कि सांसद द्वारा उठाई गई मांगें पूरी तरह से क्षेत्रवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश मिल चुके हैं और परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। ब्लैक स्पॉट्स वाले हिस्सों पर सुरक्षा उपायों और फ्लाईओवर निर्माण के माध्यम से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में सांसद ने परियोजनाओं के डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआरओ) शीघ्र तैयार करने और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की प्राथमिकता सूची में शामिल करने की मांग भी की। बैठक सकारात्मक और उत्साहजनक रही, जिसमें केंद्रीय मंत्री ने सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सीएम से मुलाकात के बाद झगरू पंडित की प्रतिमा अनावरण का मिला भरोसा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल के चेयरमैन और झामुमो युवा नेता अविनाश देव ने बुधवार को विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान वे जामताड़ा निवासी दिवंगत झगरू पंडित के परिवार को भी मुख्यमंत्री से मिलाने ले गए। मुलाकात बेहद भावनात्मक रही, क्योंकि झगरू पंडित झारखंड अलग राज्य आंदोलन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अग्रिम सहयोगी और सहयोद्धा रहे थे। जानकारी के अनुसार, झगरू पंडित की प्रतिमा ग्रामीणों और समाज के सहयोग से तैयार हो चुकी है, लेकिन उसके अनावरण की तिथि अब तक तय नहीं हो सकी थी। प्रतिमा लोकार्पण को लेकर झगरू पंडित के बहू, पोते-पोतियों सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखी। परिवार ने अनुरोध किया कि आंदोलनकारी की प्रतिमा का अनावरण सरकारी स्तर पर सम्मानपूर्वक कराया जाए। अविनाश देव ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया और प्रतिमा अनावरण के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने पूरा भरोसा दिलाया कि झगरू पंडित की प्रतिमा के अनावरण में सरकार अपनी भूमिका सुनिश्चित करेगी। मुलाकात के दौरान अन्य स्थानीय और संगठनात्मक मुद्दों पर भी थोड़ी देर चर्चा हुई। अविनाश देव ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ वार्ता सकारात्मक रही और उम्मीद है कि जल्द ही प्रतिमा अनावरण की तारीख तय होगी।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में मनाया गया भाषा फिएस्टा, बच्चों ने प्रस्तुत की देश की सांस्कृतिक विविधता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में बुधवार को भाषा उत्सव पखवाड़ा के तहत भाषा फिएस्टा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य आर. प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि बहुभाषाविद स्वतंत्रता सेनानी कवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर भारतीय भाषा दिवस मनाया जाता है। भाषा उत्सव का मुख्य उद्देश्य छात्रों में भाषाई सद्भाव को बढ़ावा देना और देश की सांस्कृतिक एकता को मजबूत करना है।

फिएस्टा में छात्रों ने विभिन्न राज्यों की संस्कृति, पहनावा और खान-पान की झलक पेश की। बच्चों ने बिहार की लिट्टी-चोखा, झारखंड का धुसका-बड़ा, महाराष्ट्र का वड़ा पाव, पंजाब का मक्के की रोटी-साग और लस्सी, कोलकाता का पोहा-चूड़ा व रसगुल्ला तथा दक्षिण भारत का इडली-डोसा जैसे व्यंजनों का प्रदर्शन किया। व्यंजनों की विशेषताओं को छात्रों ने क्षेत्रीय भाषाओं में चार्ट के माध्यम से दर्शाया।

कार्यक्रम के दौरान सभाकक्ष में देश के उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम की सांस्कृतिक विविधता स्पष्ट रूप से झलक रही थी। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे और बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की।

ग्रामीण महिलाओं के लिए उद्यमिता व ऋण वितरण कार्यक्रम

छह महिलाओं को मिला व्यक्तिगत ऋण नवाचार व उद्यमिता में प्रोत्साहन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आज मेदिनीनगर के टाउन हॉल में जेएसएलपीएस की ओर से ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम के तहत ऋण वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेदिनीनगर एसडीओ सुलोचना मीणा, एनडीसी नीरज कुमार और डीपीएम अनिता केरकेट्टा ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनीता केरकेट्टा ने बताया कि जेएसएलपीएस के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को छोटे-छोटे उद्यम शुरू करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है और साथ ही उन्हें बैंक से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस वित्तीय वर्ष में जिले में 14,000 से अधिक महिलाओं ने अपने-अपने उद्यम की शुरुआत की है। इन उद्यमों में किराना दुकान, चाय-समोसा, चूड़ी-बाला निर्माण, खाद सामग्री, नमकीन, चुड़ा, सरसों का तेल, आटा पैकिंग, पनीर, दूध, दही सहित अनेक छोटे व्यवसाय शामिल हैं।

एसडीओ सुलोचना मीणा ने महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सखी मंडल की दीदियों को नवाचार के प्रयास करने चाहिए और उद्यमिता के माध्यम से गरीबी से बाहर निकलने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे अपने व्यवसाय में खुद की पहचान बनाएं ताकि जिला स्तर पर उनके उद्यम का नाम और उपलब्धि उजागर हो। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की तरफ से महिलाओं को हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इस अवसर पर छह महिलाओं दुर्गवती देवी, सुलेखा कुमारी, मंजू देवी, सुप्रिया देवी, रानी बेगम और रीना देवी को व्यक्तिगत ऋण के सांकेतिक चेक प्रदान किए गए, जो उनके उद्यमों को आगे बढ़ाने में सहायक होंगे। कार्यक्रम में एलडीएम आलोक श्रीवास्तव, झारखंड ग्रामीण बैंक के रीजनल मैनेजर अरुण कुमार, क्रेडिट मैनेजर संजीव कुमार, जिला कौशल पदाधिकारी नीरज कुमार, आरसेटी निदेशक ब्रह्मानंद, जिला प्रबंधक स्किल एवं जॉब नवल किशोर राजू, मिथिलेश कुमार, शेखर लाल, संदीप मिश्रा, प्रधान रुचिका सिंह, बीपीएम वैभव कांत, अंजनी कुमार, पिंकी सिंह, राम ध्यान, बीपीओ राजीव भारद्वाज, सुनील कुमार, मंदिप कुमार सहित जिले के अन्य उद्यमी दीदियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में उत्साह और आत्मविश्वास का माहौल दिखाई दिया। कई दीदियों ने इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किए और बताया कि यह ऋण उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने का महत्वपूर्ण साधन साबित होगा। जिला प्रशासन की ओर से लगातार मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिलने के कारण महिला उद्यमिता को नयी दिशा और प्रोत्साहन मिला है।

पलामू में आजसू के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार चंद्रवंशी का निधन, शहर में शोक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव एवं पलामू जिला प्रभारी सतीश कुमार चंद्रवंशी का 10 दिसंबर की रात्रि एम्स, पटना में निधन हो गया। कुछ दिनों से इलाजरत सतीश कुमार जी का पार्थिक शरीर जब डालटनगंज पहुंचा, तो शहर में शोक की लहर दौड़ गई। उनके आवास पर पहुंचकर लोग उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने लगे। सतीश कुमार जी के निधन की सूचना मिलते ही आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सतीश बाबू का जाना पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति है और उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, केन्द्रीय मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत, केन्द्रीय महासचिव संजय मेहता, केन्द्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान, पूर्व विधायक लम्बोदर महतो, इम्तेयाज अहमद नजमी सहित अनेक नेताओं ने भी शोक संवेदना व्यक्त की। पार्थिव शरीर के डालटनगंज पहुंचते ही आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव विजय मेहता, केंद्रीय सचिव विकेश शुक्ला, चंद्रशेखर सिंह छोटू, बबलू गुप्ता, जिला कार्यकारी अध्यक्ष तुलसी शुक्ला, संतोष मेहता, गढ़वा जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, शकर प्रताप विश्वकर्मा, चम्पा देवी, लातेहार जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, केन्द्रीय सदस्य संजू सिंह, बुद्धिजीवी मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष शिवशंकर प्रसाद, सतीश तिवारी, मनजीत मेहता, संगठन सचिव शिवशंकर प्रसाद, तरहसी अध्यक्ष बिरेन्द्र मेहता, केन्द्रीय सदस्य प्रदीप पांडेय, युवा संयोजक राहुल मिश्रा और छात्र नेता अभिषेक राज सहित कई नेताओं ने पार्टी का झंडा पार्थिव शरीर पर लपेट कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सतीश कुमार जी के निधन की खबर से भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, विधायक आलोक चौरसिया के प्रतिनिधि भीषम चौरसिया, अमरेश चौरसिया, विभाकर पांडेय, प्रभात भुइया, जेएमएम के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा, सन्नू सिद्दीकी, पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी, धनन्जय त्रिपाठी, रुद्र शुक्ल, मेयर अरुणा शंकर सहित अन्य दलों के नेता, समाजसेवी, व्यवसायी, पत्रकार और बुद्धिजीवी भी उनके अंतिम दर्शन में शामिल हुए। सतीश कुमार चंद्रवंशी का अंतिम संस्कार बेलवाटिका स्थित श्मशान घाट पर किया गया।

पलामू ने खो दिया अपना सच्चा सपूत : इम्तियाज अहमद

मेदिनीनगर। आजसू के केंद्रीय सचिव और झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के नेता इम्तियाज अहमद नजमी ने केंद्रीय सचिव सतीश कुमार के आकस्मिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। नजमी ने कहा कि यह सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि पलामू प्रमंडल की वह आवाज़ खो गई है, जो हमेशा अपने हक और अधिकार के लिए आंधी-तूफान की तरह डटी रही। इम्तियाज अहमद नजमी ने कहा कि सतीश दादा का जाना पलामू प्रमंडल के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत भूमिगत माओवादी आंदोलन की तेज धारा से हुई और झारखंड राज्य स्थापना आंदोलन तक उन्होंने हर मोड़ पर अपने साहस, निष्ठा और प्रतिबद्धता से झारखंड की मिट्टी का मान बढ़ाया। झारखंडी महापुरुषों की विचारधारा का अनुसरण करते हुए सतीश दादा जीवनभर आंदोलनकारियों के हक और सम्मान की लड़ाई में अडिग रहे। नजमी ने भावुक होकर बताया कि सतीश दादा का निधन मेरे लिए सिर्फ राजनीतिक क्षति नहीं, बल्कि व्यक्तिगत दुख भी है। उन्होंने मुझे हमेशा छोटे भाई की तरह प्यार, दुलार और सम्मान दिया। उनका स्नेह मेरे जीवन की ऐसी पूँजी है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।" शोक संदेश में उन्होंने आगे कहा कि राज्य और जिला स्तर के कई आंदोलनों में सतीश दादा की निर्णायक और संघर्षशील भूमिका आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। नजमी ने निष्कर्ष निकाला कि पलामू ने सचमुच एक सच्चा सपूत, एक जुझारू नेता और जनसेवा की मिसाल खो दी है। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा और आजसू परिवार उनके प्रति सदैव ऋणी रहेगा।

रेल परियोजना: 27 किलोमीटर का डिटेल सर्वे शुरू

- स्थानीय आवागमन व अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर। गिद्धौर प्रखंड के इंद्रा मोड़ से चतरा तक प्रस्तावित रेलवे लाइन के लिए विस्तृत सर्वे कार्य गुरुवार से शुरू कर दिया गया। सर्वे टीम ने गिद्धौर सूर्य मंदिर परिसर के नजदीक से सर्वे का कार्य आरंभ किया।

सर्वे कोलकाता स्थित सी-टेस्टिंग टीम द्वारा संचालित किया जा रहा है और कुल करीब 27 किलोमीटर लंबी रूट की तकनीकी जाँच की जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, डिटेल सर्वे का उद्देश्य प्रस्तावित ट्रैक रूट का भौगोलिक, तकनीकी और आर्थिक मूल्यांकन करना है। सर्वे में मार्ग का स्तर, मिट्टी की गुणवत्ता, पुल, नहर एवं अन्य अवरोधों के स्थान, भू-स्वामित्व संबंधी स्थिति और पर्यावरणीय पहलुओं का अध्ययन शामिल होगा।

सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही टीपीएसी का अंतिम नक्शा, निर्माण लागत तथा समय-सीमा तय की जाएगी। आधिकारिक और स्थानीय स्तर पर माना जा रहा है कि इंद्रा मोड़-चतरा रेल लिंक के बन जाने से दूरी-समय घटने के साथ स्थानीय आवागमन सुगम होगा, माल ढुलाई विशेषकर कृषि उत्पादों व स्थानीय व्यापार में तेजी आएगी, रोजगार व आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और आसपास के ग्रामीण व अर्ध-शहरी इलाकों का समग्र विकास होगा।

108 हनुमान चालीसा पाठ व हनुमंत पूजा का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। जिले के लावालौंग प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मंधनियां गांव में सामूहिक कल्याण, एकजुटता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। विश्वकर्मा परिवार की पहल पर गांव में 108 हनुमान चालीसा पाठ और हनुमंत पूजा का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व विश्वकर्मा परिवार के बिनोद, बिनय, प्रदीप और पिंटू विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से किया। पूरे दिन गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा। आचार्य अमित मिश्रा ने बताया कि 108 बार हनुमान चालीसा पाठ करने से आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ती है और गांव में शांति, समृद्धि तथा सकारात्मकता का संचार होता है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने सामूहिक भजन-कीर्तन किया और हवन-पूजन के माध्यम से गांव के सुख-समृद्धि की कामना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने और आध्यात्मिक जागरण लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन की सफलता पर विश्वकर्मा परिवार और ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, विजेताओं को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेरा युवा भारत, पलामू द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन जिला एथलेटिक्स स्टेडियम, मेदिनीनगर में किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के लिए फुटबॉल, 400 मीटर दौड़ और लंबी कूद तथा महिलाओं के लिए कबड्डी, 200 मीटर दौड़ और रस्सीकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में सांसद प्रतिनिधि सह फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य विजय ओझा, जिला खेल समन्वयक निधि उपाध्याय एवं मेरा युवा भारत केंद्र की जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। सांसद प्रतिनिधि ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए खेल अत्यंत आवश्यक है। खेल से मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है और केंद्र सरकार खेल के क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ भी दीं।

फुटबॉल प्रतियोगिता के फ़ाइनल में सदर और पांकी प्रखंड की टीमें आमने-सामने हुईं, जिसमें पांकी की टीम विजयी रही। बालिका कबड्डी फ़ाइनल हुसैनाबाद और उटारी रोड के बीच खेला गया, जिसमें हुसैनाबाद की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ (बालक) में करण कुमार (पांकी) प्रथम, सोनू कुमार (पांकी) द्वितीय तथा अंकित कुमार सिंह (सदर) तृतीय स्थान पर रहे। रस्सीकूद प्रतियोगिता में पुष्पा कुमारी (हुसैनाबाद) प्रथम, रूपा कुमारी (सतबरवा) द्वितीय तथा आरती कुमारी (सतबरवा) तृतीय रहीं।

200 मीटर दौड़ (बालिका) में गोसिया प्रवीण (सदर) प्रथम, मिष्ठी कुमारी (सदर) द्वितीय तथा श्रुति कुमारी (सदर) तृतीय रहीं।

लंबी कूद (बालक) में करण कुमार (पांकी) प्रथम, सोनू पासवान (पांकी) द्वितीय एवं जी.एस. करण (पांकी) तृतीय स्थान पर रहे। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी, मेडल, प्रमाणपत्र एवं टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन हिमांशु तिवारी ने किया। प्रतियोगिता में बतौर रेफरी भीम यादव, मोनू कुमार, बिपिन यादव, शुभम कुमार तथा लगभग 200 प्रतिभागी उपस्थित थे।

दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप सीज़न-3 के पांचवें दिन

पलामू कप में रनों की बरसात, डब्लू ने जड़ा पहला शतक 35 गेंदों में 101 रन

बारालोटा इलेवन की धमाकेदार जीत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप सीज़न-3 के पांचवें दिन क्रिकेट प्रेमियों ने रोमांच से भरा मुकाबला देखा। मैदान में चौकों–छक्कों की ऐसी झड़ी लगी कि दर्शक झूम उठे। बारालोटा इलेवन के स्टार बल्लेबाज़ डब्लू ने 35 गेंदों पर 101 रनों की तूफ़ानी पारी खेलते हुए टूर्नामेंट का पहला शतक जड़ दिया, जो आज के मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण बन गया। उनके इस प्रदर्शन ने विपक्ष की रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

आज डीसीए के राजू शुक्ला ने टॉस कराया, जिसमें बेलवाटिका ने पहले गेंदबाजी चुनी लेकिन यह फैसला मैच के परिणाम को देखते हुए भारी चूक साबित हुआ। बारालोटा इलेवन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 172 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेलवाटिका ने संघर्षपूर्ण 141 रन बनाए, लेकिन बारालोटा इलेवन की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के सामने टिक नहीं सके।

डब्लू को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी एड वर्ल्ड के प्रोपराइटर मनीष सिंह ने प्रदान की। शहर के व्यवसायी रौशन नाग ने लगातार तीन छक्के जमाने वाले खिलाड़ी को 501 रुपये का विशेष नकद पुरस्कार दिया, जिससे खिलाड़ियों में उत्साह और बढ़ गया।

आयोजक झामुमो नेता सन्नी शुक्ला और आशुतोष विनायक ने बताया कि अब टूर्नामेंट रोमांचक मोड़ पर है। कल से क्वार्टर फाइनल शुरू होंगे, जिसमें केवल शीर्ष और दावेदार टीमें भिड़ेंगी।

बारालोटा इलेवन की शानदार जीत और डब्लू की ऐतिहासिक पारी ने साफ कर दिया है कि पलामू कप के आगामी मुकाबले और भी धमाकेदार होने वाले हैं।

रंका थाना की बड़ी कार्रवाई

छह वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में प्रस्तुत

नवीन मेल संवाददाता

रंका। अमुण्डल पुलिस पदाधिकारी रंका पुलिस के नेतृत्व में चलाए जा रहे समकालीन अभियान के दौरान रंका थाना पुलिस ने कुल 06 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रंका क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में दबिश देकर लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों पर विभिन्न गंभीर मामलों में मुकदमे चल रहे थे। गिरफ्तारी के बाद सभी को रंका थाना लाया गया और विधि-सम्मत प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कुधरूम गांव में नाबालिग बच्चे कर रहे "सनफिक्स" से नशा

नवीन मेल संवाददाता

रंका। प्रखंड के विश्रामपुर पंचायत अंतर्गत कुधरूम गांव में नाबालिग बच्चों के बीच नशे की बढ़ती प्रवृत्ति ने ग्रामीणों को गंभीर चिंता में डाल दिया है। हाल ही में कुछ बच्चों को "सनफिक्स" सूंघते हुए देखा गया। ग्रामीणों ने बच्चों को डांटा और भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दी। ग्रामीणों के अनुसार, बच्चे 22 प्लॉट इलाके से सनफिक्स खरीदकर लाते हैं और इसे पॉलिथीन में डालकर सूंघते हैं। यह सस्ती और आसानी से उपलब्ध सामग्री बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है। जिन बच्चों को यह करते देखा गया, वे कुधरूम गांव के सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि बच्चों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी और विद्यालय प्रबंधन को सूचना दी जाएगी। साथ ही, दुकानदारों को नाबालिगों को ऐसी सामग्री न बेचने की चेतावनी दी जाएगी।

डंडई के सोनेहरा गांव में बैंकिंग फ्रॉड का खुलासा, 65 हजार रुपये हड़पने का आरोप

डंडई। सोनेहरा गांव में इंडसइंड बैंक के सीएसपी संचालक युसूफ अंसारी पर फर्जी पासबुक बनाकर 65,000 रुपये हड़पने का आरोप लगा है। पीड़ित रामजन्म विश्वकर्मा ने बताया कि उनके नाम और पते के साथ किसी अन्य व्यक्ति का बैंक खाता और आधार नंबर दर्ज कर रकम निकाल ली गई। बैंक प्रबंधक अमित कुमार सिन्हा ने कहा कि यह गंभीर अपराध है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाल विवाह रोकने में प्रशासन को मिली सफलता

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। भंडरिया प्रखंड की एक नाबालिग लड़की का बलरामपुर (रामानुजन) स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में बाल विवाह कराया जा रहा था। प्रशासन ने मंदिर पहुंचकर विवाह को रोक दिया। सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, गढ़वा के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। टीम में बाल कल्याण समिति, गढ़वा जिला बाल संरक्षण इकाई और गैर-सरकारी संगठन जैसे एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन गढ़वा और लोहरदगा ग्राम स्वराज संस्था गढ़वा के प्रतिनिधि शामिल थे। सामूहिक प्रयास से नाबालिग लड़की को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया। यह अभियान अंतर-जिला समन्वय और बहु-संस्थागत सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो बाल संरक्षण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

लखेया मोड़ पर सड़क हादसा, दो घायल

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। थाना क्षेत्र के लखेया मोड़ के पास दो मोटरसाइकिल की टक्कर में हासनदाग गांव निवासी नागेंद्र चौधरी और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और घायलों को इलाज के लिए हॉस्पिटल भेजा। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटना का कारण सड़क पर बने जर्जर यात्री शेड को बताया गया। डंडई रोड के चौड़ीकरण के बावजूद यह शेड बीच सड़क में खड़ा होने से हादसे होते रहते हैं। अंचलाधिकारी यशवंत नायक ने बताया कि शेड को शुक्रवार को जेसीबी मशीन द्वारा हटवा दिया जाएगा।

पीएलवी अमरेन्द्र कुमार ने कोरवा महिला की जान बचाई

रंका। पंचायत मुख्यालय स्थित सब्जी मंडी में 32 वर्षीय कोरवा परहिया महिला ललिता देवी बेसुध हालत में मिली। पीएलवी सह समाजसेवी अमरेन्द्र कुमार ने तुरंत मौके पर पहुँचकर महिला को गर्म रखने के लिए कंबल दिया, चाय पिलाई और आग जलवाई। स्थानीय समाजसेवियों सोनू कुमार मद्धेशिया, ओम प्रकाश गुप्ता और बैजनाथ साव की सूचना पर अमरेन्द्र कुमार ने महिला को मदद दी। इसके बाद उन्होंने पुलिस इंस्पेक्टर अभिजीत गौतम मिश्रा को सूचित किया। पुलिस ने महिला को आवश्यक स्वास्थ्य व व्यवहारिक सलाह देने के बाद उसके परिजनों को सौंपा।

डोभा विवाद गलत साबित, निजी जमीन की खुदाई सरकारी योजना बताई गई

चिनियां। प्रखंड के डोल पंचायत के चपकली गांव में जेसीबी मशीन से डोभा निर्माण की शिकायत पर जांच टीम मौके पर पहुंची। जांच में स्पष्ट हुआ कि शिकायत स्थल पर कोई सरकारी योजना नहीं थी और यह निजी जमीन थी। जांच टीम में प्रखंड विकास पदाधिकारी सुबोध कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी शशि रंजन, जेई मनोज कुमार और रोजगार सेवक कृष्ण शर्मा शामिल थे। उन्होंने मनरेगा जॉब ऐप और GPS मैपिंग के जरिए पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। बीडीओ सुबोध कुमार ने कहा कि बिना योजना वाली जमीन पर जेसीबी से निर्माण का आरोप गलत था और सभी दस्तावेजों की जांच कर अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत

रमना। बुधवार रात्रि रमना पंचायत के रामगढ़ निवासी सुदामा पासवान के 20 वर्षीय पुत्र मुकेश पासवान की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, मुकेश घर लौट रहा था। इसी दौरान पंचायत सचिवालय मड़वनिया और भगत सिंह चौक पीपील तर के बीच किसी अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल मुकेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करचा पहुँचाया गया, लेकिन सदर अस्पताल गढ़वा ले जाते समय उसकी मौत हो गई। शव का अंत्य परीक्षण के बाद परिजनों को सौंपा गया।

भवनाथपुर में आर्थिक साक्षरता अभियान का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट के समीप सुलतान कंप्यूटर के पास नाबार्ड और एयरटेल पेमेंट्स बैंक के संयुक्त तत्वाधान में आर्थिक साक्षरता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान झारखंड के सभी जिलों में 11 दिसंबर 2025 को एक साथ आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को सुरक्षित बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना था। ग्रामीणों को वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। विशेषज्ञों ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी अज्ञात कॉल पर ओटीपी साझा न करें और निजी जानकारी न दें। फ्रॉड की स्थिति में 1930 नंबर पर तुरंत संपर्क करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और एयरटेल पेमेंट्स बैंक के खाते से जुड़ी सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जोनल अधिकारी अमित कुमार शुक्ला, ब्लॉक प्रमोटर मनीष कुमार कुशवाहा, मुकेश कुमार, विवेक कुमार, सुलतान अंसारी, ग्रामीण सुरेंद्र राउत, लक्षण मेहता, संतोषी कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

वृद्ध व असहाय लोग कंबल के इंतजार में परेशान

चिनिया। प्रखंड कार्यालय में इस वर्ष सरकार द्वारा मिलने वाले कंबल अभी तक उपलब्ध नहीं होने से वृद्ध और असहाय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गरीब और वृद्ध लोग प्रतिदिन कंबल मिलने की उम्मीद में प्रखंड कार्यालय आते हैं, लेकिन निराश होकर लौट जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठंड काफी बढ़ गई है और इस मौसम में झारखंड सरकार द्वारा असहाय, गरीब और वृद्ध परिवारों के लिए कंबल उपलब्ध कराया जाता था। कंबल नहीं मिलने के कारण जरूरतमंद लोग मायूस हैं और प्रखंड कार्यालय आते-जाते रहते हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि चिनिया प्रखंड के लिए अभी तक कंबल उपलब्ध नहीं हुआ है। जैसे ही कंबल उपलब्ध होगा, वह निश्चित रूप से जरूरतमंदों में वितरित किया जाएगा।

धान क्रय केंद्र बंद, बिचौलियों के भरोसे किसान

● समर्थन मूल्य से वंचित, बेचैनी बढ़ी

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। प्रखंड के किसान इस वर्ष कई परेशानियों का सामना कर रहे हैं। पहले यूरिया खाद की किल्लत और उसके बाद झुलसा रोग ने फसल को भारी नुकसान पहुँचाया। किसान बताते हैं कि बंपर उत्पादन की बात तो छोड़ दें, वे अपनी फसल को बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं। अब प्रखंड क्षेत्र में धान क्रय केंद्र न खुलने से स्थिति और गंभीर हो गई है। सरकारी खरीद न होने के कारण किसान अपनी फसल बिचौलियों को औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हैं। किसान बताते हैं कि बिचौलिये उन्हें केवल 1500–1600 प्रति क्विंटल मूल्य दे रहे हैं, जबकि सरकार द्वारा समर्थन मूल्य इससे काफी अधिक निर्धारित है। कई किसान कर्ज लेकर खेती करते हैं और फसल बेचकर कर्ज चुकाने को मजबूर होते हैं। सरकारी खरीद शुरू न होने से किसान कर्ज के बोझ में और दबते जा रहे हैं। पूरे प्रखंड में पैक्स के माध्यम से धान खरीद की कोई व्यवस्था शुरू न होने से किसानों को मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने सरकार से तत्काल धान क्रय केंद्र खोलने, समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने और समय पर भुगतान करने की मांग की है।

पैसे के अभाव में किडनी की बीमारी से जूझ रहे आशीष का इलाज नहीं हो पा रहा

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बलियारी पंचायत के बरवाडीह गांव निवासी कामेश्वर मेहता के 30 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार मेहता पिछले चार महीनों से किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। वर्तमान में उनका इलाज लखनऊ के अपोलो मेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार इस खतरनाक बीमारी से बचने का एकमात्र उपाय किडनी का ट्रांसप्लांट है। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण गरीब परिवार इस गंभीर इलाज को कर पाने में असमर्थ है। आशीष की 80 वर्षीय मां मालती देवी अपनी किडनी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन परिवार के पास इतना पैसा नहीं है कि वे ट्रांसप्लांट करा सकें। कामेश्वर मेहता ने बताया कि वे मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं और इस कठिन परिस्थिति में इतनी बड़ी राशि जुटाना असंभव है। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता से मदद की अपील की और अपना मोबाइल नंबर 7781835532 साझा किया, जिससे जो भी व्यक्ति सहायता कर सके, उनसे सीधे संपर्क कर सके।

पीएलवी राजेश कुमार ने गंभीर रोगी का सफल इलाज किया

रंका। डीएलएसए के निर्देशन में पीएलवी राजेश कुमार ने बिश्रामपुर पंचायत के महेंद्र चौधरी का सफल इलाज किया। मरीज आंत में सूजन संबंधी गंभीर रोग से पीड़ित थे। राजेश कुमार ने मरीज को तुरंत रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाने की व्यवस्था की। डॉक्टरों की टीम ने एंटीबायोटिक्स, सूजन कम करने वाली दवाएं, तरल पदार्थ और जीवनशैली सुधार सहित आवश्यक उपचार प्रदान किया। मरीज को राहत मिलने के बाद उन्होंने राजेश कुमार और चिकित्सक टीम का आभार व्यक्त किया।

ग्राम जरही में वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए : समाजसेवी

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जरही के हनुमान मंदिर परिसर में गुरुवार को वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम जरही निवासी युवा समाजसेवी एवं ज्योति प्रज्ञा केन्द्र के संचालक शंकर कुमार चौधरी ने किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इसके जरिए खिलाड़ियों में आपसी समन्वय, अनुशासन और भाईचारा भी मजबूत होता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी खेल को राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए और प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी प्रतिभा और कौशल प्रदर्शित करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। चाहे क्रिकेट, कबड्डी, टेनिस, फुटबॉल, लूडो या कोई अन्य खेल हो, हर खिलाड़ी का विकास और प्रदर्शन सुनिश्चित होना चाहिए। श्री चौधरी ने आगे कहा कि पंचायत में किसी भी सामाजिक या आवश्यक कार्य के लिए वे 24 घंटे उपलब्ध रहने का प्रयास करेंगे और जरूरत पड़ने पर हर संभव मदद प्रदान करेंगे। उद्घाटन समारोह में ग्रामीणों और खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। कार्यक्रम में बब्लू विश्वकर्मा, मिलन कश्यप, चन्दन कश्यप, संभु साव, संदीप सिंह, विजय रवि, अंगद गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, सोहन गुप्ता, कुंदन गुप्ता, भरत पासवान (शिक्षक) सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, चतरा

जिला बाल संरक्षण इकाई

(विकास भवन)

मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण योजना के अंतर्गत जिला स्तर पर संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन

मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसके अंतर्गत राज्य में किशोर न्याय अधिनियम 2015 कि विभिन्न प्रावधानों का प्रभावी रूप से कियान्वयन किया जा रहा है। मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण योजना के अंतर्गत जिला स्तर पर संविदा के आधार पर कार्य करने हेतु इच्छुक एवं अहर्ताधारी व्यक्तियों से निम्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं:–

Sl. No.	Sl.N. State	Post Code	Unit	Designation	Category	No. of Post	Age	Salary/pm	Educational Qualification	Work Experience
01		DCPS 02	DCPS	Protection Officer (Institutional Care)	General	01	30-45 Year	Rs. 27,804/-	Post Graduate degree in Social Work/Sociology/child Development/Human Rights Public Administration /Psychology/Psychiatry/Law/Public Health/Community Resource Management from a recognized University. **OR** Graduate in Social Work/Sociology/ child Development/Human Rights Public Administration /Psychology/Psychiatry/Law/Public Health/Community Resource Management from a recognized University with **2 years experience** in project formulation/implementation, monitoring and supervision in the preferably in the field of Women & Child Development/Social Welfare **Proficiency in Computer.**	
02		DCPS 05	DCPS	Counsellor	General	01	30-45 Year	Rs. 18,536/-	Graduate in Social Work/Sociology/Psychology/Public Health/Counselling from a recognized university. **OR** PG Diploma in Councelling and Communication. At least 1 Year of working experience with the Gov/NGO preferably in the field of Women & Child Development. **Proficiency in Computers.**	
03		DCPS 07	DCPS	Accountant	General	01	30-45 Year	Rs. 18,536/-	Graduate in commerce/Mathematics degree from a recognized university. At least 1 year experience of working in desired field **Computer Skill & command on Tally.**	
14		DCPS 10	DCPS	Outreach Worker (ORW)	General	01	21-35 Year	Rs. 10,592/-	12th Passed from a recognize Board/Equivalent Board Good Communication Skills. Weightage for work experience candidate.	

आवेदन की प्रकिया :–

1. जिला स्तर पर आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 05.01.2026 है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. उपरोक्त सभी पदों का चयन जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। अभ्यर्थी जिला स्तरीय पदों के लिए विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र रजिस्टड डाक/स्पीड पोस्ट के द्वारा निम्न पता पर भेजा जा सकता है:–
   जिला बाल संरक्षण इकाई, चतरा
   पता– विकास भवन चतरा (दूसरा तल्ला),
   पो0/थाना/जिला–चतरा (झारखण्ड) पिन कोड–825401
3. उपरोक्त सभी पदों के लिए आवेदन प्रपत्र, नियम एवं शर्तें, शैक्षणिक योग्यता के अलावा अतिरिक्त योग्यता का विवरणी Website–www.chatra.nic.in पर देखी जा सकती है।

नियम एवं शर्तें :– (सभी पदों के लिए)

1. उम्र सीमा की गणना 01.08.2025 के अनुसार की जाएगी।
2. यह नियुक्ति पूर्णतः संविदा आधारित होगी। जिसे नियमित/स्थायी करने का सरकार को कोई दायित्व नहीं होगा और ना हीं इस आधार पर किसी भी स्थिति में अभ्यर्थी का पदों के लिए दावा मान्य होगा।
3. अपूर्ण आवेदन तथा आवश्यक निर्धारित मापदंडो को पूरा नहीं करने वाले अभ्यर्थी का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। गलत प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने वाले अभ्यर्थी दण्ड के भागी होंगे।
4. अनुभव प्रमाण पत्र के साथ उक्त अवधि का बैंक पासबुक (संबधित वर्ष का विशेषतः हाइ लाइट करते हुए) जिसमें मानदेय/वेतन की राशि अंकित हो, की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
5. अभ्यर्थी द्वारा आवेदित पद से संबंधित शैक्षणिक योग्यता, अतिरिक्त योग्यता एवं अनुभव प्रमाण–पत्रों के स्त्यापन के उपरांत जिला स्तरीय नियुक्ति समिति द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा।
6. संविदा आधारित उपर्युक्त पदों के लिए निर्धारित परिलब्धि (एक मुश्त संविदा राशि) के अतिरिक्त किसी भी प्रकार का भत्ता देय नहीं होगा, किंतु कार्य से जुडे परिभ्रमण आदि के लिए नियमावली अनुसार यात्रा भत्ता एवं दैनिक भत्ता का भुगतान किया जा सकेगा।
7. संविदा आधारित उपर्युक्त पदों पर नियुक्ति प्रारंभिक चरण में एक वर्ष के लिए की जाएगी तथा इस कालावधि के पूर्ण होने के पूर्व विशेष पर नियुक्ति के लिए गठित नियुक्ति समिति के द्वारा उनके कार्य संतोषप्रद पाये जाने एवं आवश्यकता होने पर अगले एक वर्ष के लिए नियुक्ति का नवीकरण किया जाएगा। नवीकरण नहीं होने पर ऐसी नियुक्तियाँ स्वतः समाप्त समझी जाएगी।
8. उपर्युक्त पदों पर नियुक्ति होनेवाले पदाधिकारी/कर्मी ऐसी नियुक्ति से स्वतः मुक्त होना चाहेगा तो उसे अपने नियंत्री पदाधिकारी के माध्यम से नियुक्ति पदाधिकारी को इसकी लिखित सूचना एक माह की परिलब्धि जमा करनी होगी। इसके विपरीत यदि नियुक्ति पदाधिकारी को ऐसे कार्यरत पदाधिकारी/कर्मी की सेवा की आवश्यकता नहीं होगी तो वे उसे एक माह की लिखित सूचना या एक माह की परिलब्धी देकर कार्यरत पदाधिकारी/कर्मी की सेवा समाप्त कर दी जाएगी। कार्य असंतोषजनक पाये जाने पर ऐसे कार्यरत पदाधिकारी/कर्मी की सेवा नियुक्ति पदाधिकारी द्वारा किसी भी वक्त समाप्त की जा सकेगी।
9. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, सरकार के संकल्प ज्ञापांक 3198, दिनांक 18.04.2016 के द्वारा झारखण्ड के स्थानीय निवासी की परिभाषा एवं पहचान की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। संविदा आधारित उक्त पदों पर नियुक्तियों के क्रम में उक्त संकल्प के निहित प्रावधान लागू होगा।
10. संविदा आधारित नियुक्त पदाधिकारी/कर्मी का उपर्युक्त पद स्थानान्तरणीय नहीं होगा। संविदा पद नियुक्त कर्मी के लिए राज्य कर्मियों की आचार संहिता लागू होगा।

उपायुक्त,
चतरा

PR 368253 Women, Child Development & Social Security (25-26)_D

मानवाधिकार विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार लातेहार के निर्देशानुसार राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय चंदवा में मानवाधिकार विषयक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी राजेश प्रसाद ने कक्षा 11 के विद्यार्थियों को मानवाधिकारों की मूल अवधारणा, संविधान में प्रदत्त अधिकार-कर्तव्यों तथा विधिक सहायता तंत्र की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन समाज में न्याय,समानता और गरिमा की मजबूत नींव रखता है। कार्यक्रम में लैंगिक समानता,नैतिक मूल्यों,आपसी सद्भाव और कमजोर वर्गों के अधिकारों का सम्मान जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछते हुए मानवाधिकार उल्लंघन, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्ति की प्रक्रिया और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की भूमिका से जुड़ी जिज्ञासाएँ रखीं। पीएलवी ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि जरूरत पड़ने पर वे विधिक सेवा संस्थानों से निःशुल्क कानूनी मदद प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं संसाधन व्यक्तियों का धन्यवाद देते हुए ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया, ताकि विद्यार्थियों में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना और अधिक मजबूत हो सके। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगन व सैकड़ो विद्यार्थी शामिल रहे।

जिला टास्क फोर्स ने घुटाम के 12 नंबर खदान के पास की छापेमारी

720 टन अवैध कोयला जब्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर जिला टास्क फोर्स ने बालूमाथ थाना क्षेत्र के बालू पंचायत अंतर्गत घुटाम स्थित 12 नंबर खदान के पास अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। एसडीओ अजय रजक के नेतृत्व में की गई छापेमारी में टीम को गहरे गड्ढों में बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन के निशान मिले।

छापेमारी के दौरान 720 टन अवैध कोयला जब्त किया गया, जिसे बालूमाथ थाना को सुपुर्द कर दिया गया। टीम ने हरैयाखांड में भी छापेमारी की, लेकिन वहां कुछ बरामद नहीं हुआ। एसडीओ अजय रजक ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। अवैध उत्खनन में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और पहचान

होते ही सभी पर मामला दर्ज किया जाएगा। जिन जमीन मालिकों की भूमि पर उत्खनन हुआ है, उन्हें भी चिह्नित किया जा रहा है।

छापेमारी दल में बालूमाथ व हेरहंज के सीओ, खान निरीक्षक पद्मलोचन पोद्दार तथा पुलिस बल शामिल थे। डीएमओ नदीम शफी ने कहा कि जिले में किसी भी प्रकार का अवैध खनन या परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ज्ञात हो कि 17 मार्च 2025 को भी इसी स्थान से अवैध उत्खनन का मामला सामने आया था, जिसमें बालूमाथ थाना कांड संख्या 26/25 दर्ज किया गया था।

उपयुक्त ने लंबित योजनाओं को पूरा करने का दिया निर्देश, कहा-

समय पर व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला ग्रामीण विकास शाखा और पंचायती राज कार्यालय के द्वारा करायी जा रही कार्यों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को जातीय, आय, स्थानीय निवासी, विवाह प्रमाण पत्र, वृद्ध पेंशन, विधवा पेंशन सहित विभिन्न प्रमाण–पत्र, पेंशन योजनाओं से जुड़े आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं, पेंशन एवं प्रमाण-पत्र निर्गमन से संबंधित कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

इस दौरान विभिन्न विभागीय

पदाधिकारियों से योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने विस्तृत रूप से प्रखंडवार संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए जल्द से जल्द सभी अपूर्ण योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं का कार्य समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से करें। उन्होंने पंचायत स्तर तक विकास योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया।

बैठक में अबुआ आवास, मिट्टी मोरम रोड, पोटो हो खेल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिरसा कृषि संवर्धन योजना, मानव दिवस, बिरसा हरित ग्राम योजना, जॉब कार्ड वेरीफिकेशन, एरिया ऑफिसर एप, रिजेक्टेड ट्रांजैक्शन, एनआरएम एक्सपेंडिचर, सोशल ऑडिट, जिओ टैगिंग एवं मनरेगा की समीक्षा की गई। जिला पंचायती राज कार्यालय से जुड़े पंचायत स्तर के कार्यों, ग्राम सभाओं, योजनाओं की निगरानी व्यवस्था, पंचायत भवनों से जुड़े कार्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदान की जा रही जनसुविधाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई।

बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी मौजूद थे।

राजस्व वसूली को लेकर परिवहन विभाग की सख्ती

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। सड़क सुरक्षा और राजस्व वसूली को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला परिवहन विभाग ने गुरुवार को उपायुक्त के आदेशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल के नेतृत्व में चंदवा थाना अंतर्गत सिकनी पुलिस पिकेट, बालुमाथ व मकईयाटांड के समीप दोपहिया व भारी वाहनों की गहन जांच की गई। अभियान के दौरान कुल दर्जनों वाहनों को रोककर कागजात,परमिट, फिटनेस,हेलमेट और ओवरलोडिंग सहित अन्य नियमों की जांच की गई। जांच में नियमों का उल्लंघन करते पाए गए 80 वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के तहत चालान काटा गया। इनमें 10 दोपहिया और 9 भारी वाहन तथा एक वाहन को जप्त किया गया। जांच अभियान के दौरान कुल 1,30,500 रुपये की दंड राशि वसूल की गई। डीटीओ उमेश मंडल ने बताया कि सड़क हादसों पर रोक और राजस्व वसूली को गति देने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने वाहन चालकों से सभी दस्तावेज अद्यतन रखने और नियमों का पालन करने की अपील की।

16 दिसंबर से पहले निपटा लें ये कार्य

नहीं तो कोई भी मांगलिक कार्य नहीं कर पाएंगे

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। हिंदू धर्म में खरमास के महीने को शुभ कार्यों के लिए वर्जित

माना गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, जब सूर्य देव धनु राशि या मीन राशि में प्रवेश करते हैं, तो उस काल को खरमास या मलमास कहा जाता है। इस दौरान कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। साल 2025 में खरमास की शुरुआत 16 दिसंबर से होने वाली है, जिससे शादी-विवाह, गृह प्रवेश और मुंडन जैसे सभी शुभ कार्यों पर एक महीने के लिए रोक लग जाएगी। पंचांग के अनुसार, सूर्य देव 16 दिसंबर 2025 को धनु राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करते ही खरमास की शुरुआत हो जाएगी और पूरे एक महीने तक मांगलिक कार्यों के लिए कोई शुभ मुहूर्त नहीं रहेगा। मकर संक्रांति के दिन सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही खरमास समाप्त हो जाएगा और एक बार फिर शुभ कार्य शुरू किए जा सकेंगे। इस संबंध में लातेहार थाना चौक के मनोकामना सिद्ध मंदिर के पूजारी त्रिभूवन पाण्डेय ने बुधवार दोपहर करीब दो बजे बताया कि पौष मास हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। इसकी शुरुआत मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अगले दिन से होती है। इस बार पौष महीने की शुरुआत 5 दिसंबर दिन शुक्रवार से हुई है। इसे पूष का महीना भी कहा जाता है।

अफीम के तीन सौदागरों को 8-8 वर्षों का सश्रम कारावास

लातेहार। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा की अदालत ने एनडीपीएस केस संख्या 8/2016 में तीन दोषियों को 8-8 वर्षों का सश्रम कारावास और 50-50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। जुर्माना नहीं देने पर एक-एक वर्ष अतिरिक्त सजा निर्धारित की गई है। अभियोजन पक्ष के एडीपीओ शिवशंकर राम ने नौ गवाह प्रस्तुत किए। मामला 17 जुलाई 2016 की कार्रवाई से जुड़ा है, जब टोरी रेलवे स्टेशन पर पुलिस टीम ने गुप्त सूचना पर तीन संदिग्धों नारायण यादव, महेंद्र यादव और लाल बिहारी यादव को पकड़ा था। तलाशी में हैंडबैग से एक किलो अफीम और आपत्तिजनक सामान बरामद हुए थे। अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दोषी ठहराते हुए कठोर सजा सुनाई। अभियोजन पदाधिकारी ने कहा कि यह फैसला तस्करों में बड़ा संदेश देगा।

करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम संपन्न विद्यार्थियों को मिला भविष्य का मार्गदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सरस्वती विद्या मंदिर, धर्मपुर में कक्षा दशम के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर स्थित श्री कृष्ण चन्द्र गांधी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लातेहार नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन पाण्डेय एवं प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

मुख्य अतिथि राजीव रंजन ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण के विभिन्न आयामों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विषय चयन, भविष्य के रोजगार अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की

तैयारी, समय प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता और जीवन कौशल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों को उपयोगी सलाह दी। साथ ही उन्होंने बदलते वैश्विक परिदृश्य में कौशल-आधारित शिक्षा, सतत सीखने की प्रवृत्ति और अनुशासित दिनचर्या के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने करियर को लेकर कई प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर मुख्य अतिथि ने सहज, प्रोत्साहनपूर्ण और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से दिया। विद्यार्थियों ने नगर में चल रही स्वच्छता, विद्युत व्यवस्था और प्रशासनिक सुधार के प्रयासों की भी सराहना की। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन पाण्डेय तथा प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने भी विद्यार्थियों को उचित करियर योजना, नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सड़क हादसा में महिला गंभीर रूप से घायल

चतरा। जिले के लावालौंग प्रखंड मुख्यालय से पांकी तक की सड़क की जर्जर स्थिति लोगों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढे, उखड़े पत्थर और टूटे रास्ते आए दिन हादसों को न्योता दे रहे हैं। गुरुवार को इसी बदहाल सड़क का खामियाजा एक वृद्ध महिला सोहरी देवी को भुगतना पड़ा। जानकारी के अनुसार वह मंधनियां पंचायत मुख्यालय में एटीएम-बीटीएम द्वारा वितरित किए जा रहे सरसों बीज लेने गई थीं। वापसी में उन्होंने एक मोटरसाइकिल चालक से लिफ्ट ली, लेकिन मंधनियां घाट के पास सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई। बाइक फिसलने से सोहरी देवी जोरदार तरीके से सड़क पर गिर पड़ीं, जिससे उनके सिर, नाक और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क की बदहाली वर्षों से जस की तस बनी हुई है। रोजाना छोटे-बड़े हादसे होते हैं, लेकिन मरम्मत का कार्य केवल कागजों और आश्वासनों तक सीमित है।

विधायक ने फिर उठाया लात व चुंगरू सड़क अधूरा रहने का मामला, मंत्री नें दिया जवाब

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी मनिका विधानसभा क्षेत्र के उत्कृष्ट विधायक रामचंद्र सिंह ने लात और चुंगरू सड़क निर्माण कार्य के अधूरा रहने का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहां कि वन विभाग से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नहीं मिलने के कारण सड़क निर्माण कार्य लंबे समय से बाधित है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इस पर जवाब

देते हुए वन मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू ने सदन को आश्वस्त किया कि विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दे पर विभाग गंभीर है और सभी आवश्यक प्रक्रियाएँ जल्द पूरी कर दी जाएंगी, जिसके बाद वन विभाग की ओर से एनओसी जारी कर दी जाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जटिल अवधारणाओं को समझने में मदद करता है, लेकिन रचनात्मकता का ह्रास भी : डॉ. फादर डॉमिनिक सेवियो एसजे

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में मूल्य आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसरों और चुनौतियों पर विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से 11 दिसंबर को संत जेवियर्स महाविद्यालय महुआडांड़ में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रिसोर्स पर्सन संत जेवियर्स कॉलेज कोलकता के प्राचार्य सह झेसा सेक्रेटरी डॉ. फादर डॉमिनिक सेवियो एसजे और रेक्टर रेव. फादर जेराज वेल्सवामी एसजे मौजूद रहे।

मुख्य अतिथियों का स्वागत पारंपरिक झारखंडी नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के

साथ किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एम. के. जोश ने राष्ट्रीय सेमिनार के उद्देश्य से छात्रों को अवगत कराया। मुख्य वक्ता डॉ. फादर डॉमिनिक सेवियो एसजे ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं है, बल्कि नवाचार और रचनात्मकता को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जटिल समस्याओं को समझने में सक्षम है, परंतु इससे मनुष्यों की रचनात्मक शक्ति में कमी आती है। दूसरे मुख्य वक्ता फादर जेराज वेल्सवामी एसजे ने कहा कि विद्यार्थियों में तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता के कारण व्यवहार, संस्कार और समस्या-समाधान क्षमता में कमी देखी जा रही है। कार्यक्रम का सफल संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर सुरभि सिन्हा और शिल्पी जूनिता होरो ने किया। मुख्य वक्ताओं को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सलेंस तथा सभी प्राध्यापकों को सर्टिफिकेट ऑफ पार्टिसिपेशन प्रदान किया गया। अंत में भूगोल विभागाध्यक्ष शेफाली प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि यह सेमिनार विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मदद करेगा।

न्यूज बॉक्स

पूर्व वार्ड सदस्य के पुत्र की हृदयगति रुकने से मौत

कुंदा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के वार्ड संख्या 12 की पूर्व वार्ड सदस्य सारिका देवी के 17 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार की बुधवार शाम हृदयगति रुकने से मौत हो गई। गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घर में मातम पसरा है और परिजन बार-बार बेहोश हो जा रहे हैं। मां का एक ही वाक्य हर दिशा में गूंज रहा था "मेरे रोहित को कहीं से ला दो" रोहित अपने सौम्य, संस्कारी और भक्ति-भाव वाले स्वभाव के लिए जाना जाता था। वह रोज सुबह महादेव मठ में पूजा-पाठ करता था और वैदिक मंत्रों व चालीसा का गहरा ज्ञान रखता था। वह पिछले तीन वर्षों से हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहा था। पिता सुरेंद्र ठाकुर ने इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने बेटे के इलाज के लिए जेवर तक बेच दिए थे। रोहित का इलाज एम्स रायपुर, रांची के सेवा सदन तथा कई बड़े अस्पतालों में चल रहा था। सुधार भी हो रहा था, लेकिन बुधवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। गुरुवार को हुए अंतिम संस्कार में मुखिया मनोज कुमार साहू, समाजसेवी लवकुश कुमार गुप्ता, संतोष कुमार यादव, अनूप अग्रवाल, डॉ. अशोक ठाकुर, प्रमोद कुमार गुप्ता समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए।

बरवाडीह बस पड़ाव में प्रस्तावित दुकानों का निर्माण रद्द

बेतला (लातेहार)। जिला परिषद, लातेहार ने महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए बताया है कि बरवाडीह प्रखंड के अंतर्गत बस पड़ाव में स्वपोषित योजना से प्रस्तावित 26 दुकानों के निर्माण कार्य को अपरिहार्य कारणों से रद्द कर दिया गया है। जिन आवेदकों ने आवेदन पत्र के साथ जमानत राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में जमा की थी, उन्हें वह राशि वापस लेने का निर्देश दिया गया है। जिला परिषद कार्यालय ने कहा कि सभी आवेदक कार्यालय से निर्गत नाज़िर रसीद की मूल प्रति प्रस्तुत कर निर्धारित अवधि के भीतर अपनी जमा राशि प्राप्त कर लें। यह सूचना उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद लातेहार द्वारा 9 दिसंबर 2025 को जारी की गई है।

लातेहार भाजपा का नए मंडल अध्यक्षों का चुनाव आज

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, लातेहार में आज 12 दिसंबर को दोपहर 1 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के नए मंडल अध्यक्षों का चुनाव करना है। संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए यह बैठक पार्टी के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में भाजपा के प्रमुख नेता नीलकंठ सिंह मुंडा, सांसद कालीचरण सिंह, लातेहार विधायक प्रकाश राम तथा प्रदेश पदाधिकारी रघुराज पाण्डेय शामिल होकर मार्गदर्शन देंगे। बैठक को सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। जिलेभर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्धारित समय पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

खरवार भोक्ता समाज विकास संघ की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

चंदवा। खरवार भोक्ता समाज विकास संघ की जिला समिति की एक बैठक चकला पंचायत अंतर्गत ग्राम नगर मोड़ में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य आगामी 15 दिसंबर को अलग झारखंड राज्य आंदोलनकारी स्व. रामदेव गंझू की पुण्यतिथि मनाने की रूपरेखा तैयार करना रहा। बैठक में निर्णय लिया गया कि स्व. गंझू के योगदान को जन-जन तक पहुoचाने के उद्देश्य से उनकी पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बता दें कि स्व. गंझू अलग झारखंड राज्य आंदोलनकारी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता थे। वे लगातार गंझू और भोगता समाज को आदिवासी का दर्जा देने की मांग को पुरजोर तरीके से उठाते रहे थे। बैठक में संगठन के पूर्व केंद्रीय सदस्य रामधन गंझू,जिला अध्यक्ष प्रेमचंद गंझू,जिला उपाध्यक्ष रामधारी गंझू,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रकाश गंझू,प्रखंड अध्यक्ष (चंदवा) रामवचनदेव गंझू, प्रखंड अध्यक्ष (बालूमाथ) जीतराम गंझू, प्रखंड सचिव (बरियातू) योगेंद्र गंझू,प्रखंड उपाध्यक्ष (चंदवा) बालेश्वर गंझू, सचिव संजय गंझू,सहसचिव फूलचंद गंझू,जगमोहन गंझू, जीतन गंझू,दिलीप कुमार गंझू, संजय गंझू,सिकंदर गंझू,बसंत गंझू समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं संगठन के सदस्य शामिल थे।

कार्यालय कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

ई0 निविदा संख्या–WRD/MID/ Latehar F2 - 58/2025-26

पत्रांक– 943 लातेहार/दिनांक– 10.12.2025

1	कार्य का नाम	बुरही गढ़ा नाला पर चेकडैम निर्माण प्रखंड–मनिका, जिला–लातेहार।
2	प्राक्कलित राशि (लाख में)	64.84
3	कार्य पूर्ण करने की अवधि	11 माह
4	ई0 निविदा वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि	17.12.2025
5	ई0 निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	27.12.2025 3.00 बजे अपराह्न तक
6	Online बीड फीस एवं अग्रधन जमा करने की अंतिम तिथि, एवं समय	27.12.2025 3.00 बजे अपराह्न तक e-procurement portal (jharkhand tenders.gov.in)
7	ई0 निविदा खुलने की तिथि एवं समय	29.12.2025 5.00 बजे अपराह्न
8	(क) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता (ख) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का फोन नं0	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार। 06565–248380
	ई0 प्रोक्योरमेंट सेल एवं हेल्प लाईन संख्या	0651– 2214784

नोटः– (1)केवल ई0 निविदा ही स्वीकार की जायेगी

(2) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट–jharkhandtenders gov in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,

PR 368275 Water Resource(25-26).D लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमण्डल, हुसैनाबाद

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

(जिला योजना अनाबद्ध निधि अन्तर्गत)

ई0–निविदा संख्या :– WRD/MID/HUSSAINABAD/ F_2-03/2025-26 (II nd Call)

पत्रांकः– 493 हुसैनाबाद, दिनांकः–10/12/2025

1	कार्य का नाम	बाघमाड़ा गाँव के भदैया बाँध का जीर्णोद्धार, प्रखण्ड– छत्तरपुर, जिला–पलामू।
2	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	73,89,356=93
3	कार्य पूर्ण करने की अवधि	11 माह
4	ई0–निविदा वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि एवं समय	17.12.2025 (11:00 AM)
5	ई0–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	02.01.2026 (3:00 PM तक)
6	निविदा शुल्क और EMD ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	e-procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 02.01.2026 (3:00 PM तक)
7	ई0–निविदा खुलने की तिथि एवं समय	03.01.2026 (04:00 PM)
8	ई0–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, हुसैनाबाद।
9	ई0–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या एवं ई–मेल पता	9031301518 eeidjaplami@gmail.com
10	ई0 प्रोक्योरमेंट सेल एवं हेल्पलाईन नंबर	0651–2214784

नोटः– (1) सिर्फ ई0–निविदा ही स्वीकार की जायेगी।

(2) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट :– jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,

PR 368239 District(25-26).D लघु सिंचाई प्रमण्डल, हुसैनाबाद

उपायुक्त ने की जलजीवन मिशन व स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)-II और जल जीवन मिशन की समीक्षा हुई। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ओडीएफ 2024-25 में सभी प्रखंडों में निर्माणाधीन एवं शौचालयों की स्थिति, ओडीएफ 2025-26 में नए लक्ष्य व वित्तीय व्यय की स्थिति, ओडीएफ प्लस मॉडल गांव के लिए मिले लक्ष्य एवं 5 स्टार मॉडल गांव, गांवों में कचरा उठाव वाहन की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता, गोबर धन योजना, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, पीडब्ल्यू के संचालन हेतु बिजली एवं मशीनों की विवरणी, कम्युनिटी सैनिटरी काम्प्लेक्स की समीक्षा की गई। लक्ष्य को वित्तीय वर्ष में ही पूर्ण करने का निदेश दिया गया। जल जीवन मिशन अंतर्गत घर-घर कनेक्शन, हर घर जल सर्टिफिकेशन, जलकर की स्थिति, पीएम जनमन अंतर्गत कनेक्शन, पीएम गति शक्ति, स्कूलों में टैप वाटर कनेक्शन, आंगनवाड़ी के केंद्रों में टैप वाटर कनेक्शन आदि की समीक्षा की गई।

सिंगल विलेज स्कीम में योजना पूर्ण और घर-घर कनेक्शन की समीक्षा कर राजस्व प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को एक सप्ताह के अंदर सीएसआर अंतर्गत ली गयी पेयजल की योजनाओं को पूर्ण करने का निदेश दिया गया। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल कार्यपालक अभियंता अनुप हांसदा, सभी कनीय अभियंता, एसबीएम के जिला समन्वयक परवेज आलम व हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

हिट-एंड-रन केस को लेकर जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक हुई

लोहरदगा। झालसा, रांची के निर्देशानुसार और माननीय सर्वोच्च न्यायालय व नालसा, नई दिल्ली के द्वारा जारी पत्र के आलोक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा राजकमल मिश्रा के मार्गदर्शन में हिट-एंड-रन केसेस को लेकर जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक डालसा सचिव के कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डालसा सचिव राजेश कुमार ने की। इस दौरान एसडीओ अमित कुमार, डीटीओ जया शंखी मुर्मू, डीएसपी सुधीर प्रसाद साहू, डीआरएसएम अमृतेश्वर गिरी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं बताया गया कि सड़क सुरक्षा के बाबत माननीय सर्वोच्च्य न्यायालय द्वारा गठित कमेटी के दिशा निर्देश में जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ बैठक की गई। जिसमें चालान निस्तारण को लेकर चर्चा की गई। वहीं कहा गया कि वैसे चालान जिसमें पक्षकार ने फाइन जमा नहीं किया है।

हवन-पूजन से मनुष्यों के हृदय में भक्ति रस का संचार होता है : अशोकानन्द जी

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के अरु पंचायत ग्राम स्थित शिव मंदिर प्रांगण में पांच दिवसीय श्रीमद भागवत महापुराण कथा वृंदावन के कथावाचक अशोकानन्द जी महाराज के नेतृत्व में गुरुवार से प्रारम्भ किया गया। श्रीमद भागवत महापुराण कथा प्रारम्भ कराने से पूर्व विधिवत पूजा अर्चना कर 81 महिलाओं द्वारा श्रद्धा व भक्तिभाव और उत्साह के साथ अरु नदी से कलश में जल भर कर लाया गया। वही कथावाचक अशोकानन्द जी महाराज ने कहा कि पूजन हवन से मनुष्यों के हृदय में भक्ति रस का संचार होता है। वेदों की कथा श्रवण कर लेने से मनुष्यों का हृदय पवित्र होता है। समय समय पर वेद पुराण की कथा और पूजन हवन होना चाहिये। श्रीमद भावत महापुराण कथा 11 दिसम्बर से 17 दिसम्बर तक अरु ग्राम स्थित भगवान शिव के मंदिर में आयोजित होगी। जिसमें कथावाचक के माध्यम से ग्रामीण भक्तजनों को श्रीमद भागवत महापुराण की कथाओं का श्रवण कराया जायेगा। आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीकुंवर लोहरा, गौतम प्रसाद, रोहित यादव, गोपाल प्रसाद, रामबिहारी महतो, मछिन्दर साहू समेत अन्य ग्रामीण भक्त शामिल हैं।

डेढ़ दशक से जर्जर भवन में संचालित हो रहा दाल-भात योजना

हर दिन जोखिम में जान डालकर सेवा दे रहे हैं कर्मी, सुरक्षा को लेकर चिंतित

- लगातार डर के माहौल में काम कर रहे हैं

नवीन मेल संवाददाता

सदर अस्पताल

लोहरदगा। सदर अस्पताल परिसर में लगभग डेढ़ दशक से राज्य सरकार की मुख्यमंत्री दाल–भात योजना संचालित है। दाल भात केंद्र से जरूरतमंद लोगों को मात्र 5 रुपये में दाल - भात उपलब्ध कराया जाता है। यह योजना गरीबों और असहाय लोगों के लिए बड़ी राहत है। बावजूद, इसके संचालन की स्थिति बेहद दयनीय है। जिला प्रशासन और राज्य सरकार द्वारा अब तक इस योजना के लिए सुरक्षित और उपायुक्त भवन उपलब्ध नहीं कराया गया है। पिछले लगभग 15 वर्षों से यह योजना एक जर्जर और खस्ताहाल भवन में ही संचालित की जा रही है। जमीन पर काम कर रहे कर्मी हर दिन जान जोखिम में डालकर अपनी सेवा दे रहे हैं। इस भवन की दीवारें और छत कभी भी धराशाई हो सकती है।

इस संदर्भ में योजना में कार्यरत कर्मी सुनील महली ने बताया कि, जर्जर भवन की स्थिति के बारे में उन्होंने कई बार सिविल सर्जन समेत स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को अवगत कराया है। नए और मजबूत भवन की मांग भी किया गया, बावजूद, अबतक तक उनकी बातों को अनसुना किया जाता रहा है।

सुनील महली ने कहा कि, लगातार डर के माहौल में काम कर रहे हैं। हर पल किसी अनहोनी का भय बना रहता है। मांग किया गया कि, जिला प्रशासन इस महत्वपूर्ण व जनकल्याणकारी योजना को सुरक्षित भवन में स्थानांतरित कराये।जिससे कर्मियों और लाभुकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। स्थानीय लोगों और योजना का लाभ लेने वाले जरूरतमंदों ने भी कहा कि, इतने बड़े पैमाने पर चलाई जा रही योजना को जर्जर भवन में संचालित करना घोर लापरवाही को दर्शाता है। प्रति दिन सैकड़ों लोग यहां भोजन करने आते हैं और ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों की मांग है कि, जिला प्रशासन यथाशीघ्र इस मामले पर पहल करना सुनिश्चित करें। सुरक्षित भवन की व्यवस्था कर योजना को सुरक्षित माहौल में संचालित कराए। जर्जर भवन में निरंतर जारी इस योजना से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कर्मियों के साथ लाभुकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करने की जरूरत है।

दोनों सेमीफाइनल में शतक, बी.एस. कॉलेज ने 246 रन बनाकर दर्ज की बड़ी जीत

लोहरदगा। बलदेव साहू महाविद्यालय में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय अन्तर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन का चौथा दिन 02 सेमीफाइनल मैच खेले गए। आज के दिन दोनों सेमीफाइनल मैच में दो शतक लगे। जिसमें एस.एस. मेमोरियल टीम के ओर से शनि सचिन तिवारी ने 58 बॉल में107 रन और बी. एस. कॉलेज की टीम के ओर से हिमांशु गुप्ता ने 39 बॉल पर 111 रन बनाए। जबकि आज के दूसरे सेमीफाइनल में प्रतियोगिता में बी. एस. कॉलेज के ओर से सर्वाधिक बड़ा स्कोर 246 रन बना। पहला सेमीफाइनल एस.एस. मेमोरियल महाविद्यालय बनाम डोरंडा महाविद्यालय के बीच खेला गया। एस.एस.मेमोरियल महाविद्यालय की टीम पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 06 विकेट खोकर 200 रन बनाई। जिसमें एस.एस.मेमोरियल के ओर से शनि सचिन तिवारी ने 58 बॉल पर शानदार 107 रन बनाए, लक्ष्य का पीछा करने उतरी डोरंडा महाविद्यालय की टीम ने 20 ओवर में 09 विकेट खोकर 131 रन ही बना सकी और 69 रन से मैच हार गई।

आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

लोहरदगा। उर्सुलाइन बालिका उच्च विद्यालय में भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा एनडीआरएफ टीम के द्वारा आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । एनडीआरएफ के अधिकारी मनजीत चहल के अगुवाई में छात्राओं को प्राकृतिक तथा मानवीय आपदाओं का बचाव संबंधी उपायों का मॉक ड्रिल द्वारा जानकारी प्रदान किया गया। एनडीआरफ टीम के द्वारा छात्राओं को दुर्घटना के दौरान जान माल की सुरक्षा से किस तरह करनी है ,डेमो करके छात्राओं के सहयोग से बताया गया। साथ ही हृदय गति रुकना एक आम बीमारी है। देश में लाखों लोग हृदय गति से मृत्यु हो जा रही है। हृदय गति से बचाव के लिए प्राथमिक उपायों को सीपीआर की जानकारी भी प्रदान किया गया। सांप काटने के दौरान किए जाने वाले बचाव के उपाय को भी सरलता पूर्वक छात्राओं को बताया तथा अंधविश्वास के कारण व्यक्ति ओझा के पास न जाने के बारे में भी जानकारी दी गई।

सांसद ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात

गुमला में एनएच 43 प्रस्तावित मार्ग पर ही कार्य करने की मांग की

- केंद्रीय मंत्री ने सांसद को इस संबंध में समुचित कार्रवाई करने का दिया आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सांसद सुखदेव भगत नई दिल्ली में सड़क परिवहन और राजमार्ग के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर झारखंड राज्य के गुमला जिला में एनएच 43 पर चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना से संबंधित एक गंभीर जन चिंता के मुद्दे की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि गुमला में भारतमाला राष्ट्रीय पथ का निर्माण से संबंधित कार्य आरंभ है। पूर्व में यह सड़क एनएच 43 मार्ग पर सीलम नावाडीह होते हुए छत्तीसगढ़ तक प्रस्तावित है। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत से आदिवासी एवं अन्य समुदाय के लोगों ने स्वेच्छा से अपनी जमीन दिया था लेकिन एनएचएआई के अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर गलत और भ्रामक तत्व आंकड़े प्रस्तुत कर राजमार्ग का मार्ग ही बदल दिया है और नये प्रस्तावित मार्ग पर सर्वेक्षण का कार्य चल रहा है। नए प्रस्तावित मार्ग से सड़क का निर्माण करने से इस क्षेत्र की जनता विशेष कर आदिवासी परिवार काफी चिंतित एवं आक्रोशित है। नए मार्ग परिवर्तन होने से सैकड़ो आदिवासी परिवारों को अपनी कृषि और सामाजिक भूमि को छोड़ना पड़ेगा जिसके कारण कई आदिवासी परिवार भूमिहीन हो जाएंगे। उनकी आय और दैनिकयापन का एकमात्र साधन कृषि है और अपनी भूमि खोने से वह हमेशा के लिए आजीविका से वंचित हो जाएंगे। नए प्रस्तावित मार्ग पर सड़क बनने से सरकार को भारी वित्तीय का नुकसान होगा क्योंकि नई परियोजना का लागत बहुत अधिक है। NH 43 सड़क में 700 करोड़ का लागत था जो नई परियोजना में बढ़कर 1200 करोड़ हो गया है। पहले प्रस्ताव में सड़क की लंबाई 12 किलोमीटर था जो बढ़कर 34 किलोमीटर हो गया है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रभावित आदिवासी परिवारों से मिला था। आदिवासियों का कहना है कि मैं पहले ही सड़क निर्माण के लिए अपनी जमीन दिया हूं नए प्रस्तावित सड़क पर मैं अपनी जमीन नहीं दूंगा क्योंकि लगभग सभी जमीन खेती योग है । सांसद ने मंत्री महोदय से आग्रह किया की आदिवासी आबादी की रक्षा और जनकल्याण को बनाएं रखने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करते हुए पुराने NH 43की परियोजना पर काम करने एवं नए प्रस्तावित योजना को स्थगित करने के साथ ही साथ गलत तथ्य प्रस्तुत करने वाले NHI अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग किये। जिससे विस्थापन भी रुकेगा और सरकार की राजस्व की हानि भी नहीं होगा। मंत्री महोदय ने सांसद सुखदेव भगत को इस संबंध में समुचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

आपदा बचाव की रखें जानकारी व एक-दूसरे का करें सहयोग : बीडीओ

- आपदा के समय लोगों को बचाने के लिए युवाओं की अहम भूमिका रहती है

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। एनडीआरएफ टीम द्वारा प्रखंड परिसर में शिविर के माध्यम से बाढ़,भूकंप,वज्रपात,सांप काटने,सड़क दुर्घटना जैसी प्राकृतिक और मानवीय आपदाओं से बचाव के तरीकों और जीवन रक्षा तकनीकों जैसे सीपीआर ब्लड लॉस रोकना,अस्थायी स्ट्रेचर बनाना सहित अन्य बिन्दुओ पर जागरूकता अभियान चलाया गया। उक्त कार्यक्रम प्रखंड मुख्यालय प्रांगण में प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू, अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत और मुखियाओं की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर एन डी आर एफ 9 बी एन के अधिकारी एस आई मांसित चाल, ब्रजेश कुमार, मांझी सिंह, अश्वनी कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। सभी जगहों में जागरूकता कार्यक्रम गृह मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोग जागरूक हो और आपातकालीन स्थिति में खुद को और दूसरों को सुरक्षित रख सकें वही मांसित चाल ने स्कूली छात्र छात्राओं एवं ग्रामीणों को बताया कि बाढ़ आने के बाद किस प्रकार आपको अपना बचाव करना चाहिए। उस समय अगर कोई डूब रहा है तो उसको कैसे बचाएं और अगर वह बेहोस है तो उसके शरीर से किस प्रकार पानी निकाले और उसे किस प्रकार सांस दें सहित अन्य चीजों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को आग कितने प्रकार की होती है। और आग बुझाने का तरीका,आग निवारण यंत्र चलाने का तरीका,मेडिकल फिटनेस,मौके पर स्ट्रेक्चर बनाना,पानी में डूबने पर बचाव करना तथा इंप्रोवाइज डिवाइस व श्वास के बारे में जानकारी दी। एनडीआरएफ टीम व उसके कार्य के बारे में बताते हुए डेमो दिया गया। वही प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने कहा की किसी भी आपदा के समय लोगों को बचाने के लिए युवाओं की अहम भूमिका रहती है।

न्यायालय, उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी, लातेहार।

अनुमति वाद संख्या–183/2025

आम इस्तेहार

आवेदक श्याम सुन्दर उरांव वो बिदेशिया उरांव दोनों के पिता–स्व0 रामधनी उरांव वो मुनी उरांव वो गुणी उरांव वो धनी उरांव तीनों के पिता–स्व0 बियना उरावं उर्फ विफा उरांव सभी निवासी ग्राम+पो0–चकला, थाना+अंचल–चन्दवा, जिला–लातेहार द्वारा मेसर्स हिण्डाल्को इण्डस्ट्री लि0, 21वीं मंजिल प्रथम अंतराष्ट्रीय केन्द्र टॉवर–4, प्रभादेवी, प्रभादेवी रेलवे स्टेशन के पास सेनापति बापत मार्ग, मुम्बई–400013 वर्तमान पता–ग्राम+पो0–चकला, थाना–चन्दवा, जिला– लातेहार के साथ भूमि बिक्री हेतु अनुमति के लिए छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा–49 के अंतर्गत आवेदन पत्र दाखिल किया है।

भूमि का विवरण

मौजा	खाता	प्लॉट	रकबा (एकड़)
चकला	197	1283	0.44
		1285	0.13
		कुल रकबा–	0.57

एतद् द्वारा हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि इस भूमि अंतरण के विरूद्ध किसी को आपत्ति हो, तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में आम–इस्तेहार निर्गत की तिथि से एक पक्ष (15 दिनों) के अंदर आपत्ति दायर कर सकते है। समय सीमा समाप्ति के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी उप समाहर्त्ता,
जिला विधि शाखा, लातेहार।

PR 368240 (District) 25-26 (D)

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार, जिला- लातेहार

अति अल्पकालिन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या – 30/2025–26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शहरी क्षेत्र लातेहार अंतर्गत स्वच्छ भारत मीशन के तहत CB मद से नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय में सफाई कार्य में कार्यरत सफाई कर्मियों को ठोश अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत कचरा प्रबंधन एवं सुरक्षा के तहत प्रशिक्षण प्रदान कराया जाना है। इच्छुक प्रशिक्षणदाता/फर्म/संस्था से दिनांक 22.12.2025 के 2.00 बजे अपराहन् तक प्रशिक्षण कराने के निमित मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किये जाते है, जो नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। साथ ही उक्त कोटेशन दिनांक 22.12.2025 को अपराहन् 3.30 बजे कोटेशनदाता या उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के समक्ष नगर पंचायत, लातेहार के निविदा समिति (Procurement Committee) के द्वारा खोला जायेगा। निविदा हेतु निर्धारित नियम एवं शर्त्त कार्यालय अवधि में कार्यालय सूचना पट्ट/कार्यालय से सम्पर्क कर या लातेहार जिला के वेवसाईड **www.latehar.nic.in** पर देखा या डाउनलोड किया जा सकता है । साथ ही इस संबंध में विशेष जानकारी श्रीमति जया लक्ष्मी भगत, नगर प्रबंधक, नगर पंचायत लातेहार से प्राप्त की जा सकती है। कार्य का विवरण निम्नवत है:–

S.N.	DESCRIPTION	Rate with all Taxes Per Person	Tender Fees
01	The Training Programs is being schedule for Sanitation Workers under the Swachh Bharat Mission (SBM)		5000.00

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 368262 Urban Development (25-26)_D

दो मोटर साइकिल की टक्कर में चार घायल, एक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के लोहरदगा भंडरा पथ पर सरेंगहातु हो गये। सभी घायलों को सेन्हा थाना पुलिस के द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वही घायलों को पहचा शिवलाल उरांव तथा सेन्हा थाना क्षेत्र के चितरी अंबाटोली निवासी मोहित उरांव और नितेश उरांव रूप में किया गया। चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायल युवकों मोहित उरांव, नितेश उरांव और दिनेश उरांव को बेहतर इलाज के लिये रिम्स रांची रेफर कर दिया गया।

स्कूल परिसर में सड़क सुरक्षा को लेकर छात्र-छात्राओं को किया गया जागरुक

बच्चों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए : डीटीओ

नवीन मेल संवाददाता

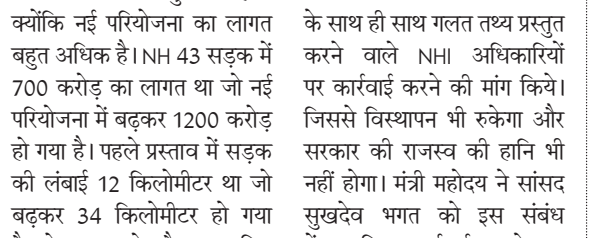

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद के निर्देशानुसार डीएवी स्कूल परिसर में स्कूल बसों, छात्राओं को लाने-ले जाने वाले ऑटो तथा बाइक से आने वाले छात्रों का सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी वाहनों की बारीकी से जांच की गई। इस निरीक्षण अभियान में जिला परिवहन अधिकारी जया शंखी मुर्मू, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंध अमृतेश्वर गिरी, रोड इंजीनियर एनालिस्ट कृष्ण कुमार गुप्ता, तथा ट्रैफिक इंचार्ज गैलन रजवार अपने पूरे दल-बल के साथ मौजूद रहे। जिला परिवहन अधिकारी द्वारा स्कूल प्रबंधन और स्कूल बस चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति सख्त चेतावनी दी गई और निर्देश दिया गया कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, बाइक से स्कूल आने वाले छात्र-छात्राओं को हेलमेट उपयोग, वैध दस्तावेज रखने और सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

झारखण्ड सरकार, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग

जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, पलामू

भर्ती कैम्प सूचना

जिला नियोजन (रोजगार) कार्यालय, पलामू के द्वारा बेरोजगार अभ्यर्थियों को नियोजनालय, पलामू के कार्य योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित जागरूकता सेमिनार के आयोजन के साथ ही निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर सुगमता से प्रदान करने हेतु दिनांक 13/12/2025 दिन शनिवार को जिला नियोजनालय परिसर, डालटनगंज में 11:00 बजे (पूर्वा0) से 3:00 बजे (अप0) तक जागरुकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निम्न नियोजकों के द्वारा उपस्थित रहने की सहमति जताई है :–

S.No	Company Name	Name of the Post	No. of Vacancy	Qualification	Age	Salary	Place of Work
1	2	3	5	6	7		9
1	Chaitanya India Fin Credit Pvt. Ltd, Daltonganj	SFO	50	10th	18-28	12,770/- + Incentive	Palamu, Garhwa, Latehar
2	CII-MCC Patna. :- Tata Electronics	Apprentice	100 Female	12th	18-26	12,500/-	Tamilnadu
	MRF	Apprentice	50 Male	12th	18-25	17,500/-	
3	Bajaj Life Insurance Co. Ltd. Daltonganj	Sales Manager	10	Graduation	22-35	25,000/-	Palamu
4	SGRS Academic Pvt. Ltd. Daltonganj	SMO Trainee	07	ToT Certification	22-30	15-20K	Palamu
		Sampling Tailor Trainer (ST Trainer)	02	ToT Certification	22-30	15-20K	
		Female Warden	03	10th	25-40	10-15K	
		FD Trainer	02	ToT Certification	22-30	15-20K	

जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक अपने सभी शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, आधारकार्ड, 2 पासपोर्ट साईज का फोटो, नियोजनालय का निबंधन कार्ड एवं अपना बायोडाटा एवं स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र (न्यूनतम अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत) के साथ जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लें। इस रिक्तियों के विरूद्ध भर्ती कैम्प के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी है। नियोजनालय एवं विभाग मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करती है। जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है।

नोट :– रिक्ति से संबंधित विशेष जानकारी हेतु जिला नियोजन कार्यालय, पलामू से सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला नियोजन पदाधिकारी
पलामू

PR 368315 District (25-26)_D

न्यूज बॉक्स

सरस फूड फेस्टिवल 2025 में गुमला की महिलाओं ने बढ़ाया झारखंड का मान

गुमला। 29 नवंबर से 9 दिसंबर तक आयोजित सरस फूड फेस्टिवल 2025 में गुमला जिले के बिशुनपुर की सर्वेश्वरी महिला समूह ने अपनी उत्कृष्ट भागीदारी से झारखंड का मान बढ़ाया। इस फ़ेस्टिवल में झारखंड की सखी मंडल की महिलाओं ने पलाश ब्रांड के अंतर्गत पारंपरिक, स्थानीय और स्वादिष्ट खाद्य उत्पादों की आकर्षक प्रस्तुति दी, जिसे देशभर से आए आगंतुकों ने अत्यंत सराहा। इस अवसर पर सर्वेश्वरी महिला समूह की सदस्य अनीता देवी को उनके उत्कृष्ट योगदान और पलाश उत्पादों के सफल प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय खाद्य सम्मेलन में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल समूह के लिए, बल्कि पूरे गुमला जिले के लिए गर्व का विषय है। गुमला जिला प्रशासन द्वारा महिला समूहों को सशक्त करने, बाज़ार से जोड़ने और राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के निरंतर प्रयासों का यह परिणाम है कि ग्रामीण महिलाओं की कड़ी मेहनत, कौशल और उद्यमशीलता आज राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा प्राप्त कर रही है। इस उपलब्धि ने स्पष्ट कर दिया है कि झारखंड की ग्रामीण महिलाएं अपनी मेहनत, हुनर और गुणवत्ता के दम पर देश के हर बड़े मंच पर अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं।

133 बंडल प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त दुकानदारों से वसूला 2000 रुपए का जुर्माना

गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर नगर परिषद गुमला की स्वच्छता एवं प्रवर्तन टीम ने गुरुवार को बाजार क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान टीम ने दुकानों और गोदामों की तलाशी लेते हुए कुल 133 बंडल प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किए और नियम उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से 2000 रुपये का आर्थिक दंड वसूल किया। नगर परिषद ने बताया कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कई दुकानदार प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग और बिक्री कर रहे थे। परिषद ने सख्ती दिखाते हुए इस कार्रवाई को अंजाम दिया। नगर परिषद अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्लास्टिक प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराया जाएगा। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, नगर परिषद ने आम नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग तुरंत बंद करें और पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का प्रयोग करें।

संत अन्ना स्कूल के पास अनियंत्रित होकर गिरा बाइक सवार, अस्पताल में भर्ती

चैनपुर। चैनपुर के संत अन्ना स्कूल के समीप एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, टिंटानगर गांव निवासी अजीत नायक पिता दीपक नायक अपनी मोटरसाइकिल से टिंटानगर से चैनपुर साप्ताहिक बाजार जा रहे थे। दुर्घटना उस समय हुई जब उनकी गाड़ी अचानक रोड से नीचे उतर गई और वह अनियंत्रित होकर गिर गए। इस हादसे में अजीत नायक को चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही चैनपुर थाना के जवान तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। जवानों ने बिना देर किए घायल अजीत नायक को 108 एम्बुलेंस की मदद से चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चैनपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला के सचिव महोदय के निर्देशानुसार गुरुवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर चैनपुर, डुमरी और जारी थाना परिसरों में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को उनके मौलिक मानवाधिकारों के प्रति शिक्षित करना था। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन और पैरा लीगल वॉलंटियर्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उपस्थित लोगों ने ग्रामीणों को मानवाधिकारों के महत्व और कानूनी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डुमरी थाना पु०अनी आनंदी साव, स०अ०नी समतुल्य हक, चैनपुर थाना एएसआई संतोष धर्मपाल लुगुन, पीएलभी विष्णु रौतीया, आरिफ अंसारी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान, वक्ताओं ने भारतीय संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता, जीवन का अधिकार और गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार जैसे बुनियादी मानवाधिकारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मानवाधिकार दिवस हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा और सम्मान करने की वैश्विक प्रतिबद्धता को दोहराता है, और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को इन अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में कानूनी मदद लेने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस शिविर का हुआ आयोजन

सिसई। प्रखंड विकास पदाधिकारी रमेश कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस शिविर का आयोजन किया गया। जहां आमलोगों की समस्याओं को सुना गया। शिविर में लोगों के समस्याओं से जुड़े कुल 22 आवेदन प्राप्त किए गए जिसमें पेंशन से संबंधित - 09, मईया सम्मान योजना से संबंधित - 10 व आवास से संबंधित - 03 प्रतिवेदन थे। वहीं सभी शिकायतों पर सुनवाई करते हुए 22 में से 22 प्रतिवेदन का त्वरित निष्पादन किया गया। मौके पर अंचल अधिकारी अशोक बड़ाइक, प्रधान सहायक राकेश कुमार सुमन, अंचल निरीक्षक चंदरू उरांव, कर्मचारी प्रकाश उरांव, मुनेश्वर सिंह, दीपक उरांव, कंप्यूटर ऑपरेटर बजरंग साहु सहित प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

दूसरे दिन के सत्र में ग्रामीणों को कराया गया 12 आसनों का योगाभ्यास

सिसई। प्रखंड क्षेत्र के भदौली पंचायत अंतर्गत पोटरो गांव में योग और ध्यान शिविर के दूसरे दिन के सत्र में योग गुरु गजराज महतो ने कराया योगाभ्यास। बढ़ी हुई ठंड को ध्यान में रखते हुए मंत्रोचारण के बाद यौगिक जॉगिंग का 12 अभ्यास कराया गया। जिससे शरीर में ओज, तेज, एवं गर्मी का संचार हो सके। योग गुरु ने योगाभ्यास के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि इन 12 आसनों को अपने सामर्थ करने मात्र से शर से लेकर पैरों के तलवे तक का सम्पूर्ण व्यायाम हो जाता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर की 206 हड्डियों की जोड़ों में लचीलापन आता है और हड्डियां मजबूत होती हैं कंपकपाती ठंड में भी सुबह सुबह तन से पसीने आने लगते हैं और शरीर के सभी नस नाड़ियों में रक्त सुगमता से प्रवाहित होती है जिससे व्यक्ति के अनेकों शारीरिक रोग दूर होते हैं वहीं कद वृद्धि के लिए ताड़ासन, त्रियक कोणासन, वृक्षासन, गरुडासन का भी अभ्यास कराया गया। और इन सभी आसनों से शरीर को होने वाली विभिन्न लाभों की जानकारी दी गई। पुनः प्रतिदिन की भांति तीन जीवनदायिनी प्राणायामों का विधिपूर्वक अभ्यास कराया गया। और अंत में योग भजन कराते हुए योगाभ्यास का समापन किया गया। शिविर में योगाभ्यास करने के लिए ग्रामीण महिला पुरुष, नौजवान व बच्चे शामिल थे।

डुमरी में किसान परिवार की फसल में आग, सालभर की मेहनत राख

डुमरी। डुमरी प्रखंड के चिरैया गांव में रात एक दुखद घटना सामने आई, जिसमें अज्ञात लोगों ने एक गरीब किसान परिवार की सालभर की मेहनत पर पानी फेर दिया। असामाजिक तत्वों ने किसान के खलिहान में रखे धान के ढेर में आग लगा दी, जिससे पूरा अनाज जलकर राख हो गया। घटना की सूचना पाकर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप मिंज पीड़ित परिवार से मिलने चिरैया गांव पहुंचे। मौके पर उन्होंने परिवार की व्यथा सुनी और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित परिवार ने बताया कि उनका पूरा घर का भोजन, परिवार का खर्च और पशुओं के लिए चारा इसी धान पर निर्भर था। अब उनके सामने जीविका का गहरा संकट खड़ा हो गया है। प्रदीप मिंज ने इस घटना को अत्यंत दुखद और निंदनीय बताया और परिवार को भरोसा दिलाया कि उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने प्रशासन से दोषियों की जल्द पहचान और सख्त कार्रवाई की मांग भी की। यह घटना न केवल किसान परिवार के लिए, बल्कि पूरे इलाके के लिए चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि सालभर की मेहनत और जीवनयापन का जरिया जलकर नष्ट हो गया है।

गुमला में सड़क सुरक्षा अभियान, ओवरलोड वाहन जब्त

चालकों को यातायात नियमों का सख्त पालन करने की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गुरुवार को गुमला में एक सघन सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। यह अभियान उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व जिला परिवहन अधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल ने डीएबी मोड में किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य उन चालकों पर अंकुश लगाना था जो बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन कर दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। विशेष रूप से ओवरलोडिंग वाले टेंपो और टोटो वाहनों पर ध्यान केंद्रित किया गया। ओवरलोडिंग स्कूली बच्चों को वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक लादना, जो सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

अमान्य कागज़ात ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, परमिट, पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) सर्टिफिकेट और रोड टैक्स के बिना वाहन चलाना। अभियान के दौरान, नियम तोड़ने वाले वाहनों को पकड़ कर कार्रवाई की गई। विशेष रूप से, ओवरलोड पाए गए दो वाहनों को जब्त कर गुमला थाना परिसर में रखा गया। डीटीओ ज्ञान शंकर जायसवाल ने चालकों को दुर्घटनाओं के गंभीर परिणामों के बारे में समझाया और उन्हें भविष्य में सभी यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गुमला जिले में सुरक्षित और अनुशासित सड़क परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। यह अभियान जिले में सड़क सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है, जिसका विशेष उद्देश्य नागरिकों और विशेषकर स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बिहार शरीफ में भरनो के एक प्रवासी मजदूर बंदे उरांव की हुई मौत

भरनो। भरनो प्रखंड मुख्यालय स्थित पोखरा टोली निवासी बंदे उरांव 34 वर्ष की मौत बिहार के नालंदा जिले अंतर्गत बिहारशरीफ में नहर में डूबने से हो गई।बीते रात को मजदूर का शव एंबुलेंस में उसका गांव पहुंचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंदे उरांव विगत अगस्त माह में बिहार के नालंदा जिला के बिहारशरीफ के बालाजी नामक ईंट भट्ठा में मजदूरी करने गया हुआ था। उसके साथ गांव के भी अन्य मजदूर भी काम करने गए थे। उसके साथियों ने बताया कि बंदे उरांव बीते 4 दिनों से ईंट भट्ठा से गायब था।

गुमला में जिला स्तरीय समन्वय समिति की अहम बैठक संपन्न

योजनाओं के त्वरित निष्पादन और 100 % उपलब्धि का लक्ष्य निर्धारित

नवीन मेल संवाददाता

● कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा, धूमकुड़िया भवन के लिए भूमि चिन्हित करने का निर्देश

गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक जिला समाहरणालय में आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी महत्वपूर्ण विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, निर्माण कार्यों तथा जनकल्याण कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को त्वरित निष्पादन, बेहतर समन्वय और शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता, निदेशक डीआरडीए, सिविल सर्जन, एसडीओ- चैनपुर, एसडीओ-बसिया, एलआरडीसी गुमला-बसिया समेत जिले के सभी विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयुष्मान मंदिरों तक पहुंच मार्ग सुधार पर जोर स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले के 106 आयुष्मान मंदिरों तक पहुंचने वाले मार्ग दुरुस्त नहीं हैं। इस पर गंभीर चर्चा के बाद संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी स्थलों का सर्वे कर मार्ग निर्माण की सूची तैयार करें और आवश्यक अनुमान शीघ्र उपलब्ध कराएं। आयुष्मान कार्ड एवं सिकल सेल अभियान की समीक्षा में जिले की 98 प्रतिशत उपलब्धि की सराहना की गई और शेष लाभुकों को शीघ्र लाभ दिलाने को भी कहा गया। धूमकुड़िया भवन, सरना-मसना स्थल, छात्रवृत्ति योजनाएं और नागफेनी ग्रामीण कल्याण अस्पताल के मरम्मत कार्यों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। सभी अंचल अधिकारियों को धूमकुड़िया भवन के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने और छात्रवृत्ति योजनाओं से संबंधित एम.पी. सी.आई. मैपिंग कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। साथ ही मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के लाभुकों की अद्यतन सूची भी शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा गया। एमआई योजना अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों के लंबित निर्माण कार्यों की समीक्षा कर देरी के कारणों पर चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि सभी एजेंसियां तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करें। जिला परिषद द्वारा संचालित निर्माण कार्यों और भूमि विवाद मामलों पर भी तत्काल समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। समाज कल्याण विभाग-82 आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति प्रस्तुत, विधवा पुनर्विवाह योजना पर जानकारी जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा 82 आंगनवाड़ी केंद्रों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। विभागों को लंबित कार्यों के त्वरित निष्पादन और भूमि संबंधी विवादों के समाधान हेतु तुरंत पहल करने को कहा गया। बैठक में बताया गया कि राज्य विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र महिलाओं को 2 लाख की सहायता राशि दी जाएगी। अंचल स्तर पर प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध, पारदर्शी और त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिया गया कि नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ बिना देरी मिले।

पानी की किल्लत बनी चिंता का विषय

पंचायत सदस्य ने निरीक्षण कर किया सुधार का आश्वासन

● निरीक्षण में पाया कि विद्यालय के सामने लगे दो चापाकल पिछले 11–12 महीनों से खराब पड़े

नवीन मेल संवाददाता

रायडीह। नवागढ़ पंचायत के खीरा खाड़ में पानी की गंभीर किल्लत के मामले ने स्थानीय ग्रामीणों में चिंता बढ़ा दी है। गुरुवार को पंचायत समिति सदस्य हिमांशु कुमार गुप्ता ने गांव के आंगनवाड़ी और नव प्राथमिक विद्यालय खीरा खाड़ सहित जल मिनार का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि विद्यालय के सामने लगे दो चापाकल पिछले 11–12 महीनों से खराब पड़े हैं। इसके संबंध में पहले भी प्रखंड विकास पदाधिकारी को जानकारी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस कारण स्कूल और आंगनवाड़ी के बच्चों सहित पूरे गांव में पानी की समस्या बनी हुई है। निरीक्षण के दौरान स्कूल के मध्यान भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। पंचायत सदस्य हिमांशु कुमार गुप्ता ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वे उच्च अधिकारियों को अवगत कराकर जल्द ही पानी की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को दूसरे स्थान से पानी लाने के दौरान दुर्घटना का खतरा बना रहता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला ग्रामीणों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है और आवश्यक सुधार कार्य की मांग तेज हो गई है।

गुमला में मिलेट प्रोसेसिंग यूनिट व स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग सेंटर का शुभारंभ

महिलाओं को मिलेगा रोजगार, किसान होंगे सशक्त, मिलेट उद्यमिता को नई उड़ान

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। कृषि विज्ञान केंद्र, विकास भारती बिशुनपुर में पोषक अनाजों के उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्द्धन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से "मिलेट प्रोसेसिंग यूनिट फॉर कस्टम हायरिंग सर्विसेज" और "मिलेट वैल्यू एडिशन एवं स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग यूनिट" की स्थापना की गई है। यह यूनिट आईसीएआर–अटारी, ज़ोन-4, पटना के तकनीकी सहयोग से तैयार की गई है, जो जिले में मिलेट क्रांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी डॉ. बृजेश पांडे के अनुसार, 8 से 12 दिसंबर तक पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें गुमला जिले की पुगु, हेसराग, हेठआदर और बिशुनपुर की 25 महिलाएँ भाग ले रही हैं। इन महिलाओं को मोटा अनाज आधारित बिस्कुट, लड्डू, नमकीन, मडुआ आटा और केक बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र का लक्ष्य इस वर्ष 200 महिलाओं को प्रशिक्षित करना है, जिससे जिले में मिलेट आधारित उत्पादों का उत्पादन बढ़ेगा और महिलाएँ आत्मनिर्भर बनेंगी। नई स्थापित प्रोसेसिंग यूनिट उन्नत मशीनरी से सुसज्जित है, जिसमें मिलेट की सफाई, ग्रेडिंग, छिलका हटाना, पॉलिशिंग और पैकेजिंग जैसी सभी प्रक्रियाएँ स्थानीय स्तर पर ही पूरी की जा सकेंगी। किसान और एफपीओ इस यूनिट से कस्टम हायरिंग सेवाएँ प्राप्त कर पाएंगे, जिससे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करना आसान होगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। यह पहल जिले में मिलेट वैल्यू चेन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। महिलाओं, युवाओं और स्वयं सहायता समूहों के लिए उद्यमिता के नए अवसर यूनिट में मिलेट आधारित खाद्य उत्पाद निर्माण, प्रसंस्करण तकनीक, सुरक्षित पैकेजिंग एवं उद्यमिता विकास पर विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इससे महिला समूहों, युवाओं और स्वयं सहायता समूहों को मिलेट आधारित माइक्रो-एंटरप्राइज शुरू करने में प्रोत्साहन मिलेगा। भविष्य में यह केंद्र एक क्षेत्रीय संसाधन केंद्र के रूप में विकसित होगा, जहाँ उत्पादन से लेकर विपणन तक की सभी तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यह सुविधा 36.12 लाख की लागत से टीएसपी (जनजातीय उपयोजना) घटक के अंतर्गत आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च, हैदराबाद के वित्तीय व तकनीकी सहयोग से स्थापित की गई है।

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
जिला- लातेहार

बन्दोबस्ती आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, लातेहार क्षेत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित सैरातों की बन्दोबस्ती वर्ष 2025–2026 (12 फरवरी 2026 से 03 मार्च, 2026 तक) के लिये खुली डाक द्वारा बोली दिनांक– 30.12.2025 को 11.30 बजे अपराह्न नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय प्रकोष्ट में की जायेगी। उस दिन किसी अपरिहार्य कारणों से बन्दोबस्ती नही होने की स्थिति में दिनांक 31.12.2025 को 12:00 बजे पूर्वाह्न खुली डाक द्वारा बन्दोबस्ती की जायेगी।

क्र० सं०	सैरात का नाम	पूर्व की बंदोबस्ती राशि	वर्ष 2025–2026 की न्यूनतम डाक की राशि	जमानत की राशि सुरक्षित जमा राशि का 10%	सैरात का आवेदन शुल्क
01	महा शिवरात्री मेला बानपुर लातेहार	2508500.00	2508500.00	250850.00	5000.00

नोटः–
1. उपरोक्त सैरात में भाग लेने वाले आवेदकों को संबंधित सैरात हेतु 5000.00 रूपये कार्यालय में नगद जमा कर संबंधित सैरात का आवेदन प्रपत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। तदोपरांत ही उपरोक्त सैरात में भाग लेने की स्वीकृति प्रदान की जायेगी। आवेदन प्रपत्र को नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में दिनांक 29.12.2025 को अपराह्न 2:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही संबंधित आवेदन को मांग किये गये सभी कागजात एवं जमानत की राशि का बैंक ड्राफट के साथ दिनांक 29.12.2025 के अपराह्न 5.00 बजे तक ही जमा किया जा सकता है। डाक की तिथि के दिन किसी भी प्रकार के आवेदन स्वीकार नही किये जायेगें।
2. छद्म नाम से डाक बोलने वाले तथा भ्रम, अशान्ति पैदा करने वाले , सुरक्षीत जमा राशि से कम डाक की बोली बोलने वाले पर जमानत की राशि जब्त करते हुए कड़ी कानूनी कारवाई की जायेगी।
3. कार्यालय अवधि में कार्यालय सूचना पट्ट/कार्यालय से सम्पर्क कर इस कार्य हेतु लागु किये गये नियम एवं शर्तों को या लातेहार जिला के वेवसाईड www.latehar.nic.in पर देखा या डाउनलोड किया जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 368267 Urban Development (25-26)_D

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
जिला- लातेहार

विज्ञापन संख्या– 17/2025–26(5th Call)
इच्छा की अभिव्यक्ति

अपर अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड सरकार, रांची के पत्रांक 328 (ADM) दिनांक 06.12.2022 के आलोक में लातेहार जिले के वार्ड विकास केन्द्र एवं सामुदायिक भवन में 15वें वित आयोग (स्वास्थ्य) के तहत् संचालित किये जाने वाले Urban Ayushman Arogya Mandir के संचालन हेतु प्रतिदिन अधारित विशेषज्ञ चिकित्सकों यथा (Medicine, Obstetrics & Gynecology, Pediatrics, Ophthalmology, Dermatology, Psychiatry, Physiotherapist) की सेवा प्राप्त किया जाना है। विशेषज्ञ चिकित्सकों के चयन हेतु दिनांक 29.12.2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में Walk in interviiew निर्धारित किया गया है। इच्छुक निजी चिकित्सकों से निम्नांकित शर्तो के अधीन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

कं० सं०	विवरणी	आवश्यक शर्ते
01	विशेषज्ञ चिकित्सक का विवरण	Medicine, Obstetrics & Gynecology, Pediatrics, Ophthalmology, Dermatology, Psychiatry, Physiotherapist
02	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	मेडिकल कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से संबंधित चिकित्सक की डिग्री
03	उम्र सीमा	अधिकतम 67 वर्ष (सिविल सर्जन के माध्यम से निर्गत मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र के आधार पर 70 वर्ष तक के चिकित्सकों की सेवा प्राप्त की जा सकती है। मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र की वैधता एक वर्ष के लिए मान्य होगा।)
04	मानदेय	रू0 2500/– (दो हजार पॉच सौ रू0 मात्र) प्रतिदिन
05	कुल रिक्तियां	सभी पदो के लिए 02 (दो) अनारक्षित–01, आरक्षित –01
06	चयनित चिकित्सकों द्वार भविष्य के लिए नियमितिकरण हेतु किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।	
07	मानदेय भुगतान में नियमानुसार TDS कटौती की जाएगी।	
08	Walk in Interview में उपस्थित होने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।	
09	कार्य दिवस चिकित्सक के अनुसार निर्धारित की जायेगी।	

दिनांक 29.12.2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में Walk in Interview के लिए अपना बायोडाटा, सभी मूल प्रमाण पत्र एवं दो सेट छायाप्रति के साथ उपस्थित होना होगा।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 368270 Urban Development(25-26).D

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
जिला- लातेहार

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 28/2025–26

लातेहार शहरी जलापूर्ति योजना के तहत संचालन एवं रख–रखाव के निमित नगर पंचायत, लातेहार द्वारा निम्नाकिंत सामग्रियों का क्रय किया जाना है। क्रय किये जाने वाले सामग्रियों के निमित निर्माता अथवा अधिकृत बिक्रेताओं से **दिनांक 22.12.2025 के 2.30 बजे अपराह्न् तक** मुहरबंद निविदा आमंत्रित किये जाते है, जो नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। साथ ही जलापूर्ति सामग्रीयों के निविदा **दिनांक 22.12.2025 को अपराह्न् 3.30** बजे निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के समक्ष नगर पंचायत, लातेहार के निविदा समिति (Procurement Committee) द्वारा खोला जायेगा। निविदा हेतु निर्धारित नियम एवं शर्त्त कार्यालय अवधि में कार्यालय सूचना पट्ट/कार्यालय से सम्पर्क कर या लातेहार जिला के वेवसाईड **www.latehar.nic.in** पर देखा या डाउनलोड किया जा सकता है । साथ ही इस संबंध में विशेष जानकारी अमित कुमार कनीय अभियंता, नगर पंचायत लातेहार से प्राप्त की जा सकती है। क्रय किये जाने वाले सामग्रियों का विवरण निम्नवत हैः–

S.L. NO	DESCRIPTION	Quantity	Rate with all Taxes	Tender Fees	Security Money
01	G.M. Ferrule ISI Mark ½ Inch	200 Pcs		1000.00	5% of the Total Quoted Rate
02	Water Meter ISI Mark ½ Inch	200 Pcs			
03	G.I. Union ½ Inch	200 Pcs			
04	G.I. Elbo Bend ½ Inch	100 Pcs			
05	MDPE(Medium Density Polyethylene) Pipe ½ Inch	3000 Fit			
06	Bib Cock G.I. ½ Inch	100 Pcs			
07	Cutter Machine 850 Watt. Make-Bosch	01 Pce			
08	Core Bit ½ Inch	01 Pce			
09	Threat Bit ½ Inch	01 Pce			
10	G.I. Soket ½ Inch	100 Pcs			

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR.NO.368266 Urban Development(25-26):D

उसी पुराने ढंग से न जीते रहें। अपने जीवन को सुधारने के लिए कुछ करने का दृढ़ निश्चय कर लें और फिर उसे पूरा करें। अपनी चेतना को परिवर्तित करें, केवल उतना ही करने की आवश्यकता है। **- श्री श्री परमहंस योगदानंद**

संपादकीय

धूर्त पड़ोसी की मिलिट्री चाल

पाकिस्तान की राजनीति एक बार फिर सेना के शिकंजे में जकड़ती जा रही है। नवंबर 2025 में हड़बड़ी में पारित 27वें संविधान संशोधन ने नागरिक शासन और सैन्य नेतृत्व के बीच शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल दिया है। इससे पाकिस्तान में लोकतंत्र का दायरा सिकुड़ रहा है और सेना का प्रभाव सांविधानिक रूप से सर्वोच्च दर्जा हासिल कर रहा है। यह बदलाव न केवल पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति के लिए खतरनाक है, बल्कि भारत की सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी गंभीर चिंताएं पैदा करता है। इस संशोधन के तहत 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' (सीडीएफ) का नया पद बनाया गया है, जिसे फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को सौंपा गया है। वह पहले से ही चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ हैं और अब थल, वायु और नौसेना, तीनों पर सीधी कमान रखने वाले पाकिस्तान के एकमात्र व्यक्ति बन गए हैं। इससे सैन्य शक्ति का ऐसा केंद्रीकरण हो गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। सांविधानिक तौर पर यह पद प्रधानमंत्री से भी अधिक प्रभावशाली बना दिया गया है, जिसे हटाना भी लगभग असंभव कर दिया गया है। मुनीर को आजीवन अभियोजन-छूट भी दे दी गई है-पाकिस्तान में यह अधिकार अब तक किसी निर्वाचित नेता के पास नहीं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि पाकिस्तान की परमाणु कमान पर अब सेना का नियंत्रण और अधिक मजबूत हो गया है। पहले के ढांचे में, कम से कम औपचारिक रूप से, राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण में प्रधानमंत्री की भूमिका दिखाई देती थी। लेकिन अब रणनीतिक व परमाणु फैसलों पर सैन्य वर्चस्व और बढ़ गया है। वह देश, जो भारत के साथ कई बार युद्ध के मुहाने तक पहुंच चुका है, जहां कट्टरपंथी ताकतें एवं सैन्य प्रतिष्ठान मिलकर नीतियां प्रभावित करते हैं, वहां परमाणु निर्णयों का केंद्रीकरण पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि पाकिस्तान की आंतरिक अस्थिरता और सैन्य श्रेष्ठता का दावा अक्सर भारत-विरोधी आक्रामकता के रूप में सामने आता है। मई 2025 की टकरावपूर्ण घटनाओं के बाद मुनीर की छवि पाकिस्तान में 'भारत के विरुद्ध निर्णायक नेता' के रूप में गढ़ी गई है। आसिम मुनीर की सैन्य-चालित नीतियां और राजनीतिक बयानबाजी भारत-पाक संबंधों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखने की दिशा में हैं। मुनीर की आंतरिक वैधता भी काफी हद तक भारत विरोध पर टिकी हुई दिख रही है-जैसा कि इतिहास में कई बार पाकिस्तान में होता आया है। भारत की पश्चिमी सीमाओं पर सीमा पार से आतंकवाद और ड्रोन-आधारित तस्करी बढ़ने की संभावना को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान में जब भी सेना की पकड़ मजबूत होती है, भारत के विरुद्ध 'लो-इंटेंसिटी वॉरफेयर' को बढ़ावा मिलता है। मुनीर के कार्यकाल में यह और तेज हो सकती है।

सांविधानिक तौर पर यह पद प्रधानमंत्री से भी अधिक प्रभावशाली बना दिया गया है, जिसे हटाना भी लगभग असंभव कर दिया गया है। मुनीर को आजीवन अभियोजन-छूट भी दे दी गई है-पाकिस्तान में यह अधिकार अब तक किसी निर्वाचित नेता के पास नहीं।

सामाजिक सुरक्षा की ओर कदम श्रम संहिताएं और डिजिटल ढांचा

सामाजिक सुरक्षा प्रणालियां गरीबी कम करने, मजबूती बढ़ाने और न्यायसंगत विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रत्येक निवासी को, उसकी आय, रोजगार की स्थिति या जनसांख्यिकीय विशेषता की परवाह किए बिना, पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, बेरोजगारी भत्ता या दिव्यांगता सहायता जैसे न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुंच प्रदान करता है। भारत अब सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में पहले से कहीं अधिक नजदीक है-एक ऐसी प्रणाली जिसे अधिकांश राष्ट्र, यहां तक कि सबसे विकसित देश भी, दशकों तक निरंतर निवेश और प्रयास करने के बाद ही स्थापित कर पाए। श्रम संहिताओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के माध्यम से, देश के पास हर कामगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचा मौजूद है-चाहे वह गिग ड्राइवर हो, फैक्ट्री कर्मचारी हो या निर्माण कार्य करने वाला प्रवासी मजदूर हो। सामाजिक सुरक्षा संहिता नौ प्रमुख कानूनों को एकल एकीकृत ढांचे में समेकित करती है। इससे प्रशासनिक जटिलता कम करने, लाभों को हस्तांतरित करने की योग्यता बेहतर बनाने, नियोक्ताओं के लिए अनुपालन सरल बनाने और निगरानी व प्रवर्तन मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इसकी बदौलत विशेषकर असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्यमों के कामगार-जहां भारत के 90% कामगार काम करते हैं-नौकरशाही की अड़चनों में उलझे बगैर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह संहिता सरकार को भी यह अधिकार देती है कि वह सभी क्षेत्रों में उद्यमों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), मातृत्व लाभ और ग्रेच्युटी का कवरेज बढ़ा सके, ताकि अब तक असुरक्षित रहे कामगारों को लाभ मिल सके और छोटे उद्यमों में स्वैच्छिक पंजीकरण को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कोष /राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष की व्यवस्था प्रदान करती है, जहां सरकार का वित्तीय योगदान, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का योगदान, नियोक्ता और कर्मचारियों का योगदान एकत्रित किया जा सकता है, जो सामाजिक सुरक्षा कवरेज को सहायता प्रदान कर सकता है। लेकिन केवल कानून बनाना भर ही पर्याप्त नहीं है। जो बात वास्तव में भारत को उसके वैश्विक समकक्षों से अलग कर सकती है, वह है उसका उभरता डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र-ई-श्रम डेटाबेस और आधार प्रमाणीकरण से लेकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्लेटफ़ॉर्म तक। ये सभी उपकरण मिलकर भारत को पारंपरिक कल्याण मॉडल से आगे बढ़ने और एक पोर्टेबल, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम कल्याण प्रणाली बनाने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं, जो दुनिया की किसी भी प्रणाली से अलग है।

आधार : सार्वभौमिकरण की रीढ़ सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश सार्वभौमिकता सुनिश्चित करने के लिए हर निवासी को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं जो सीधे लाभों से जुड़ी होती है। भारत के पास आधार–के रूप में यह सुविधा पहले से मौजूद है-जो अत्यंत विश्वसनीय और निशुल्क प्रमाणीकरण प्रदान करता है।

आधार सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की सबसे बड़े बाधा : अर्थात्, विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और नियोक्ताओं में लाभार्थियों की पहचान और प्रमाणीकरण को हल करता है। प्रवासी कामगारों के लिए, आधार-सक्षम पोर्टेबिलिटी वह कर सकती है, जो पिछली पीढ़ी के कल्याणकारी सुधार हासिल नहीं कर पाए। स्थान की परवाह किए बगैर लाभों तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करना। यह प्रणाली नॉर्वे और डेनमार्क जैसे देशों में डिजिटल आईडी आधारित प्रणालियों की तरह है, जहां नागरिक अपनी कल्याण पहचान को अलग-अलग क्षेत्रों और सेवाओं में निर्बाध रूप से अपने साथ रख सकते हैं। एकीकृत डेटाबेस पर आधारित एकीकृत संहिता। जहां एक ओर दुनिया भर में संगठित क्षेत्र के कामगार सामान्यत, सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अंतर्गत आते हैं, वहीं नियोक्ता-कामगार के बीच स्थिर रोजगार संबंध नहीं होने के कारण असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कवर करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। कई देश एकीकृत श्रम कानूनों पर भरोसा करते हैं, लेकिन बहुत कम देशों के पास भारत के ई-श्रम डेटाबेस जैसा विशाल राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एकीकृत पंजीकरण तंत्र का प्रावधान ई-श्रम के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो पहले से ही 310 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के कामगारों के जनसांख्यिकीय, कौशल और व्यवसाय संबंधी डेटा को संग्रहित करता है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रत्येक कामगार की विशिष्ट रूप से पहचान की जाती है और उन्हें एक ई-श्रम यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) प्रदान किया जाता है। भारत की क्षमता-एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से असंगठित कामगारों की विशिष्ट पहचान करना, उन्हें सीधे पंजीकृत करना और ट्रैक करना-सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए तेज पंजीकरण, बेहतर पोर्टेबिलिटी और कामगार डेटा के रियल-टाइम अपडेट की सुविधा प्रदान कर सकती है। भविष्य में, यदि ई-श्रम और ईपीएफओ यूएएन को पोर्टेबल बनाया जाता है, तो असंगठित क्षेत्र और संगठित क्षेत्र के बीच श्रमिकों की गतिविधियों को ट्रैक करना संभव होगा। इससे श्रम बाजार की गतिशीलता का विश्लेषण किया जा सकेगा और यह सार्वजनिक नीतियों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण डेटा स्रोत साबित होगा।

यूपीआई और डीबीटी : वह महत्वपूर्ण कड़ी जिसे ज्यादातर देश अभी तक अपना नहीं पाए। कल्याण पर ज्यादा ध्यान देने वाले देश बैंकों और पारंपरिक भुगतान प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं। हालांकि भारत ने दुनिया के सबसे तेज, कम लागत वाले और इंटरऑपरेबल भुगतान नेटवर्क में से एक यूपीआई की पहल की है। डीबीटी के साथ एकीकृत होने के कारण, भारत के पास सामाजिक सुरक्षा भुगतान को तुरंत और सीधे कामगारों के खाते में पूरे देश में कहीं भी भेज सकने की प्रमाणित क्षमता है। यह एक ऐसी क्षमता है जिसके लिए विकसित अर्थव्यवस्थाएँ भी संघर्ष करती हैं। महामारी के दौरान, अमेरिका तक में लाखों लोगों को प्रोत्साहन चेक के लिए हफ्तों बाट जोहनी पड़ी थी । इसके विपरीत, भारत ने आपातकालीन कोविड-19 भुगतान लाखों लाभार्थियों तक अभूतपूर्व गति से हस्तांतरित किया था। केंद्रीय और राज्य सरकारों के पास जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य कवरेज, मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा आदि से जुड़ी कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ हैं। इन योजनाओं में ई-श्रम पंजीकृत कामगारों को शामिल करके तथा यूपीआई और डीबीटी का उपयोग करके, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को बड़े पैमाने पर, उपयोगकर्ता-अनुकूल, पारदर्शी और कुशल तरीके से हासिल किया जा सकता है।

इतिहास में पहली बार, भारत के पास सभी महत्वपूर्ण साधन : कानूनी ढांचा (श्रम संहिताएं), एक राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर (ई-श्रम), एक सार्वभौमिक पहचान प्रणाली (आधार), एक रियल-टाइम भुगतान प्रणाली (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली (डीबीटी) मौजूद हैं । यह संयोजन वैश्विक स्तर पर दुर्लभ है। यदि इसे सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो भारत एक ऐसा सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा मॉडल बना सकता है जो केवल समावेशी ही नहीं, बल्कि मूल रूप से डिजिटल आधारित और भविष्य के लिए सुरक्षित भी हो-एक ऐसा मॉडल, जिसका अन्य देश एक दिन अध्ययन करें।

आज की बात

जी. मधुमिता दास
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार

वंदे मातरम् व कांग्रेस : राष्ट्रीय चेतना से राष्ट्रगीत तक की ऐतिहासिक यात्रा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास घटनाओं का क्रम मात्र नहीं, बल्कि उन भावनाओं की महागाथा है जिन्होंने पराधीन देश को स्वतंत्रता का स्वप्न दिखाया। इन भावनाओं के केंद्र में "वंदे मातरम्" गीत रहा, जिसने जन-मानस की सुप्त चेतना जगाई और विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष की लौ प्रज्ज्वलित की। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसे राष्ट्रीय आत्मा का प्रतीक बनाकर ऐतिहासिक भूमिका निभाई। बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1875 में यह गीत रचा, जो 1881 के उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल हुआ। इसका राजनीतिक रूपांतरण 1886 में हुआ, जिसे कविवर हेमचंद्र वंदेमातरम को कोलकाता अधिवेशन में गाया था और खुद ने रवीन्द्रनाथ टैगोर ने खुद कांग्रेस के 12 वें अधिवेशन में सन् 1896 में इसे गाया। कांग्रेस की स्थापना के ठीक अगले वर्ष यह राष्ट्रीय आकांक्षाओं का स्वर बन गया। 1905 के बंगाल विभाजन के विरुद्ध आंदोलन में सुरेंद्रनाथ बनर्जी, बिपिन चंद्र पाल, तिलक, लाला लाजपत राय जैसे नेताओं ने इसका खुला प्रतिकार किया। 16 अक्टूबर 1905 को टैगोर के नेतृत्व में "एकता दिवस" पर राखी बांधकर सामूहिक गान हुआ, जो लाखों भारतीयों की धड़कन बन गया। कांग्रेस अधिवेशनों में यह गीत राष्ट्रीय संकल्प का उद्घोष था। 1921 के असहयोग आंदोलन में हजारों सत्याग्रही इसे नारा लगाते जेल गए। अंग्रेजों को इससे भय था, इसलिए गान को अपराध घोषित कर लाठियां और गोलियां चलाई गईं, किंतु आवाजें नहीं रुकीं। नेहरू, गांधी, पटेल, आजाद जैसे नेताओं ने इसे स्वतंत्रता का नैतिक आधार माना। 1929 में नेहरू ने अध्यक्षीय भाषणों का अंत जयघोष से किया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने वंदे मातरम् को प्रथम गीत निर्देशित किया। स्वतंत्रता पूर्व रात्रि में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पत्र में कार्यक्रम की शुरुआत इसी से करने को कहा। संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रगीत का दर्जा दिया। नेहरू ने 1955 में सरकारी कार्यक्रमों में इसे प्रारंभिक गीत बताया। कांग्रेस ने इसे जन-जन तक पहुंचाया, आंदोलनों का केंद्र बनाया। बंगाल से उत्तर, दक्षिण भारत तक यह साझा पहचान बना। अंग्रेज भयभीत हुए क्योंकि यह शासन को चुनौती देता था। स्वतंत्रता के बाद यह राष्ट्रीय अनुष्ठानों की धड़कन रहा। यह गीत सांस्कृतिक आत्मविश्वास का प्रतीक था, जिसने सामान्य जन को संगठित राष्ट्र बनाया। विविधता में एकता का अनुभव कराया। आज भी यह स्वतंत्रता के जागरण की उजली ध्वनि है- अतीत की स्मृति और भविष्य की प्रेरणा। कांग्रेस की साहसी भूमिका ने इसे धड़कता हृदय बनाया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

हृदयानंद मिश्र

'वंदे मातरम्' राष्ट्र प्रेम की भावना से लिखा गया एक अमर गीत

बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा लिखा गया 'वंदे मातरम्' गीत के 150 वीं वर्षगांठ पर देश की लोकसभा और राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जिस तरह बहसें हुई हैं, इससे प्रतीत होता है कि यह गीत आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना कि इस गीत के रचना के समय था। इस अमर राष्ट्र गीत के पक्ष में सत्ता पक्ष के नेताओं ने कहा कि यह गीत स्वाधीनता आंदोलनकारियों को भारत माता को बेड़ियों से मुक्त करने के लिए एक नई ऊर्जा भर दी थी। यह गीत तब से लेकर आज तक देशवासियों को राष्ट्रीय चेतना से प्रेरित करता रह रहा है।

देश की बात

विजय केसरी

वहीं दूसरी ओर विपक्ष के नेताओं ने सत्ता पक्ष पर यह आरोप लगाया कि बंगाल विधानसभा के चुनाव को ध्यान में रखकर इस गीत पर चर्चा कर राजनीति कर रही है। आरोप और प्रत्यारोप तो चलता ही रहेगा, लेकिन बंकिमचंद्र चटर्जी ने इस गीत को उस दौर में लिखा था, जब भारत ब्रिटिश हुकूमत के अधीन था। सच्चे अर्थों में इस गीत ने स्वाधीनता सेनानियों में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया था। इस गीत की पंक्तियों ने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला करके रख दी थी। इसके साथ ही इस गीत ने पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण में रहने वाले तमाम देशवासियों को एक सूत्र में बांधने का काम किया था। वंदे मातरम् गीत राष्ट्र प्रेम की भावना से लिखा गया एक अमर गीत बन चुका है। इस गीत की गूंज सदियों तक सुनाई पड़ती रहेगी। 'वन्दे मातरम्' बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा संस्कृत और बांग्ला मिश्रित भाषा में रचित एक गीत अमर गीत है। इस गीत के रचयिता बंकिमचंद्र चटर्जी को भी पता नहीं था कि यह उनका अमर गीत बनने वाला है। उन्होंने भारत माता व जन्मभूमि की महत्ता पर वंदे मातरम् की पंक्तियां निछावर कर दिया है। इस गीत का प्रकाशन सन 1882 में उनके उपन्यास 'आनन्द मठ' में अन्तर्निहित गीत के रूप में हुआ था। इस गीत से सदियों से सुप्त भारत देश जग उठा था। आगे चलकर यह यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक बना रहा था। आनंद मठ उपन्यासमें यह गीत भवानन्द नाम के संन्यासी द्वारा गाया गया है। इस गीत की लोकप्रियता का आलम यह है कि 2003 में, बीबीसी वर्ल्ड सर्विसद्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में, जिसमें उस समय तक के सबसे मशहूर दस गीतों का चयन करने के लिये दुनिया भर से लगभग सात हजार गीतों को चुना गया था। बीबीसी के अनुसार 155 देशों -द्वीप के लोगों ने इसमें मतदान किया था। उसमें वन्दे मातरम् शीर्ष के दस गीतों में दूसरे स्थान पर था। वंदे मातरम् गीत को बंकिम चंद्र चटर्जी ने संस्कृत और बांग्ला भाषा मिश्रित लिखा था। लेकिन लिपि बांग्ला थी। इसलिए बांग्ला भाषा को ध्यान में रखा जाए तो इसका शीर्षक 'बन्दे मातरम्' होना चाहिये 'वन्दे मातरम्' नहीं। चूंकि हिंदी व संस्कृत भाषा में 'वन्दे' शब्द ही सही है, लेकिन यह गीत मूलरूप में बांग्ला लिपि में लिखा गया था और चूंकि बांग्ला लिपि में व अक्षर है ही नहीं। अतः बन्दे मातरम् शीर्षक से ही बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने इसे लिखा था। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए शीर्षक 'बन्दे मातरम्' होना चाहिए था। परन्तु संस्कृत में 'बन्दे मातरम' का कोई शब्दार्थ नहीं है तथा 'वन्दे मातरम्' उच्चारण करने से 'माता की वन्दना करता हूं' ऐसा अर्थ निकलता है। इसलिए देवनागरी लिपि में इसे वन्दे मातरम् ही लिखना व पढ़ना समीचीन होगा। वंदे मातरम् गीत पर समीक्षा से पूर्व यह जानना जरूरी हो जाता है कि जिस कालखंड में बंकिम चंद्र ने इस गीत की रचना की थी, भारत गुलाम था। भारत का मूल धर्म सनातन धर्म और संस्कृति पर ब्रिटिश हुकूमत द्वारा जबरदस्त ढंग से हमला किया जा रहा था। बंकिम चंद्र यह बखूबी जानते थे कि भारत की सनातन संस्कृति कितना गौरवशाली है। भारत माता के करोड़ों पुत्र होने के बावजूद भारत माता अधिक दिनों तक बेड़ियों में कैसे बंधी रह सकती हैं? भारत माता के इस विराट व्यक्तित्व को लेकर इस गीत की रचना हुई थी। 'वंदे मातरम्' गीत की पंक्तियां इस प्रकार हैं। वन्दे मातरम्/सुजलां सुफलाम्/मलयजशीतलाम्/ शस्यश्यामलाम्/ मातरम्। कवि ने वंदे मातरम् गीत की अंतिम पंक्तियों में जननी जन्मभूमि के श्यामल रूपों का बहुत ही सुंदर ढंग से वर्णन किया है। भारत की पवित्र भूमि का वर्ण श्यामल है। जिसका चरित्र पावन है। आपका मुख सुंदर हंसी से विलसित है। सर्वाभरणभूषित होने के कारण आप कितनी सुंदर लगती हैं। कवि को गर्व है कि भारत भूमि उसकी जन्म भूमि है। इस जन्म भूमि में जन्म लेने वाले हर संतान पर सदैव माता की कृपा हमेशा बनी रहती है। सच्चे अर्थों में यह धरती स्वर्ग के समान है। इस पवित्र भूमि को धारण करनेवाली तथा हमें संभालने वाली भी आदि शक्ति स्वरूपा आप ही हैं। इसलिए माता आपको बारंबार प्रणाम। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

जग जीवन में आ रहे हैं फिर बड़े घुमाव।
'कालनेमि' सा वक्त भी करता है बरताव।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

झारखंड राज्य की संघर्ष से संभावनाओं तक नई यात्रा

झारखंड भारत का वह भूभाग जिसे प्रकृति ने अपार संपदा दी, पर इतिहास ने उतनी ही उपेक्षा। बिरसा मुंडा की धारदार चेतना से लेकर सिद्धो-कान्हू के विद्रोह तक, यह भूमि हमेशा से अस्मिता, संघर्ष और स्वाभिमान की जननी रही है। लेकिन एकीकृत बिहार के दौर में झारखंड की पहचान सिर्फ "खदानों का प्रदेश" बनकर रह गई जहां संसाधनों की रोशनी चमकती थी, पर उस रोशनी से स्थानीय घरों में उजाला कम ही पहुंचता था। सन 2000 में जब झारखंड राज्य अस्तित्व में आया, तब उम्मीद थी कि अब विकास का सूरज सिर्फ खदानों और कारखानों के ऊपर ही नहीं, बल्कि गांवों, पहाड़ों, जंगलों और साधारण जनजीवन पर भी चमकेगा। 25 वर्षों की इस यात्रा में झारखंड ने बहुत कुछ पाया है, बहुत कुछ सीखा है और बहुत कुछ अभी बाकी है। आर्थिक तस्वीर एकीकृत बिहार के समय झारखंड में कोयला, लौह अयस्क, बाक्साइट, अभ्रक, तांबा सहित देश के 40% से अधिक खनिज मौजूद थे। उद्योग-बोकारो, धनबाद, जमशेदपुर-देश की आर्थिक धुरी थे। लेकिन विडंबना यह कि खदानों ने झारखंड की धरती को खोखला किया पर लाभ पटना और कॉरपोरेट जगत के खाते में गया। स्थानीय लोग विस्थापन, गरीबी, बेरोजगारी और पर्यावरणीय क्षरण के दंश झेलते रहे। झारखंड के आदिवासी, दलित और ग्रामीण समुदाय योजनाओं के अंतिम कतार में खड़े थे। पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण को सरकारी प्राथमिकता नहीं। स्वास्थ्य ढांचा जर्जर स्थिति में। महिला शिक्षा और सुरक्षा अत्यंत कमजोर। ग्रामीण इलाकों में गरीब परिवारों की स्थिति बदहाल। राजनीतिक संघर्षगाथा ऐसी है कि झारखंड आंदोलन लगभग एक शताब्दी पुराना था, लेकिन राजनीतिक इच्छा-शक्ति के अभाव में यह भूभाग विकास से दूर और अधिकार से वंचित रहा। स्थानीय नेतृत्व की भूमिका सीमित थी और निर्णय कहीं और बैठकर लिए जाते थे। शैक्षणिक स्थिति की बात करें तो संसाधन नहीं, अवसर नहीं, विद्यालय दूर, शिक्षक अनुपस्थित, महाविद्यालय का अता-पता नहीं, जनजातीय बच्चों का ड्रॉपआउट रेट बहुत अधिक, उच्च शिक्षा के नाम पर सीमित संस्थान, तकनीकी शिक्षा लगभग शून्य, युवा- महिला-बाल स्थिति जो आपसे छुपा नहीं है। जहां युवाओं के पास नौकरी नहीं, महिलाओं के पास अवसर नहीं, वहीं बच्चों के पास पोषण और शिक्षा नहीं थी। उपेक्षा की यह परतें झारखंड के कल की कड़वी हकीकत थीं। जो अब भूत हो गई है। झारखंड की वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो 25 वर्षों की विकास यात्रा में आर्थिक परिदृश्य की बदलती धारा से राज्य गठन के बाद आर्थिक ढांचे में कई सकारात्मक बदलाव आए खनिज राजस्व अब राज्य के खाते में आता है। औद्योगिक नीति ने नए निवेश के रास्ते खोले हैं। बिजली उत्पादन में झारखंड मजबूत राज्य बनकर उभरा है। कृषि में जैविक खेती, लाह, तसर, औषधीय पौधों को बढ़ावा मिला है। हालांकि बड़े उद्योगों की गति अपेक्षित तीव्रता से अब भी पीछे है। सामाजिक विकास की नई लकीरें थोड़ी आगे बढ़ी है। स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार हुआ है। ग्रामीण इलाकों तक मोबाइल चिकित्सा इकाइयाँ उपलब्ध हुई है। महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूहों का सशक्त नेटवर्क तैयार हुआ है। पोषण योजनाओं से कुपोषण में धीरे-धीरे कमी आई है। आदिवासी भाषा और संस्कृति के संरक्षण के लिए पहल हुआ है। 25 वर्षों में झारखंड ने राजनीतिक उतार-चढ़ाव खूब देखे, लेकिन इससे एक सकारात्मक पक्ष भी निकला है। स्थानीय नेतृत्व उभरा और जनभागीदारी बढ़ी। शिक्षा में सुधार की नई कहानी गढ़ी जा रही है। हजारों नए विद्यालय और आधारभूत संरचनाएं तैयार हो रही है। आईआईएम, आईआईआईटी, एम्स, एनयूएसआरएल, बीआईटी मेसरा जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा को गति मिली है। कौशल शिक्षा और टेक्निकल ट्रेनिंग कार्यक्रम आगे बढ़े हैं। खेल के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन तीरंदाजी, हॉकी में राष्ट्रीय-वैश्विक पहचान प्राप्त हुआ है। युवाओं में रोजगार के अवसर बढ़े, पर चुनौतियां भी बड़ी है। नए अवसर बने, पर बेरोजगारी और पलायन अब भी बड़ी समस्या है। युवाओं के पास प्रतिभा तो है पर प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। अभी भी मौजूदा चुनौतियां बहुत है। नक्सल प्रभावित इलाकों में धीमा विकास के कारण ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में असमानता देखी जा रही है। उद्योगों में स्थानीय भागीदारी कम दिख रहे हैं। लेकिन आज का झारखंड बदल रहा है जागरूकता बढ़ी है, नेतृत्व बदला है, सोच बदली है। आने वाला कल तभी सुनहरा होगा, जब विकास की रोशनी राज्य के हर पर्वत, हर गाँव, हर घर और हर बच्चे के भविष्य तक पहुंचाने में हम सब का सहयोग होगा। झारखंड की मिट्टी में संभावनाएं अनंत हैं, अब आवश्यकता है एकीकृत प्रयासों की, संवेदनशील शासन की और जनमानस की एकजुट इच्छा-शक्ति की। झारखंड कल उपेक्षित था, आज परिवर्तनशील है और भविष्य निश्चय ही स्वर्णिम होगा। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात

डॉ दीपक प्रसाद

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अप्र: खाई में गिरा ट्रक, कई मजदूर लापता, सेना ने संभाला मोर्चा

इटानगर/नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय सेना ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के चागलागाम क्षेत्र में एक बड़ा सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। यह ऑपरेशन तिनसुकिया से ट्रक सवार 21 मजदूरों के लिए चलाया जा रहा है। जिनका वाहन एक गहरी खाई में जा गिरा। माना जा रहा है कि हादसा 8 दिसंबर की रात को केएम 40 के पास हुआ। 10 दिसंबर की देर रात इसका पता तब चला जब एक शख्स चिपरा जीआरईएफ कैंप पहुंचा और उसने अधिकारियों को अलर्ट किया। हादसे में जीवित बचे व्यक्ति की शुरुआती जानकारी के अनुसार, वाहन सड़क से फिसल गया और नीचे दुर्गम जंगल वाली खाई में जा गिरा। यह जगह, जो चागलागाम से लगभग 12 किमी पहले है, एक दूरदराज के इलाके में है जहां कनेक्टिविटी बहुत कम है। जिंदा बचे हुए व्यक्ति के आने तक किसी भी स्थानीय एजेंसी, ठेकेदार या सिविल प्रतिनिधि ने लापता मजदूरों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। पता चलने के बाद राहत कार्यों में गति आई। 11 दिसंबर को, भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने मेडिकल टीमों, जीआरईएफ कर्मियों, स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ सदस्यों और हयूलियांग के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) के साथ बचाव दल भेजा। एक अधिकारी ने कहा, "सुबह 11:55 के करीब, चार घंटे की गहन खोज और रस्सी से नीचे उतरने के बाद, ट्रक केएम 40 के पास सड़क से लगभग 200 मीटर नीचे एक ऐसी जगह पर देखा गया, जो दुर्गम थी और घने पेड़ों और झाड़ियों के कारण हेलीकॉप्टर या सड़क से दिखाई नहीं दे रही थी। अठारह शव देखे गए हैं और उन्हें निकालने की कोशिश की जा रही है।"अधिकारियों के अनुसार, घनी झाड़ियों के कारण वाहन पहले दिखाई नहीं दे रहा था। अब तक, दुर्घटनास्थल पर 18 शव देखे गए हैं और उन्हें बेले रोप सिस्टम (रॉक क्लाइंबिंग और तकनीकी बचाव कार्यों में इस्तेमाल होने वाली एक सुरक्षा प्रणाली) का उपयोग करके निकाला जा रहा है। एडीसी हयूलियांग ने एसपी अंजॉ को सूचित किया है, जो घटनास्थल पर पहुंच गए हैं, जबकि जिला चिकित्सा अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। उपायुक्त द्वारा बुलाई गई राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) भी घटनास्थल की ओर बढ़ रही है।

राहुल गांधी के दावे साबित हुए झूठे

चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर की नियुक्तियां बताती हैं कुछ और ही कहानी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

देश के नए मुख्य सूचना आयुक्त के चयन के लिए बुधवार को चयन समिति की अहम बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल हुए। इस दौरान 8 सूचना आयुक्तों के नामों पर फैसला लिया गया था, जिसमें से कुछ नामों पर नेता विपक्ष राहुल गांधी ने असहमति जताई। हालांकि, इस दौरान राहुल गांधी ने जो तर्क दिए थे, वे पूरी तरह से गलत साबित हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूचना आयुक्तों को चुनने के लिए हुई मीटिंग में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि शॉर्टलिस्ट में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी समुदायों के नाम शामिल नहीं थे। मीडिया के अनुसार, उन्होंने दावा किया कि संवैधानिक और स्वायत्त संस्थानों में नियुक्तियों से एससी, एसटी, ओबीसी, ईबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों को बाहर रखने का एक व्यवस्थित तरीका है। हालांकि, असलियत कुछ और ही है। केंद्रीय सूचना आयोग की स्थापना 2005 में हुई थी। 2005 से 2014 तक, यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान, एससी/एसटी समुदाय के किसी भी व्यक्ति को आयोग के सदस्य या अध्यक्ष के रूप में नियुक्त नहीं किया गया था। यह एनडीए सरकार थी, जिसने 2018 में एसटी समुदाय के सदस्य सुरेश चंद्र को आयोग में नियुक्त किया। गौरतलब है कि हीरालाल समरिया अंतिम मुख्य सूचना आयुक्त थे, जिन्होंने 65 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद 13 सितंबर को अपना पद छोड़ दिया था। 2020 में हीरालाल सामरिया को सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया और 2023 में वह मुख्य सूचना आयुक्त बने। वह अनुसूचित जाति समुदाय से पहले सीआईसी के रूप में चुने गए थे।

राहुल लीडर ऑफ अपोजिशन नहीं, बल्कि लीडर ऑफ पलायन हैं : पूनावाला

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। इस दौरान राहुल गांधी पर पॉलिटिकल प्रोपेगेंडा और भागने का आरोप लगाया। साथ ही विपक्ष और राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगातार लगाए जा रहे आरोपों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों से और खासकर विपक्ष के मित्रों से एक विनम्र आह्वान किया था कि संसद, जिसे हम लोकतंत्र का मंदिर मानते हैं, उसमें ड्रामा को नहीं, डिलीवरी को तरजीह दी जानी चाहिए, व्यवधान को नहीं, चर्चा को तरजीह दी जानी चाहिए, नारे को नहीं, नीति और नीयत को तरजीह दी जानी चाहिए। मुझे लगता है कि इतनी अच्छी सलाह का कोई असर विपक्ष के कई मित्रों पर हुआ ही नहीं है और इसीलिए शीतकालीन सत्र को अगर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से किसी एक चीज के लिए लगातार याद रखा जाएगा, तो उसके लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान शहजाद पूनावाला ने कहा कि एसआईआर को लेकर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चर्चा के दौरान बहस भी जारी है। विपक्ष लगातार सरकार को इस मुद्दे पर घेरने की कोशिश कर रहा है। जब बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह एसआईआर पर विपक्ष को एक-एक सवाल का जवाब दे रहे थे, तो राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी सांसद बहिष्कार करके बाहर चले गए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी के तीन बंदर थे: बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो और बुरा मत सुनो। आज आधुनिक काल में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भी तीन राजनैतिक सांकेतिक बंदर हैं। ये तीन बंदर राहुल गांधी की उस प्रवृत्ति को दर्शाते हैं कि सच मत बोलो, सच मत सुनो और सच मत देखो। उन्होंने कहा कि बुधवार को संसद में जो चुनाव सुधार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई, उसमें राहुल गांधी ने इन्हीं तीन बंदरों का उदाहरण पेश करते हुए बता दिया कि राहुल गांधी न सच सुनने को तैयार थे, राहुल गांधी न सच देखने को तैयार थे और राहुल गांधी न सच बोलने को तैयार थे। शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी शायद सच बोलने और उस पर टिके रहने की फिलॉसफी में विश्वास नहीं करते। इसीलिए उन्होंने एलओपी शब्द को एक नया मतलब दिया है।

उमर खालिद को 29 दिसंबर तक मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (आईएएनएस)। दिल्ली दंगा मामले में जेल में बंद

जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को कड़कड़डूमा कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने गुरुवार को उनकी ओर से दायर उस याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिसमें उन्होंने अपनी बहन के निकाह में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत की मांग की थी। सुनवाई के बाद, अदालत ने खालिद को 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक अंतरिम जमानत प्रदान की है। खालिद की बहन का निकाह 27 दिसंबर को होना है और याचिका में 14 दिसंबर से 29 दिसंबर तक की जमानत अवधि मांगी गई थी। हालांकि, अदालत ने खालिद को 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक की अंतरिम जमानत मंजूर की है। अदालत ने अंतरिम रिहाई के साथ कुछ सख्त शर्तें भी लागू की हैं, जिनमें उमर खालिद सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेंगे, किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेंगे और केवल परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, और करीबी दोस्तों से ही मिल सकेंगे। रिहाई के दौरान खालिद अपने घर पर ही रहेंगे या केवल उन स्थानों पर जा सकेंगे जहां शादी की रस्में और कार्यक्रम आयोजित होंगे।

रास में चुनाव सुधारों पर रोकी गई बहस

सोमवार को फिर से शुरू होगी चर्चा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

राज्यसभा में चुनाव सुधारों पर चल रही बहस गुरुवार को स्थगित कर दी गई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने घोषणा की कि बाकी चर्चा सोमवार को दोपहर 1 बजे होगी। यह फैसला संसद में होने वाली प्रार्थना सभा को देखते हुए लिया गया, जिसके कारण सदस्यों को अपनी बात बीच में ही रोकनी पड़ी। किरेन रिजिजू ने सदन को बताया कि कई सदस्यों ने इस विषय पर पहले ही बात कर ली थी, लेकिन तय समय में बहस पूरी नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि सांसदों को प्रार्थना सभा में हिस्सा लेना है, इसलिए चुनाव सुधारों पर बाकी चर्चा सोमवार को दोपहर 1 बजे होगी और सदस्यों से सोमवार को फिर से इकट्ठा होने का अनुरोध किया। चुनाव सुधारों पर चर्चा शुक्रवार को नहीं होगी, क्योंकि यह दिन प्राइवेट मेंबर्स बिल के लिए तय है। इसके बाद उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने शाम 4 बजे सदन को शुक्रवार तक के लिए संसद को स्थगित कर दिया। चुनाव सुधारों पर बहस मौजूदा सत्र की सबसे गरमागरम चर्चाओं में से एक रही है, जिसमें विपक्षी सांसदों ने मतदाताओं के नाम हटाने, चुनावी सूचियों में पारदर्शिता और चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता पर चिंता जताई है। आप सांसद संजय सिंह, कांग्रेस नेता अजय माकन और जयराम रमेश, और भाजपा सांसदों में सुधांशु त्रिवेदी और जेपी नड्डा ने अपनी राय रखी है और भारत के लोकतंत्र की स्थिति पर बिल्कुल अलग-अलग विचार पेश किए। जहां विपक्षी सदस्यों ने मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से हटाने, मतदान के आंकड़ों में विसंगतियों और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है, वहीं सत्ताधारी पार्टी के सांसदों ने भारत की चुनावी प्रणाली की मजबूती का बचाव किया है और ईवीएम, वोटर आईडी और सीसीटीवी निगरानी जैसे तकनीकी सुरक्षा उपायों का हवाला दिया है। बहस को फिर से शेड्यूल करके, किरेन रिजिजू यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि जिन सदस्यों ने नोटिस दिए थे और अपनी बात रखने की तैयारी की थी, उन्हें अपने विचार पेश करने के लिए पर्याप्त समय मिले। सोमवार के सत्र में और भी गरमागरम बहस होने की उम्मीद है, जिसमें दोनों पक्ष चुनावी निष्पक्षता, सुधारों और संवैधानिक अधिकारियों की भूमिका पर अपने-अपने तर्कों को और मजबूत करेंगे।

'पिछले पांच साल में करीब 9 लाख भारतीयों ने छोड़ी नागरिकता'

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को संसद को जानकारी दी कि पिछले पांच वर्षों में करीब 9 लाख भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी है। विदेशी नागरिकता अपनाने वालों की यह प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि सरकार भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों का वर्षवार रिकॉर्ड रखती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में नागरिकता त्यागने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बताया गया कि 2020 में 85,256; 2021 में 1,63,370; 2022 में 2,25,620; 2023 में 2,16,219 और 2024 में 2,06,378 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी। इसके अलावा, 2011 से 2019 के बीच 11,89,194 भारतीयों ने अपनी नागरिकता त्याग दी। इस अवधि में 2011 में 1,22,819; 2012 में 1,20,923; 2013 में 1,31,405; 2014 में 1,29,328; 2015 में 1,31,489; 2016 में 1,41,603; 2017 में 1,33,049; 2018 में 1,34,561 और 2019 में 1,44,017 लोगों ने नागरिकता छोड़ी। इसी बीच, 2024-25 में विदेशों में रहने वाले भारतीयों से प्राप्त शिकायतों के बारे में पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि विदेश मंत्रालय को कुल 16,127 शिकायतें मिलीं। इनमें से 11,195 शिकायतें 'मदद' पोर्टल और 4,932 शिकायतें सीपीग्राम्स के माध्यम से दर्ज हुईं।

एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान को किया दोषमुक्त

लखनऊ। सेना पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में रामपुर एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को बरी कर दिया। यह फैसला करीब 8 साल बाद आया है। बता दें कि यह मामला भाजपा विधायक आकाश सक्सेना की ओर से 30 जून 2017 को दर्ज कराया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आजम खान ने सेना के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। भाजपा विधायक ने कहा था कि 2017 में आजम खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर के दौरान सेना का मनोबल गिराने और समुदाय आधारित बयान दिया था, जिसके बाद रामपुर के थाना सिविल लाइंस में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसी मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने गवाहों की गवाही और साक्ष्यों के अवलोकन के बाद फैसला सुनाते हुए आजम खान को दोषमुक्त करार दिया है। आजम खान के अधिवक्ता मुरसलीन ने बताया कि इस मामले में कोर्ट में ट्रायल चला, लेकिन वादी पक्ष अपना आरोप साबित नहीं कर पाया।

कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा
(कृषि विभाग)
(अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना)

गढ़वा जिले अन्तर्गत कृषि विभाग, झारखण्ड सरकार एवं केन्द्र सरकार के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं का सफल संचालन हेतु Integrated Nutrient Management (I.N.M) & Intregrated Pest Management (I.P.M) का क्रय किया जाना है। इस हेतु झारखण्ड सरकार अंतर्गत उक्त क्षेत्र में अनुज्ञप्ति धारक एवं निबंधित फर्म से निविदा सूचना प्रकाशन की तिथि से दिनांक 21.12.2025 तक निविदा आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक फर्म/एजेंसी/संस्थान कार्यालय अवधि में निर्धारित तिथि समय 5:00 बजे अप0 तक अपना मुहरबंद निविदा जिला कृषि कार्यालय, गढ़वा में जमा कर सकते है। प्राप्त निविदा को दिनांक 22.12.2025 को समय 3:00 बजे जिला कृषि कार्यालय, गढ़वा में निविदा समिति के सदस्यों के द्वारा खोला जाएगा। निविदा खोलते समय स्वयं अथवा प्राधिकृत प्रतिनिधि का रहना अनिवार्य होगा। निविदा एवं सामग्री की विस्तृत विवरणी जिले के वेबसाईट पर www.garhwa.nic.in, atma garhwa .org.in देखा जा सकता है।

जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा।

PR.NO.368257 Agriculture(25-26):D

उपायुक्त का कार्यालय (जिला बाल संरक्षण इकाई), लातेहार
-:संविदा आधारित नियुक्ति हेतु आम सूचना:-

केन्द्र प्रायोजित मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत किशोर न्याय (बालकों के देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के विभिन्न प्रावधानों का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन के निमित मिशन वात्सल्य योजना के नियमावली के अनुसार निम्नलिखित रिक्त पद के विरूद्ध योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है।

(1) जिला बाल संरक्षण ईकाई (DCPU)

क्र0	पद का नाम	पदों की संख्या	उम्र	मासिक वेतन/मानदेय	शैक्षणिक योग्यता कार्य अनुभव	आवेदन करने की तिथि एवं समय
1	Outreach worker (ORW) Post Code –DCPS 10	01 (अनारक्षित)	21–35 वर्ष	10,592/–	12th pass from a recognized Board/ Equivalent Board Good communication Skills. Weightage for work experience candidate.	दिनांक 10.12.2025 से दिनांक 23.12.2025 अपराह्न 05:00 बजे तक

उपरोक्त निर्धारित अंतिम तिथि तक **"जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण ईकाई, विकास भवन, समाहरणालय, लातेहार पिन – 829206"** के पते पर मात्र निबंधित डाक से आवेदन जमा कर सकते है।

विस्तृत विवरणी लातेहार जिले के आधिकारिक वेबसाईट latehar.nic.in पर देखा जा सकता है।

PR.NO.368245 Social Welfare,Women and Child Development(25-26):D

उपायुक्त, लातेहार।

न्यायालय, उपायुक्त -सह- जिला दण्डाधिकारी, लातेहार

भूमि बिक्री अनुमति वाद संख्या–181/2025

आम इस्तेहार

आवेदक लालमुनी घासी, पिता–स्व0 रामा घासी स्थाई पता–घासी टोला, पो0–सरयू, थाना–गारू, जिला–लातेहार वर्तमान पता–बारेसांढ़ थाना–बारेसांढ़, जिला–लातेहार द्वारा अनुज नायक, पिता–स्व0 लालदेव नायक, ग्राम–मुरूपा, पो0–सरयू, थाना–गारू, जिला–लातेहार के साथ भूमि बिक्री के लिए अनुमति हेतु छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा– 46(1–बी) के अंतर्गत आवेदन पत्र दाखिल किया है।

भूमि का विवरण

मौजा	खाता	प्लॉट	रकबा (एकड़ में)
घासी टोला	90	251	0.10

एतद् द्वारा हर आम व खाश को सूचित किया जाता है कि इस भूमि अंतरण के विरूद्ध किसी को आपत्ति हो, तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में आम–इस्तेहार निर्गत की तिथि से एक पक्ष (15 दिनों) के अंदर आपत्ति दायर कर सकते है। समय सीमा समाप्ति के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी उप समाहर्त्ता,
जिला विधि शाखा, लातेहार

PR 368242 District (25-26)_D

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया बड़ा दावा

'राजद के अंदर जल्द दिखेगा बगावत'

पटना (आईएएनएस)

बिहार विधानसभा चुनाव में राजद के 25 सीटों पर सिमटने के बाद पार्टी के अंदर भी बगावती सुर सुनाई देने लगे हैं। इसी बीच, एनडीए के नेता भी दावा कर रहे हैं कि राजद के अंदर जल्द ही नेतृत्व के खिलाफ बगावत दिखाई देगी। भाजपा के नेता और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने गुरुवार को मीडिया से कहा, "लालू यादव के परिवार में जो बगावत हुई, वह सबने देखी है। बहुत जल्द राजद के अंदर की जो लड़ाई है, वह बाहर दिखेगी। पार्टी में जो असंतोष है, वह बाहर दिखेगा। नेतृत्व के खिलाफ जो बगावत है, वह लोगों के सामने दिखेगी। परिवार में जो बगावत थी, वह तो दिख गई है, पार्टी नेतृत्व के खिलाफ भी बगावत बाहर आने वाली है।" दरअसल, इससे पहले राजद के नेता और लालू यादव के सहयोगी रहे शिवानन्द तिवारी ने सोशल मीडिया पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को शादी की सालगिरह की बधाई देते हुए उनके नेतृत्व पर भी सवाल उठा दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ''तेजस्वी, तुमने तो मैदान ही छोड़ दिया। तुम तो दो दिन भी नहीं टिक पाए। अपने सहयोगियों और समर्थकों का मन छोटा कर दिया। संजय यादव और जगदानंद सिंह ने तेजस्वी यादव की आंखों पर पट्टी बांध दी थी।

चुनाव आयोग का फैसला

यूपी और एमपी समेत छह राज्यों में एसआईआर की तारीख बढ़ी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

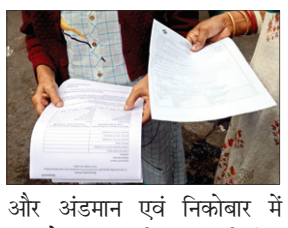

निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को छह राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यक्रम में बदलाव किया है। बता दें कि ईसीआई संबंधित राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर आयोग ने नए शेड्यूल को मंजूरी देते हुए संशोधित तिथियां जारी की हैं। यह पुनरीक्षण 1 जनवरी 2026 को रेफरेंस तिथि मानकर किया जा रहा है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार तमिलनाडु और गुजरात में एन्यूमरेशन अवधि अब 14 दिसंबर 2025 तक (रविवार) रहेगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 19 दिसंबर 2025 (शुक्रवार) को प्रकाशित होगी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार में एन्यूमरेशन अवधि 18 दिसंबर 2025 (गुरुवार) तक बढ़ाई गई है और इन तीनों के लिए ड्राफ्ट सूची 23 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को जारी की जाएगी। वहीं, उत्तर प्रदेश में एन्यूमरेशन अवधि 26 दिसंबर 2025 (शुक्रवार) तक बढ़ाई गई है और ड्राफ्ट मतदाता सूची 31 दिसंबर 2025 (बुधवार) को प्रकाशित की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने बताया कि इससे पहले संशोधित कार्यक्रम में एन्यूमरेशन अवधि 11 दिसंबर 2025 तक थी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को जारी की जानी थी। इसके साथ ही, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एन्यूमरेशन अवधि आज यानी 11 दिसंबर को समाप्त हो रही है। इन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। केरल के लिए कार्यक्रम पहले ही बदला जा चुका है। यहां एन्यूमरेशन अवधि 18 दिसंबर 2025 को समाप्त होगी और ड्राफ्ट सूची 23 दिसंबर 2025 को जारी की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए, इसके लिए नए मतदाताओं को फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र भरकर बीएलओ को जमा कराने या फिर ईसीआई नेट या ऐप/पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अंतिम मतदाता सूची फरवरी 2026 में प्रकाशित की जाएगी।

गंगोत्री नेशनल पार्क में कड़ाके की ठंड, बर्फ में तब्दील हुआ पानी

गंगोत्री (आईएएनएस)। गंगोत्री नेशनल पार्क में इन दिनों कड़ाके की ठंड का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे वहां के ऊपरी इलाकों में पानी जमकर बर्फ में बदल चुका है। गंगोत्री धाम, चीड़वासा और कनखू बैरियर जैसे ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फ की मोटी परत जम गई है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और पार्क कर्मियों के लिए पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इन क्षेत्रों के लोग और वनकर्मी जमे हुए पानी को गर्म करके पीने और अन्य उपयोगों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इस बर्फबारी के कारण निचले इलाकों में भी सर्दी का असर बढ़ गया है। ऊपरी हिमालय में बर्फबारी के बाद तापमान में आई गिरावट ने इन क्षेत्रों को और भी ठंडा बना दिया है।

ममता बनर्जी का बीजेपी पर तीखा वार

प. बंगाल-यूपी नहीं है, यहां ऐसा नहीं होने दिया जाएगा

एजेंसी

प. बंगाल। ममता बनर्जी ने गीता पाठ के दौरान मांसाहारी विक्रेताओं पर हुए हमले की निंदा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में ऐसी धमकियां स्वीकार्य नहीं हैं और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने भाजपा पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि धर्म का अर्थ पालन करना है, विभाजन करना नहीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में हाल ही में हुए गीता पाठ कार्यक्रम में दो ठेलेवालों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि राज्य में इस तरह की धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नदिया जिले के कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह पश्चिम बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं। उन्होंने ठेले बेचने वालों को पीटा... हमने कल रात सभी को गिरफ्तार कर लिया। बनर्जी ने भाजपा पर राज्य में सांप्रदायिक विभाजन की संस्कृति फैलाने का आरोप लगाया। भगवा पार्टी पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि मैं सांप्रदायिक विभाजन में विश्वास नहीं करती। मैं सभी धर्मों के साथ चलना चाहती हूं। गीता पाठ के लिए सार्वजनिक सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है? जो लोग ईश्वर से प्रार्थना करते हैं या अल्लाह से आशीर्वाद मांगते हैं, वे अपने हृदय में ऐसा करते हैं। धार्मिक ग्रंथों का राजनीतिक लामबंदी के लिए इस्तेमाल करने वालों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मैं उन लोगों से पूछना चाहती हूं जो लगातार 'गीता, गीता' जपते रहते हैं - श्री कृष्ण ने धर्म के बारे में क्या कहा था? धर्म का अर्थ है पालन करना, विभाजन करना नहीं। वे पश्चिम बंगाल को नष्ट करना चाहते हैं। वे राज्य पर कब्जा करना चाहते हैं और लोगों को बंगाली बोलने से रोकना चाहते हैं। हम सभी गीता पढ़ते और सुनाते हैं। इसके लिए सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है? कोलकाता पुलिस ने बुधवार रात को तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने 7 दिसंबर को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित 'पांच लोक्खो कोंठ गीता पाठ' के दौरान दो खाद्य विक्रेताओं पर हमला किया था।

न्यायालय, उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी, लातेहार।
भूमि बिक्री अनुमति वाद संख्या–182/2025
आम इस्तेहार

आवेदक मतलु राम पिता–स्व0 भागो महरा उर्फ भोन्दा राम ग्राम–भगिया, पो0–मुरपा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार द्वारा मिना देवी पिता–बलराम मोची, ग्राम–भगिया, पो0–मुरपा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार के साथ भूमि बिक्री के लिए अनुमति हेतु छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा– 46(1–बी) के अंतर्गत आवेदन पत्र दाखिल किया है।

भूमि का विवरण

मौजा	खाता	प्लॉट	रकबा (एकड़ में)
भगिया	106	391	0.30

एतद् द्वारा हर आम व खाश को सूचित किया जाता है कि इस भूमि अंतरण के विरूद्ध किसी को आपत्ति हो, तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में आम–इस्तेहार निर्गत की तिथि से एक पक्ष (15 दिनों) के अंदर आपत्ति दायर कर सकते है। समय सीमा समाप्ति के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी उप समाहर्त्ता,
जिला विधि शाखा, लातेहार।

PR 368241 District(25-26)D

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष तेज सीमा पर हिंसा से बढ़ा तनाव

यूनेस्को ने कहा- प्राचीन हिंदू मंदिर की सुरक्षा जरुरी

एजेंसी । सूरीन (थाईलैंड)

थाईलैंड और कंबोडिया में संघर्ष लगातार भीषण होता जा रहा है। दोनों पक्षों में संघर्ष के दौरान पहली बार नागरिकों की मौत का आधिकारिक आंकड़ा सामने आया है। थाईलैंड की सेना ने गुरुवार को कहा कि कंबोडिया के साथ सीमा पर भारी लड़ाई जारी रहने के बीच तीन थाई नागरिक मारे गए हैं। जबकि 9 सैनिकों की मौत हुई है। वहीं कंबोडिया ने भी 9 लोगों की मौत की पुष्टि की है। यह लड़ाई फिर शुरू होने के बाद थाईलैंड में नागरिकों की पहली मौतें हैं। ताज़ा बड़े पैमाने की लड़ाई की शुरुआत रविवार को उस झड़प से हुई जिसमें दो थाई सैनिक घायल हो गए थे और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जुलाई में पांच दिन की लड़ाई खत्म कराने के लिए लागू कराई गई युद्धविराम व्यवस्था पटरी से उतर गई थी। दोनों पक्षों में यह विवाद सदियों पुराने क्षेत्रीय दावों को लेकर है। नवीनतम लड़ाई में अब तक करीब दो दर्जन लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि सीमा के दोनों तरफ सैकड़ों-हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं और अस्थायी आश्रयों या रिश्तेदारों के पास चले गए हैं। थाई सेना के एक बयान में कहा गया है कि बुधवार रात को कंबोडिया ने तोपखाने और मोर्टार से थाई चौकियों पर हमला किया, जिसके जवाब में थाई सेना ने भी उसी तरह के भारी हथियारों का इस्तेमाल किया और "दुश्मन के ट्रकों को नष्ट कर दिया।

थाईलैंड-कंबोडिया युद्ध दोबारा शुरु होने पर आया ट्रंप का बयान

थाईलैंड-कंबोडिया युद्ध दोबारा शुरु होने पर ट्रंप का पहला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को फिर युद्धविराम के लिए मनाऊंगा। जुलाई वाले मूल युद्धविराम में मलेशिया ने मध्यस्थता की थी और ट्रंप के दबाव में लागू हुआ था। अक्टूबर में मलेशिया में हुए क्षेत्रीय सम्मेलन में इसे और विस्तार से औपचारिक रुप दिया गया था। युद्धविराम के बावजूद दोनों देशों ने कटु प्रचार युद्ध जारी रखा और सीमा पर छोटी-मोटी हिंसा होती रही। कंबोडिया ने शिकायत की कि थाईलैंड ने युद्धविराम लागू होने के समय पकड़े गए उसके 18 सैनिकों को वापस नहीं किया। वहीं थाईलैंड ने विरोध जताया जब उसकी सीमा पर गश्त कर रहे सैनिकों को नवीन स्थापित बारूदी सुरंगों से चोट लगी।

तोपों से बरसाए जा रहे गोले

कंबोडिया का सरकारी रुख दर्शाने वाला ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल 'फ्रेश न्यूज़' ने बताया कि गुरुवार सुबह भी तोपखाने की द्वंद्वयुद्ध जारी था। इस लड़ाई ने अंतरराष्ट्रीय चिंताएं बढ़ा दी हैं। पोप लियो XIV ने बुधवार को वेटिकन में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वे "नवीनीकृत संघर्ष की खबर से गहरी उदासी महसूस कर रहे हैं।

ट्रंप के चावल टैरिफ खतरे

भारत का बासमती निर्यात मजबूत अमेरिकी उपभोक्ताओं को होगा नुकसान

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर चावल "डंपिंग" का आरोप लगाया है और अमेरिकी बाजार में भारतीय चावल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता फिर से जारी है। इस बीच अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि सस्ते आयात से अमेरिकी किसानों को नुकसान हो रहा है, जबकि कई विशेषज्ञ इसे राजनीतिक बयान ही मानते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि भारत "डंपिंग" कर रहा है — यानी स्थानीय कीमत से कम दाम पर चावल अमेरिका में बेच रहा है और इसके लिए भारी टैरिफ देना चाहिए। हालांकि, निर्यात विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह आरोप साक्ष्य आधारित नहीं है। वे कहते हैं कि भारतीय बासमती का बाजार एक प्रीमियम निचे (niche) सेगमेंट है, जिसकी मांग भारतीय व्यंजनों के प्रेमियों द्वारा की जाती है और यह अमेरिकी चावल से प्रतिस्पर्धा नहीं करता। अमेरिका पहले से ही भारतीय चावल पर लगभग 50% प्रभावी टैरिफ लगा चुका है — यह रेसिप्रोकल टैरिफ 25% से बढ़ाया गया है, जो अप्रैल से लागू है। अगर अतिरिक्त टैरिफ भी लागू हुआ, तो इसका बोझ मुख्यतः अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा न कि भारतीय किसानों पर।

डंपिंग का आरोप: सच्चाई क्या है?

विशेषज्ञों के अनुसार भारत डंपिंग नहीं कर रहा है। अमेरिका में भारत का निर्यात बहुत छोटा है और उसका लक्ष्य विशेष उपभोक्ता समूह (भारतवंशी समुदाय) है। 2024-25 में भारत ने अमेरिका को लगभग 2.7 लाख टन बासमती और 0.6 लाख टन नॉन-बासमती चावल निर्यात किया, जिसका मूल्य लगभग US$392 मिलियन था — यह भारत के कुल चावल निर्यात का केवल लगभग 3% हिस्सा है। यह निर्यात पहले से ही भारी टैरिफ के तहत हो रहा है, लेकिन अमेरिकी उपभोक्ताओं की मांग स्थिर बनी हुई है और निर्यातक भी यह कह रहे हैं कि यह "भारी टैरिफ एक बड़ी चिंता नहीं है" क्योंकि दुनिया भर में भारत के पास अन्य मजबूत बाजार भी हैं।

भारत के बासमती निर्यात की मजबूती

भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है और वैश्विक बाजार में लगभग 40% हिस्सेदारी रखता है। यह 170 से अधिक देशों को चावल भेजता है और बासमती की खासियत की वजह से प्रीमियम प्राइस प्राप्त करता है। विशेषत: बासमती चावल की गुणवत्ता, खुशबू और स्वाद ने इसे अमेरिकी उपभोक्ता मंडी में मजबूती से स्थापित किया है। अमेरिकी खुदरा बाजार में यह आम चावल से अलग एक प्रीमियम प्रोडक्ट है और इसकी कोई सटीक स्थानीय प्रतिस्पर्धा नहीं है।

अमेरिकी बाजार व उपभोक्ता प्रभाव : यदि अमेरिका टैरिफ बढ़ाता है, तो इसका मुख्य प्रभाव अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में वृद्धि के रूप में दिखाई देगा। बासमती चावल पहले से महंगा प्रोडक्ट है और टैरिफ बढ़ने पर इसका मूल्य और ऊपर जाएगा। इससे अमेरिकी परिवारों को अधिक खर्च करना पड़ेगा, खासकर भारतीय व्यंजनों के शौकीनों को।अमेरिकी किसानों पर इसका असर अपेक्षाकृत कम होगा क्योंकि भारतीय बासमती मुख्य रूप से प्रीमियम सेगमेंट है और अमेरिकी किसान इसके सीधे प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। इसलिए ट्रंप का आरोप व तर्क कई विश्लेषकों और निर्यातकों के हिसाब से कमजोर लगता है। ऐसे में भारतीय चावल पर ट्रंप की टैरिफ धमकी से भारत के किसानों को सीधे गंभीर नुकसान होने की संभावना कम है। भारत के निर्यातक इसके बजाय अन्य बाजारों में व्यापार को बढ़ा रहे हैं और अमेरिका के बाहर भी मांग मजबूत है। सबसे बड़ा प्रभाव अमेरिकी उपभोक्ताओं पर होगा, जिनको बासमती चावल के लिए अधिक भुगतान करना होगा।

भगवान हनुमान को झूठा देवता कहने वाले अमेरिकी उम्मीदवार फेल

कहा था- झूठी मूर्ति क्यों लगने दे रहे

एजेंसी । टेक्सास

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के नेता और टेक्सास सांसद उम्मीदवार अलेक्जेंडर डंकन का चुनावी सफर शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया। उन्हें प्राइमरी चुनाव में जगह बनाने के लिए जरूरी समर्थन नहीं मिल सका। अब टेक्सास में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से प्राइमरी उम्मीदवार बनने के लिए 3 उम्मीदवार रेस में हैं। टेक्सास में 3 मार्च 2026 को प्राइमरी चुनाव होने हैं। डंकन सुर्खियों में तब आए थे जब उन्होंने सितंबर में टेक्सास के शुगर लैंड स्थित श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में लगी 90 फीट ऊंचे भगवान हनुमान को 'झूठे भगवान की झूठी प्रतिमा' कहा था। डंकन के इस बयान से हिंदू समुदाय में भारी आक्रोश फैल

गया था। हजारों लोगों ने डंकन पर धार्मिक असहिष्णुता और हिंदू-विरोधी नफरत फैलाने का आरोप लगाया था।

डंकन को पार्टी से निकालने की मांग : हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने टेक्सास रिपब्लिकन पार्टी से डंकन के खिलाफ कार्रवाई करने और उन्हें पार्टी से निकालने की मांग की थी। संगठन ने कहा कि डंकन का बयान पार्टी के खुद के भेदभाव-विरोधी नियमों का उल्लंघन है।

नाटो प्रमुख ने रूस के बढ़ते खतरे से सदस्य देशों को किया आगाह

बर्लिन । नाटो के महासचिव मार्क रूटे ने मंगलवार को यूरोप में रूस के बढ़ते खतरे को लेकर कड़ी चेतावनी जारी करते हुए सदस्य देशों से तुरंत रक्षा तैयारियां बढ़ाने की अपील की। रूटे ने कहा कि कई सदस्य देश अब भी खतरे की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं, जबकि रूस यूरोप के लिए प्रत्यक्ष चुनौती बन चुका है। बर्लिन में दिए गए अपने संबोधन में रूटे ने कहा कि रूस की मंशा बेहद स्पष्ट है और यदि सहयोगी देशों ने तेजी नहीं दिखाई, तो आने वाले वर्षों में हालात बीते युग जैसे भयावह संघर्ष की ओर बढ़ सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि "हम रूस का अगला निशाना हैं और समय हमारे पक्ष में नहीं है।" उन्होंने आगाह किया कि यह मान लेना खतरनाक होगा कि यूरोप के पास अधिक समय है। उन्होंने कहा, "बहुत से लोग खतरे को कम आंक रहे हैं।

मेक्सिको ने भारत सहित अनेक देशों पर 50% टैरिफ घोषित किया

नए टैरिफ नियमों से वैश्विक व्यापार संबंधों में तनाव

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिका ने टैरिफ लागू करने के फैसले के साथ ही दुनिया में तहलका मचा दिया था। अब इसी राह पर मेक्सिको भी बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। मेक्सिको ने भारत और चीन समेत एशियाई देशों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। मेक्सिको के सीनेट में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है और इसे अगले साल 2026 में लागू किया जाएगा। इस फैसले का ज्यादा असर चीन, भारत, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया पर पड़ने वाला है। इन देशों के साथ मेक्सिको का कोई व्यापार समझौता नहीं है। ऐसे में इन देशों पर इसका ज्यादा असर पड़ने वाला है। प्रस्ताव के अनुसार 50 फीसदी टैरिफ के अलावा कई सामानों पर 35 फीसदी शुल्क तक बढ़ाया जा रहा है।

इस प्रस्ताव के समर्थन में सीनेट में 76 और विरोध में 5 वोट पड़े। वहीं, 35 अनुपस्थित वोटों के साथ इसे पारित भी कर दिया गया। मेक्सिको सरकार के इस फैसले का व्यापार समूहों ने जमकर विरोध किया है। 2026 से ऑटो, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल, कपड़े, प्लास्टिक और स्टील जैसे सामानों पर 50 फीसदी शुल्क लागू होंगे। भारत मेक्सिको को गाड़ियां, मोटरसाइकिल, ऑटोमोबाइल के पुर्जे, बिजली के सामान, मशीनें, आर्गेनिक केमिकल, एल्युमिनियम, दवाइयां, कपड़ा, और रत्न एवं आभूषण निर्यात करता है।

रोबोटैक्सी तकनीक की बड़ी सफलता, सफर में जन्मे नवजात को अस्पताल ले गई एआई कार

एजेंसी । सैन फ्रांसिस्को

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में ड्राइवरलेस वेमो रोबो टैक्सी ने बड़ा कमाल कर दिया है। वेमो ने एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने और कार में ही बच्चे को जन्म देने के बाद इमरजेंसी को भांपकर खुद के सेंस से उसे अस्पताल पहुंचा दिया। रोबो टैक्सी के इस कमाल ने सबको हैरान कर दिया है।

सैन फ्रांसिस्को में चलती हैं ड्राइवरलेस वेमो टैक्सियां : सैन फ्रांसिस्को में चलने वाली बिना ड्राइवर वाली वेमो की सेल्फ-ड्राइविंग टैक्सियां अब तक ज्यादातर नकारात्मक वजहों से वायरल हुई थीं। वह कभी सैन फ्रांसिस्को की मशहूर बोडेगा बिल्ली की मौत का कारण बनीं, तो कभी पुलिस के सामने अवैध यू-टर्न मारकर भाग गईं, क्योंकि टिकट

काटने के लिए ड्राइवर ही नहीं था। लेकिन इस हफ्ते वेमो खुशखबरी लेकर आई। सैन फ्रांसिस्को की एक महिला ने सोमवार को वेमो रोबोटैक्सी के अंदर ही बच्चे को जन्म दे दिया। महिला यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सैन फ्रांसिस्को (UCSF) मेडिकल सेंटर जा रही थीं, तभी उनके प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और बच्चा गाड़ी में ही पैदा हो गया।

रोबो टैक्सी ने खुद पहुंचा दिया महिला को अस्पताल

वेमो के प्रवक्ता ने बुधवार को बयान में कहा कि कंपनी की राइडर सपोर्ट टीम ने गाड़ी के अंदर "अनियमित गतिविधि़फ़ का पता लगाया और तुरंत महिला से संपर्क किया साथ ही 911 (इमरजेंसी) को भी अलर्ट कर दिया। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के स्वामित्व वाली वेमो ने यह नहीं बताया कि गाड़ी को कैसे पता चला कि कुछ गड़बड़ है, लेकिन कंपनी ने स्वीकार किया कि उसके वाहनों में अंदर-बाहर कैमरे और माइक्रोफोन लगे होते हैं। मगर बाद में पता चला कि रोबोटैक्सी अपने आप मां और नवजात को एमरजेंसी सर्विस से पहले ही अस्पताल पहुंचा चुकी थी।

ऋतिक रोशन को पसंद आई 'धुरंधर'

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम रखे हुए है और पहले ही हफ्ते में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा आसानी से पार कर चुकी है। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस जासूसी थ्रिलर को इसकी दिलचस्प कहानी और दमदार अभिनय के लिए फिल्म जगत के कई लोगों से सराहना मिल रही है। अब ऋतिक रोशन ने भी फिल्म की संतुलित और विचारपूर्ण समीक्षा अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की है। सिनेमा के प्रति अपने पारखी नज़रिए के लिए मशहूर अभिनेता ऋतिक ने 'धुरंधर' देखने के बाद अपने विचार साझा किए। उन्होंने लिखा कि मुझे सिनेमा से प्यार है, मुझे ऐसे लोग पसंद हैं जो कहानी में पूरी तरह डूब जाते हैं और उसे अपने वश में कर लेते हैं, जब तक कि उनका सारा जज़्बा पर्दे पर न उतर जाए। 'धुरंधर' इसका एक उदाहरण है। मुझे इसकी कहानी कहने का अंदाज़ बहुत पसंद आया। यही तो सिनेमा है। एक दुर्लभ और बेबाक बयान में ऋतिक ने यह भी स्वीकार किया कि भले ही वे फिल्म के राजनीतिक रुख से सहमत न हों, लेकिन वे इसकी सिनेमाई प्रतिभा को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, "मैं इसकी राजनीति से असहमत हो सकता हूँ।

नेपाल में चीन के लोन से बना पोखरा एयरपोर्ट फेल, भ्रष्टाचार हुआ, टूरिस्ट भी नहीं आए, चीनी कंपनी समेत 55 लोगों पर केस

एजेंसी । काठमांडू

नेपाल में पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। 2012 में 620 करोड़ रुपए अनुमानित लागत वाला यह प्रोजेक्ट 892 करोड़ तक पहुंच गया। जांच के बाद नेपाल की कमिशन फॉर इन्वेस्टिगेशन ऑफ एब्यूज ऑफ अथॉरिटी ने 5 पूर्व मंत्रियों, 10 पूर्व सचिवों सहित कुल 55 लोगों और चीनी कंपनी चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। एयरपोर्ट 2023 में शुरू हुआ, लेकिन ढाई साल में यहां सिर्फ 45 इंटरनेशनल फ्लाइट्स आईं और करीब 3,000 यात्री पहुंचे, जबकि इसे पश्चिमी नेपाल का अंतरराष्ट्रीय पर्यटन हब घोषित किया गया था। पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को कभी नेपाल के "गेटवे ऑफ वर्ल्ड" के रूप में पेश किया गया था। दावा किया गया था कि यह पश्चिमी नेपाल का अंतरराष्ट्रीय पर्यटन हब बनेगा और टूरिस्ट बढ़ेंगे। संचालन के ढाई साल बाद यहां सिर्फ 45 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें दर्ज की गईं। यात्रियों की संख्या सिर्फ 3,000 रही। हिमालयन एयरलाइंस और सिचुआन एयरलाइंस ने कुछ टेस्ट फ्लाइट्स चलाईं, लेकिन नियमित सेवा नहीं चल सकीं। पोखरा एयरपोर्ट प्रोजेक्ट चीन के एग्जिम बैंक से लोन लेकर बनाई गई थी और इसे नेपाल की पर्यटन क्षमता दोगुनी करने वाला प्रोजेक्ट बताया गया था।

चीन के बैंक ने दिया था लोन, टूरिस्ट दोगुने होने का दावा था : नेपाल की कमिशन फॉर इंवेस्टिगेशन ऑफ एब्यूज ऑफ अथोरिटी (सीआईएए) ने पोखरा एयरपोर्ट के निर्माण में भारी अनियमितताओं का खुलासा करते हुए 5 पूर्व मंत्रियों, 10 पूर्व सचिवों और कुल 55 व्यक्तियों तथा चीनी कंपनी चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है।

एक पुराने मामले में इमरान खान की बहन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

एजेंसी । रावलपिंडी

पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पीटीआई संस्थापक इमरान खान की

बहन अलीमा खान को दो साल पुराने डी- चौक मामले में एंटी टेररिज्म कोर्ट ने अवमानना नोटिस के साथ जमानती अरेस्ट वारंट जारी किया है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, रावलपिंडी आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) के जज अमजद अली शाह ने 80,000 का जुर्माना न भरने पर अवमानना नोटिस जारी किया। गुरुवार को कोर्ट में देर से पेश होने पर अलीमा खान के खिलाफ जमानती अरेस्ट वारंट भी जारी किया। कोर्ट ने उनके बेल बॉन्ड से 20 लाख रुपए जब्त करने की अभियोजक की प्रार्थना स्वीकार कर ली और रकम वसूली के लिए उनके गारंटर को नोटिस भेजा गया।

बांग्लादेश में 12 फरवरी से आम चुनाव मुख्य चुनाव आयुक्त ने किया ऐलान

एजेंसी । नई दिल्ली

बांग्लादेश में 12 फरवरी को नई संसद के चुनाव के लिए मतदान होगा। देश के चुनाव आयोग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पिछले साल छात्रों के हिंसक विद्रोह के बाद, जिसके चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत भागना पड़ा था, यह पहला राष्ट्रीय चुनाव है।

नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम प्रशासन 173 मिलियन लोगों वाले मुस्लिम बहुल देश पर शासन कर रहा है, लेकिन सुधारों में देरी को लेकर बढ़ते असंतोष से जूझ रहा है, जिससे नए विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक विभाजन को बढ़ावा मिल रहा है।

चाय बगान क्षेत्र के परिवारों की फरियाद लेकर हेमंत सोरेन तक पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

असम में रह रहे आदिवासियों के हक व अधिकार के लिए करेंगे पहल : सीएम

● आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए हमारी सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को झारखंड विधान सभा में आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने असम में रहने वाले आदिवासी समुदाय के विभिन्न समस्याओं एवं उनकी वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री के समक्ष प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने कहा कि आदिवासी समुदायों के प्रति असम सरकार की उदासीनता से समाज की दुर्दशा हुई है। असम में निवास कर रहे आदिवासी समाज यहां हर क्षेत्र में निरंतर पिछड़ रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उन्हें भरोसा दिलाया कि झारखंड सरकार असम में रह रहे आदिवासी समुदायों को उनका हक-अधिकार एवं पहचान की संरक्षा के लिए सकारात्मक पहल करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए हमारी सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

मजदूरों को एसटी दर्जा व भूमि समस्या समाधान का आश्वासन

मुख्यमंत्री ने असम के चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासियों को एसटी का दर्जा दिलाने की बात को दोहराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासी समुदायों के लोगों के दैनिक वेतन में वृद्धि हो सके इस निमित्त हमारी सरकार सकारात्मक पहल करेगी तथा वहां रह रहे आदिवासियों के भूमि संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए भी कदम आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में रह रहे आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए हम तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ कदम से कदम मिलाकर उनके साथ सदैव खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से कहा कि जल्द झारखंड सरकार का एक डेलिगेशन असम में रह रहे आदिवासियों की वर्तमान स्थिति से अवगत होने असम दौरे पर जाएगा। विदित हो कि अंग्रेजी शासन के दौरान झारखंड से आदिवासी समाज के परिवारों को ले जाकर असम में बसाया गया था एवं वर्तमान ने उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार हो रहा है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी से उनका नेतृत्व करने का आग्रह किया जिससे कि उनकी आवाज को केंद्र एवं राज्य सरकार तक पहुंचाया जा सके। मौके पर अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा, आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) के जीतेन केरकेट्टा, बिरसा मुंडा, तरुण मुंडा, गणेश, अजीत पूर्ति, राजेश भूरी, बाबूलाल मुंडा, मंगल हेंब्रम सहित अन्य उपस्थित रहे।

गिरिडीह सांसद ने केंद्रीय कोयला मंत्री से की मुलाकात, कहा

पूर्णकालिक अधिकरण नहीं बनने से विस्थापितों के साथ नहीं हो रहा न्याय

● केंदुआडीह में गैस रिसाव की ओर भी ध्यान कराया आकृष्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी से मिलकर झारखंड में पूर्णकालिक अधिकरण के गठन की वकालत की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री का केंदुआडीह व आसपास क्षेत्रों में हो रहे जहरीले गैस रिसाव, विस्थापन व पुनर्वास को लेकर भी ध्यान आकृष्ट कराया। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने केंद्रीय मंत्री से कहा कि पूर्णकालिक अधिकरण के गठन नहीं होने से कोयला क्षेत्र की समस्याएं बनी हुई है। विस्थापितों के साथ न्याय नहीं हो पा रहा है।

लंबे समय से पूर्णकालिक अधिकरण की मांग की जा रही है। देश के कई राज्यों में पूर्णकालिक अधिकरण का गठन हो चुका है, मगर झारखंड में ऐसा नहीं नहीं हो सका है। पूर्णकालिक अधिकरण नहीं होने की वजह से विस्थापित दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि इस मांग की पूर्ति की जानी आवश्यक है। उन्होंने केंदुआडीह आसपास के क्षेत्रों में हो रही जहरीली गैस रिसाव की चर्चा करते हुए कहा की दुर्घटनाएं भी हो रही है।

चाईबासा में आदिवासियों पर हुई लाठीचार्ज की उच्चस्तरीय जांच हो : आदित्य साहू

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के साथ दुर्व्यवहार करने वाले उपायुक्त पर भी हो कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने राज्य सभा में शून्यकाल के दौरान विगत दिनों चाईबासा में नो इंट्री लागू करने की मांग करने वाले आदिवासी भाइयों पर हुए लाठी चार्ज,आंसू गैस छोड़े जाने, निर्दोषों को जेल भेजे जाने, अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज किए जाने और पूर्व मुख्यमंत्री के साथ उपायुक्त के द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने के मामले को उठाया।जांच की मांग की।

श्री साहू ने कहा कि विगत 27 अक्टूबर को चाईबासा में पोखरिया टाटा बायपास रोड पर दिन में भारी ओवरलोडेड वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे। दो वर्षों में यहां लगभग 200 लोगों की जान भारी वाहनों से कुचलकर हो गई है। यह इलाका आदिवासी बहुल इलाका है। वाहनों से परेशान सैकड़ों स्थानीय स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर भारी वाहनों का दिन में परिचालन नहीं होने की मांग की,धरने पर भी बैठे लेकिन वहां के स्थानीय विधायक और राज्य के परिवहन मंत्री ने लोगों से बात करना भी उचित नहीं समझा। न कोई पदाधिकारी आकर बातों को सुना। हद तो तब हो गई जब रात के अंधेरे में कांग्रेस पार्टी समर्थित झामुमो की सरकार ने धरना पर बैठे लोगों पर सूर्यास्त के बाद रात के अंधेर में लाठीचार्ज करवाया, आंसू गैस के गोले छोड़े गए। ऐसे में कांग्रेस पार्टी का पुराना चरित्र जो आदिवासी, दलित पिछड़ा विरोध का रहा है उजागर हुआ।

कहा कि इतना ही नहीं पुलिस प्रशासन ने 75 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया।10 पुरुष और 7 महिलाओं को रात में गिरफ्तार किया गया। 500 से अधिक अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया।

कहा कि इतना ही नहीं जब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा उपायुक्त के पास घटना के बाद प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्ञापन सौंपने जाते हैं तो वहां भी एक गरीब आदिवासी का बेटा पूर्व मुख्यमंत्री जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।

कहा कि आखिर पदाधिकारियों का इतना मनोबल किसने बढ़ाया। ये राज्य को लूटने और गोरखधंधा करने वाले लोग हैं।

आजसू नेता सतीश चंद्रवंशी के निधन पर सुदेश महतो समेत कई ने शोक जताया

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार चन्द्रवंशी के निधन पर पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने शोक व्यक्त किया है। उनका देहांत कल देर रात हो गया। वह कुछ दिनों से एम्स पटना में इलाजरत थे। अंतिम संस्कार मेदिनीनगर के बेलवाटिका स्थित श्मशान घाट पर किया गया। आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, भाजपा के डाल्टेनगंज विधायक आलोक चौरसिया, आजसू विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर विजय मेहता, बिकेश शुक्ल, उमेश उरांव सहित कई नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की।

विस का चतुर्थ शीतकालीन सत्र संपन्न, स्पीकर ने कहा

सदन में सकारात्मक संवाद की परंपरा को और मजबूत करें

नवीन मेल संवाददाता

हम-सब मिलकर सदन की गरिमा, शालीनता और सकारात्मक संवाद की परंपरा को और मजबूत करें।

रांची। झारखंड विधानसभा का चतुर्थ शीतकालीन सत्र गुरुवार को संपन्न हुआ। 6 दिसंबर से 11 दिसंबर तक चले इस सत्र के समापन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने विस्तृत रूप से सत्र की कार्यवाही और उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण विधायी एवं वित्तीय कार्य संपादित किए। उन्होंने शीत सत्र के दौरान सदन में हुई कुछ घटनाओं की ओर भी सदस्यों का ध्यान आकर्षित कराया। कहा- कई बार तीखी राजनीतिक बहसों के बीच कुछ कठोर या असंगत शब्दों का प्रयोग हुआ, जो हमारी संसदीय मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता।

लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन विचारों की कठोरता, भाषा की कठोरता में परिवर्तित न हो। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस सत्र में हुई चर्चाएं, प्रश्नोत्तर, ध्यानाकर्षण सूचनाएं, संकल्प तथा विभिन्न विधायी प्रक्रियाएं झारखंड के विकास, को गति देने में निश्चित रूप से सहायक होंगी। उन्होंने सदस्यों से कहा कि इस सत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सरकार की ओर से प्रस्तुत द्वितीय अनुपूरक बजट का पारित होना रही। इस अनुपूरक बजट में महिला एवं बाल विकास विभाग को पर्याप्त प्राथमिकता दी गई है। यह निर्णय राज्य सरकार की सामाजिक-न्याय, पोषण, महिला-सशक्तिकरण और बाल अधिकारों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। 301 प्रश्न स्वीकार किए गए स्पीकर ने कहा कि सत्र के दौरान कुल 301 प्रश्न स्वीकार किए गए, जिनमें से 121 अल्पसूचित, 148 तारांकित और 32 अतारांकित प्रश्न शामिल रहे। इनमें से अल्पसूचित 118 तथा तारांकित 147 प्रश्नों के उत्तर विभागों से प्राप्त हुए। अल्पसूचित 03, तारांकित 01 तथा अतारांकित 32 प्रश्नों के उत्तर विभागों के पास लंबित हैं। इस सत्र में कुल 129 शून्यकाल प्राप्त हुए, जिसमें से 94 सदन में पढ़ी गई। प्रश्नों के माध्यम से जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से सदन के समक्ष रखा गया। स्पीकर ने कहा सत्र के दौरान कुल 42 ध्यानाकर्षण सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 20 स्वीकृत हो पायीं, 12 का उत्तर सदन में प्राप्त, 01 सूचना अप्रस्तुत और 07 सूचनाएं प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति को सुपुर्द की जाएंगी।

पृष्ठ एक के शेष

झारखंड 25 साल का हो गया है...

पता नहीं किस नक्षत्र में केंद्र में बनी सरकार : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहा कि 2014 से आजतक के कार्यकाल में कभी मंदिर तो कभी मस्जिद, कभी रेल तो कभी हवाई जहाज दुर्घटना। लाखों लोग मर रहे हैं। ना जाने किस नक्षत्र में राजपाट संभाला है। हाल में पता चला कि कोविड वैक्सीन की वजह से बीमारियां तेजी से फैली हैं। ये अनुसंधान का विषय है। ये वैक्सीन सही था या नहीं। कोई अपंग पैदा हो रहा है। कोई हार्ट अटैक से मर रहा है। किसी को कैंसर हो रहा है। इससे साफ है कि हड़बड़ी में जिस तरह से देश की दिशा बदलना चाह रहे है वो अच्छा नहीं है। रिसर्च के नाम पर सन्नाटा है। देश ने क्या रिसर्च हुआ, जिसपर दुनिया गर्व करे।

हालिया घटनाओं के लिए दोषी कौन : मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत द्वारा निर्मित फाइटर प्लेन का प्रदर्शन चल रहा था। विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट की मौत हो गई। पूरा ठीकरा पायलट पर फोड़ा जाएगा। देश की सेना के नाम पर वोट मांगा जाता है। सेना को भी दोषी ठहराया जाता है। गोवा में इतनी बड़ी घटना हो गई। वहां काम करने वाले मजदूर मारे गये हैं। वहां भाजपा की सरकार है। रेस्टूरेंट के मालिक विदेश भाग गये। इस मामले में कुछ नहीं होगा। विपक्ष का आचरण इस बात पर आधारित होता है कि कैसे अखबारों में छपें। सार्थक डिमांड होती, सवाल होते तो सरकार तैयार रहती।

15 लाख की अवैध अफीम बरामद...

बाजार कीमत लगभग 15 लाख रुपए आंकी गई है। तस्करों की पहचान गिद्धौर निवासी पप्पू कुमार (19 वर्ष), पिता कैलाश यादव और बबलू कुमार महतो (32 वर्ष), पिता स्व. लाटो महतो के रूप में हुई। पुलिस ने उनके पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए, जिनका उपयोग वे अवैध कारोबार में करते थे। बरामद अफीम की मात्रा को देखते हुए यह मामला एनडीपीएस एक्ट के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। गिद्धौर थाना में दोनों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया और पुलिस उनसे नेटवर्क एवं सप्लाई चैन की जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ कर रही है।

e- Procurement Cell
Office of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Chatra.

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट नोटिस
ई–टेन्डर रेफरेन्स नं०– **BCD/EE/CHATRA/ 31/2025-26** दिनांकः– 11.12.2025

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of 6 (Six) Additional Classrooms (ACR) in U.P.G. H.S Baraini, Chatra.	Rs. 69,03,300.00	(08) Months
2	Construction of 6 (Six) Additional Classrooms (ACR) inU.H.S Dumri Barabagi, Kanhachatti.	Rs. 69,03,300.00	(08) Months
3	Construction of 6 (Six) Additional Classrooms (ACR) in Govt. Secondary School, Raham, Tandwa.	Rs. 69,03,300.00	(08) Months
4	Construction of 6 (Six) Additional Classrooms (ACR) in M.S Bachra, Tandwa.	Rs. 69,03,300.00	(08) Months
5	Construction of 5 (Five) Additional Classrooms (ACR) in U.P.G. M.S Kasiadih, Chatra	Rs. 61,96,000.00	(08) Months
6	Construction of 5 (Five) Additional Classrooms (ACR) in U.P.G. M.S Bargaon, Simariya.	Rs. 61,96,000.00	(08) Months
7	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Mahesa, Mayurhand.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
8	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG H.S Kolhaiya, Kanchachatti.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
9	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG H.S Manatu Tikulia, Lawalong.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
10	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Nawadih, Lawalong.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
13	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Banwar, Lawalong.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
12	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Paramatu, Lawalong.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
13	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in M.S Sila Ichak, Simariya.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
14	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Delho, Simariya.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
15	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Jamua (D-2018-29) Pratappur.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
16	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Banasam, Kunda.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
17	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Girls Kedlikala, Hunterganj.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
18	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in M.S Salaiya, Hunterganj.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
19	Construction of 4 (Four) Additional Classrooms (ACR) in UPG M.S Surhud, Hunterganj.	Rs. 51,34,650.00	(06) Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	18.12.2025	
ii	वेबसाईट में निविदा डालने की अंतिम तिथि एवं समय	05 -01-2026 को अपराह्न 3.00 बजे	
iii	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	06 -01-2026 को अपराह्न 3.00 बजे	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	e-Procurement Cell Office of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Chatra	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	9939428677	
vi	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9650057169	

• किसी भी प्रकार का बदलाव http:// Jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
• अन्य किसी भी प्रकार की सूचना http:// Jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
note: UCAN Registration is mandatory for the bidders.

Nodal Officer e- Procurement Cell
Office of The Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Chatra

PR 368290 Building(25-26)D

कार्यालय कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार।

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना।
ई0 निविदा संख्या–WRD/MID/ Latehar F2 - 59/2025-26
पत्रांक– 944 लातेहार/दिनांक– 10.12.2025

1	कार्य का नाम	खिरदिरी नाला पर चेकडैम निर्माण, प्रखंड–लातेहार जिला–लातेहार
2	प्राक्कलित राशि (लाख में)	66.462
3	कार्य पूर्ण करने की अवधि	11 माह
4	ई0 निविदा वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि	17.12.2025
5	ई0 निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	27.12.2025 3.00 बजे अपराह्न तक
6	Online बीड फीस एवं अग्रधन जमा करने की अंतिम तिथि, एवं समय	27.12.2025 3.00 बजे अपराह्न तक e-procurement portal (jharkhand tenders.gov.in)
7	ई0 निविदा खुलने की तिथि एवं समय	29.12.2025 5.00 बजे अपराह्न
8	(क) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता (ख) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का फोन नं0	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार। 06565–248380
	ई0 प्रोक्योमेंट सेल एवं हेल्प लाईन संख्या	0651– 2214784

नोटः– (1)केवल ई0 निविदा ही स्वीकार की जायेगी
(2) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट–jharkhandtenders gov in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार।

PR 368277 (Water Resource) 25-26 (D)

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
जिला– लातेहार

अति अल्पकालिन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या – 29/2025–26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शहरी क्षेत्र लातेहार अंतर्गत स्वच्छ भारत मीशन के तहत IEC मद से दिवाल लेखन एवं दिवाल पेन्टींग एवं अन्य कार्य कराया जाना है। इच्छुक कोटेशदाता/फर्म से **दिनांक 22.12.2025 के 2.00 बजे अपराहन् तक** मुहरबंद कोटेशन आमंत्रित किये जाते है, जो नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। साथ ही उक्त कोटेशन **दिनांक 22.12.2025 को अपराहन् 3.30** बजे कोटेशनदाता या उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के समक्ष नगर पंचायत, लातेहार के निविदा समिति (Procurement Committee) के द्वारा खोला जायेगा। निविदा हेतु निर्धारित नियम एवं शर्त्त कार्यालय अवधि में कार्यालय सूचना पट्ट/कार्यालय से सम्पर्क कर देखा जा सकता है, या लातेहार जिला के वेवसाईड **www.latehar.nic.in** पर देखा या डाउनलोड किया जा सकता है । साथ ही इस संबंध में विशेश जानकारी श्रीमति जया लक्ष्मी भगत, नगर प्रबंधक, नगर पंचायत लातेहार से प्राप्त की जा सकती है। कार्य का विवरण निम्नवत है:–

S.N.	DESCRIPTION	Rate with all Taxes	Tender Fees
01	Best Quality Wall Painting with One Year Guarantee		5000.00
02	Best Quality Wall Writing with One Year Guarantee		
03	Best Quality Flex Printing Work		
04	Best Quality Iron Board Size 2' X 1'.6" with Instalation		
05	Waste to Wonder Sculpture Size 10' X 10'		

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 368264 (Urban Development)25-26*D

कार्यालय कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना।
ई0 निविदा संख्या–WRD/MID/ Latehar F2 - 60/2025-26
पत्रांक– 945 लातेहार/दिनांक– 10.12.2025

1	कार्य का नाम	डयनडुबी नाला पर चेकडैम निर्माण, प्रखंड–लातेहार जिला–लातेहार
2	प्राक्कलित राशि (लाख में)	66.242
3	कार्य पूर्ण करने की अवधि	11 माह
4	ई0 निविदा वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि	17.12.2025
5	ई0 निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	27.12.2025 3.00 बजे अपराह्न तक
6	Online बीड फीस एवं अग्रधन जमा करने की अंतिम तिथि, एवं समय	27.12.2025 3.00 बजे अपराह्न तक e-procurement portal (jharkhand tenders.gov.in)
7	ई0 निविदा खुलने की तिथि एवं समय	29.12.2025 5.00 बजे अपराह्न
8	(क) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता (ख) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का फोन नं0	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार। 06565–248380
	ई0 प्रोक्योमेंट सेल एवं हेल्प लाईन संख्या	0651– 2214784

नोटः– (1) केवल ई0 निविदा ही स्वीकार की जायेगी
(2) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट–jharkhandtenders gov in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, लातेहार।

PR.NO.368278 Water Resource(25-26):D

ई0 प्रोक्योरमेन्ट सेल
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, लातेहार

ई– प्रोक्योरमेन्ट नोटिस
ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0–08/2025-26/EE/BCD/LATEHAR दिनांक– 11.12.2025

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Proposed Construction of District Bar Council Building, Latehar	3,52,00,600 /-	11 (Eleven) Months

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकशन की तिथि :– 22/12/2025 को 11:00 बजे
2. बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय :– 08/01/2026 को 11:00 बजे
3. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पत्ता :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, लातेहार।
4. निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान :–09/01/2026 को 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्योरमेन्ट सेल, मुख्य अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, लाईन टैंक रोड, राँची।
5. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :– 9431501121
6. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :– 8434414939
7. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
8. सूचना प्रौधोगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत् अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।

• अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल,
लातेहार।

PR.NO.368340 Building(25-26):D

गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं: डिविलियर्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।'उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।'

दूसरे टी20 में टीम इंडिया का सरेंडर.. सिर्फ तिलक वर्मा ही चल पाए

टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका ने 51 रन से दी मात

एजेंसी। नई दिल्ली

सूर्या, गिल और हार्दिक फेल...

मुल्लांपुर के महाराज यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मैच है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अब ज्यादा समय नहीं बचा है, ऐसे में ये सीरीज दोनों टीमों के लिए तैयारियों के लिहाज से अहम है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज (11 दिसंबर) मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुआ. इस मैच में भारत को 51 रनों से हार मिली. मुकाबले में भारतीय टीम को 214 रनों का टारगेट मिला था, लेकिन उसकी पूरी टीम 19.1 ओवरों में 162 रनों पर सिमट गई. तिलक वर्मा ने 62 रन बनाए। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में 101 रनों से जबरदस्त जीत हासिल की थी. वो मुकाबला 9 दिसंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला गया था। चेज में भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही. शुभमन गिल खाता भी नहीं खोल पाए और उनका विकेट लुंगी एनगिडी ने लिया. जबकि दूसरे ओपनर अभिषेक शर्मा (17 रन) को मार्को जानसेन ने पवेलियन रवाना किया. जानसेन ने फिर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (5 रन) को भी पवेलियन भेज दिया. सूर्या के आउट होने के समय भारत का स्कोर 32/3 था. यहां से अक्षर पटेल और तिलक वर्मा के बीच चौथे विकेट के लिए 35 रनों की साझेदारी हुई. अक्षर ने 100 की स्ट्राइक रेट से 21 रन बनाए और उनका विकेट ओटनील बार्टमैन ने चटकाए।

तिलक वर्मा क्रीज पर जमे रहे और उन्होंने 27 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की. तिलक को दूसरे छोर से साथ नहीं मिल रहा था. हार्दिक पंड्या से अच्छी बैटिंग की उम्मीद थी, लेकिन वो 23 गेंदों का सामना करते हुए सिर्फ 20 रन बना सके. जितेश शर्मा (27 रन) आउट होने वाले छठे बैटर रहे, जिन्हें लुथो सिपाम्ला ने चलता किया. इसके बाद आठवें नंबर पर उतरे शिवम दुबे को ओटनील बार्टमैन ने सिर्फ 1 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर दिया।

● साउथ अफ्रीका के लिए डिकॉक की शानदार पारी

मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए चार विकेट पर 213 रन बनाए. साउथ अफ्रीका की शुरुआत अच्छी रही. क्विंटन डिकॉक और रीजा हेंड्रिक्स ने मिलकर पहले विकेट के लिए 38 रनों की साझेदारी. वरुण चक्रवर्ती ने हेंड्रिक्स (8 रन) को आउट करके इस पार्टनरशिप को तोड़ा. इसके बाद डिकॉक और मार्करम ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 83 रन जोड़े. इस साझेदारी के दौरान डिकॉक ने सिर्फ 26 बॉल पर अपनी फिफ्टी पूरी की. उधर मार्करम (29 रन) बढ़िया स्टार्ट को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए और उन्हें वरुण ने चलता किया।

न्यूज बॉक्स

रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा ने भारतीय क्रिकेटरों पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात सरकार में मंत्री रिवाबा जडेजा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपने बेबाक बयानों के लिए कुख्यात रिवाबा ने इस बार टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ियों पर गंभीर आरोप लगाकर नई बहस छेड़ दी है। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि कई भारतीय क्रिकेटर विदेश दौरों पर गलत आदतों में लिप्त होते हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पति रविंद्र जडेजा की ईमानदारी, अनुशासन और चरित्र की जमकर तारीफ की।गुजरात विधानसभा चुनाव जीतकर राजनीति में कदम रखने वाली रिवाबा जडेजा को पहले भी उनके बयानबाजी के कारण मीडिया का ध्यान मिला है। मंत्री बनने के बाद उनका यह नया बयान खेल जगत और राजनीतिक दुनिया, दोनों में हलचल पैदा कर रहा है। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारतीय टीम जब विदेशी दौरों पर जाती है, तो कई खिलाड़ी गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं। हालांकि उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया, लेकिन बातों से साफ था कि वह टीम इंडिया के कुछ सदस्यों पर गंभीर आरोप लगा रही थीं।

स्कॉटलैंड की महिला टीम घोषित कैथरीन ब्राइस को मिली कमान

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कमान कैथरीन ब्राइस को सौंपी गई है। यह क्वालीफायर 12 जनवरी से 2 फरवरी के बीच नेपाल में खेला जाएगा। स्कॉटलैंड की टीम में पिप्पा स्ग्रोल को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने पिछले महीने थाईलैंड में आईसीसी इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। इस क्वालीफायर में स्कॉटलैंड सहित 10 टीमें आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप में चार स्थानों के लिए मुकाबला करेंगी। स्कॉटिश महिला टीम के हेड कोच क्रेग वालेस ने कहा, "कैथरीन ब्राइस की वापसी खुशी की बात है। वह हमारी कप्तान और ए क वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं। वह खेल के सभी पहलुओं में, मैदान पर और मैदान के बाहर अपना अमूल्य योगदान देती हैं। सारा ब्राइस और अबताहा मकसूद ने थाईलैंड में ग्रुप का नेतृत्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। हमारे पास पिप्पा स्ग्रोल भी हैं, जिनका पिछला समर शानदार रहा था, और उन्हें हैम्पशायर के लिए कॉन्ट्रैक्ट मिला। दुर्भाग्य से वह थाईलैंड के लिए उपलब्ध नहीं थीं, इसलिए मुझे उन्हें वापस टीम में देखकर बहुत खुशी हो रही है। उन्हें अपनी स्किल्स दिखाने का

आर्चर-स्मिथ की झड़प पर पोंटिंग की प्रतिक्रिया

'जोफ्रा ने खुद के साथ अपनी टीम को शर्मिंदा किया'

एजेंसी। नई दिल्ली

एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ के बीच जुबानी झड़प देखने को मिली थी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तेज गेंदबाज ने मैच में पहले जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब पेस और आक्रामकता दिखाने में नाकाम रहकर खुद को शर्मिंदा किया।

ब्रिस्बेन में खेले गए इस पिंक बॉल टेस्ट मैच के चौथे दिन आर्चर ने स्मिथ को एक तेज शॉर्ट बॉल फेंकी, जिसे स्मिथ ने शानदार पुल शॉट लगाकर बाउंड्री के पार भेज दिया। अगली गेंद भी शॉर्ट थी, जिस पर स्मिथ ने स्लिप कॉर्डन के ऊपर से शॉट की कोशिश की, जिससे आर्चर भड़क गए और उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पर टिप्पणी की।

स्टंप माइक पर आर्चर-स्मिथ की बातें रिकॉर्ड हुईं, जिसमें आर्चर कह रहे थे, "जब स्कोरबोर्ड पर ज्यादा रन नहीं होते, तो शॉट खेलना पसंद करता है।" इससे स्मिथ को गुस्सा आ गया और उन्होंने भी जवाब देते हुए कहा, "जब कुछ नहीं हो रहा होता है, तब तुम तेज गेंदबाजी करते हो चैंपियन।"

रिकी पोंटिंग उस मैच के दौरान कमेंट्री बॉक्स में थे। उनका मानना है कि आर्चर ने खुद के साथ अपनी टीम को शर्मिंदा किया है। पोंटिंग ने एसईएन से कहा, "जब मैंने उन्हें 'चैंपियन' कहा, तो मैं वास्तव में यह सुन सकता था कि स्टीव स्मिथ ने उनसे क्या कहा था। स्मिथ ने 'चैंपियन' कहा, और फिर वही शब्द मेरे मुंह से भी निकल गया। लेकिन उसी ने मुझे उत्साहित कर दिया और मेरी रगों में सिहरन दौड़ गई। ऐसे बहुत कम मैच रहे हैं, जिनकी कमेंट्री करते समय मुझे लगा हो कि काश मैं फिर से मैदान पर होता, लेकिन उस रात मैं जरूर वहां होना चाहता था, उस माहौल का हिस्सा बनना चाहता था, क्योंकि आप इसी चीज को मिस करते हैं और यही असली खेल है।" उन्होंने कहा, "लेकिन जोफ्रा ने खुद को शर्मिंदा किया है।

फुटबॉल मैच के बाद खिलाड़ियों की शर्मनाक हरकत

कराची। पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन और देश की सबसे बड़ी ओलंपिक संस्था कराची में पाकिस्तान आर्मी और डब्ब्ल्यूएपीडीए टीम के बीच सेमीफाइनल मैच के बाद हुई एक शर्मनाक घटना की जांच कर रही है जिसमें कई खिलाड़ियों और अधिकारियों को चोटें आई हैं। सेपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल गेम्स फुटबॉल सेमीफाइनल के बाद दोनों तरफ के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को मुक्के और लातें मारीं। मैच का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए ये शर्मनाक दृश्य कैमरे में कैद हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई लोगों ने दोनों टीमों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब डब्ब्ल्यूएपीडीए के कुछ सदस्यों ने आर्मी के खिलाड़ियों के अपनी डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर गुस्सा जताया।

दिल्ली के संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट जारी, कोहली और पंत होंगे शामिल

नई दिल्ली। विराट कोहली और ऋषभ पंत आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए दिल्ली की टीम में शामिल होंगे। दिल्ली और डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने घरेलू वनडे टूर्नामेंट के लिए संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की है। दिल्ली की टीम एलीट डी ग्रुप में है। यह टीम 24 दिसंबर को आंध्र से भिड़ेगी, जिसके बाद 26 दिसंबर को गुजरात के खिलाफ मुकाबला खेला जाना है। यह टीम 29 दिसंबर को सौराष्ट्र, जबकि 31 दिसंबर को ओडिशा को चुनौती देगी।

इस लिस्ट में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए चुने गए खिलाड़ी भी शामिल हैं, जहां नीतीश राणा की कप्तानी वाली दिल्ली ग्रुप डी में 16 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहने के बाद नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रही थी। सीनियर पुरुष चयन समिति की मीटिंग में संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट को फाइनल किया गया है। इस समिति में सिलेक्टर यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई, मनु नायर, हेड कोच सरनदीप सिंह, सीएसी चेयरमैन विजय दहिया और सेक्रेटरी अशोक शर्मा शामिल थे। कोहली और पंत की मौजूदगी से दिल्ली के बैटिंग ऑर्डर को काफी गहराई और अनुभव मिलने की उम्मीद है।

बीसीसीआइ करेंगी बैठक महिला क्रिकेटरों की मैच फीस पर भी होगी बात

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 22 दिसंबर को एपेक्स काउंसिल की वर्चुअल बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच एजेंडों पर चर्चा करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस में बदलाव करने की योजना बना रहा है। महिला टीम की शानदार एकदिवसीय विश्व कप जीत के बाद मैच फीस में बदलाव की उम्मीद थी और बीसीसीआइ ने इस मुद्दे पर बैठक में चर्चा करने का फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिलाओं के बीच सैलरी में समानता है, घरेलू प्रतियोगिताओं में असमानताएं बनी हुई हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

सेंसेक्स 426 अंक उछलकर हुआ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार चार सत्रों की गिरावट के क्रम को तोड़कर हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 426.86 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 84,818.13 और निफ्टी 140.55 अंक या 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,898.55 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में तेजी का नेतृत्व ऑटो और मेटल शेयरों ने किया। निफ्टी ऑटो 1.11 प्रतिशत और निफ्टी मेटल 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी आईटी 0.81 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.51 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 0.98 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 0.75 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.30 अंक या 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,578.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 137.90 अंक या 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,228.05 पर था।

'भारत टैक्सी ऐप' से सर्ज प्राइसिंग पर लगेगी रोक

ऐप अभी टेस्टिंग और ट्रायल फेज में : गडकरी

● भारत टैक्सी ऐप का उद्देश्य सहकारी मॉडल पर ड्राइवरों के स्वामित्व वाली एक एप्लीकेशन बनाना है

एजेंसी। नई दिल्ली

निजी ऑनलाइन कैब एग्रीगेटर्स यानी प्राइवेट कैब ऐप्स द्वारा किराए में बढ़ोतरी (सर्ज प्राइसिंग) के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सहकारी मोबाइल ऐप 'भारत टैक्सी ऐप' टेस्टिंग और ट्रायल फेज में है।

गडकरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि भारत टैक्सी ऐप का उद्देश्य सहकारी मॉडल पर ड्राइवरों के स्वामित्व वाली एक एप्लीकेशन बनाना है। यह ऐप सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड (एसटीसीएल) के तहत काम करेगा। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) इस 'भारत टैक्सी' राइड-हेलिंग सेवा को स्थापित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। गडकरी ने आगे कहा कि सरकार ने मोटर व्हीकल एग्रीगेटर्स गाइडलाइंस, 2025 जारी की हैं, जिनका उद्देश्य एग्रीगेटर्स, जिनमें ऐप-आधारित कैब सेवाएं भी शामिल हैं, को हल्के तरीके से रेगुलेट करना है। साथ ही, यूजर्स की सुरक्षा और ड्राइवर की भलाई से संबंधित मुद्दों का ध्यान रखना है। इन गाइडलाइंस में किराए को लेकर भी नियम दिए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा, "इन गाइडलाइंस में डायनेमिक प्राइसिंग की अनुमति दी गई है, जिसमें एग्रीगेटर्स राज्य-निर्धारित बेस फेयर से 50 प्रतिशत कम शुल्क ले सकते हैं और पीक घंटों में अधिकतम सर्ज प्राइसिंग को बेस फेयर के दो गुना तक सीमित किया गया है। साथ ही पारदर्शिता, जिम्मेदारी और यात्रियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए राज्य द्वारा निर्धारित शुल्क को बेस फेयर माना जाएगा।"गाइडलाइंस के अनुसार, ड्राइवर-स्वामित्व वाले वाहन को कम से कम 80 प्रतिशत किराया मिलेगा, जबकि एग्रीगेटर द्वारा स्वामित्व वाले वाहन के मामले में ऑन-बोर्ड ड्राइवर को कम से कम 60 प्रतिशत भाड़ा मिलेगा। वहीं, सर्ज प्राइसिंग के मामले में लाभार्थी ड्राइवर होगा। इससे आपूर्ति बढ़ेगी और उच्च मांग के दौरान सेवाएं बेहतर उपलब्ध होंगी। गडकरी ने बताया कि गाइडलाइंस में यह भी प्रावधान है कि अगर एग्रीगेटर कोई अत्यधिक या अनुचित भाड़ा यात्रियों से वसूलता है, तो उनके लाइसेंस को निलंबित या रद्द किया जा सकता है। गाइडलाइंस यह सुनिश्चित करती हैं कि किसी भी यात्री से डेड माइलेज के लिए शुल्क नहीं लिया जाएगा, सिवाय इसके कि जब यात्रा की दूरी तीन किलोमीटर से कम हो और भाड़ा केवल शुरुआत बिंदु से गंतव्य तक ही लिया जाएगा।

इंडिगो 'बुरी तरह प्रभावित यात्रियों' को देगी 10,000 के ट्रैवल वाउचर

एजेंसी। नई दिल्ली

» इंडिगो ने एक बयान में कहा कि उसे खेद है कि **03, 04 और 05 दिसंबर** को यात्रा कर रहे कई यात्री घंटों तक अलग-अलग एयरपोर्ट पर फंसे रहे

वाउचर 12 महीने के लिए वैध

ऑपरेशंस से जुड़ी भारी दिक्कतों से जूझ रही एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को घोषणा की कि 3-5 दिसंबर के बीच जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द हुईं या लंबी देरी से प्रभावित हुईं, उन्हें 10,000 रुपये के ट्रैवल वाउचर दिए जाएंगे। यह मुआवजा डीजीसीए के नियमों के तहत दिए जाने वाले रिफंड/कम्पनसेशन के अतिरिक्त होगा। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि उसे खेद है कि 3, 4 और 5 दिसंबर को यात्रा कर रहे कई यात्री घंटों तक अलग-अलग एयरपोर्ट पर फंसे रहे और भारी भीड़भाड़ के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुए। बयान में यह भी कहा गया, "यह मुआवजा मौजूदा सरकारी दिशानिर्देशों के अतिरिक्त है।

इंडिगो ने कहा कि कंपनी बुरी तरह से प्रभावित ग्राहकों को 10,000 के ट्रैवल वाउचर देगी। ये वाउचर अगले 12 महीनों में किसी भी इंडिगो उड़ान के लिए उपयोग किए जा सकेंगे। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो नियामकीय जांच के दायरे में भी है। अधिकारियों ने उसे परिचालन स्थिर करने के लिए सर्दियों की उड़ानों की समय-सारणी में 10% की कटौती करने का निर्देश दिया है।

व्यवधान शुरू होने से पहले एयरलाइन हर दिन लगभग 2,300 उड़ानें संचालित कर रही थी। मंगलवार को इंडिगो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पीटर एल्बर्स ने कहा कि एयरलाइन ने 6 दिसंबर तक प्रभावित उड़ानों का 100 प्रतिशत रिफंड पूरा कर दिया है। ट्रैवल पार्टनर्स के जरिए की गई बुकिंग का रिफंड भी शुरू कर दिया गया है, लेकिन एयरलाइन ने ग्राहकों से अपील की है कि अगर सिस्टम में उनकी डिटेल्स अधूरी हैं।

भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में वैश्विक निवेशक कर रहे भारी निवेश

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, अब अपनी दूसरी इन्फ्रास्ट्रक्चर लहर में प्रवेश कर चुका है और इसी वजह से वैश्विक निवेशक भारत में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं। भारत में निवेश का माहौल काफी सकारात्मक है, क्योंकि देश की दीर्घकालिक वृद्धि मजबूत है, नीतियां स्पष्ट हैं, और सरकार ने कई क्षेत्रों में निवेश के अच्छे मौके दिए हैं। इसमें परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल क्षेत्र, और नई पीढ़ी के उद्योग शामिल हैं। यह जानकारी ग्रीक सिटी टाइम्स न्यूज पोर्टल में प्रकाशित एक लेख से सामने आई है। वित्त वर्ष 2025-26 के बाद भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पूरी दुनिया में बड़े निवेश का ध्यान खींचने वाला है, जिससे भारत सिर्फ एक अच्छा निवेश स्थल ही नहीं, बल्कि दुनिया की आर्थिक ताकत बन सकता है।

आईसीआईसीआई में बेचीं 4.5% हिस्सेदारी

नई दिल्ली। ब्रिटेन की इंश्योरेंस कंपनी ने आईपीओ से पहले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी में अपनी हिस्सेदारी बेचीं है। कंपनी ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट में अपनी 4.5 प्रतिशत हिस्सेदारी 4,900 करोड़ रुपये (लगभग 545 मिलियन डॉलर) में बेच दी है। यह बिक्री भारतीय फंड मैनेजर के 1.2 अरब डॉलर के आईपीओ से पहले हुई है, जो शुक्रवार को खुल रहा है। फंड हाउस आईसीआईसीआई बैंक—जो देश का दूसरा सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक है और 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है—और प्रूडेंशियल के बीच जॉइंट वेंचर है। शेष हिस्सेदारी प्रूडेंशियल के पास है। रायटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, प्रूडेंशियल से यह हिस्सेदारी अबू धाबी इनवेस्टमेंट अथॉरिटी, अजीम प्रेमजी और राकेश झुनझुनवाला के फैमिली ऑफिसेज और एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ तथा गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस समेत भारतीय बीमाकर्ताओं ने खरीदी है।

गोल्ड कार्ड वीजा लांच, विदेशी निवेशकों को मिलेगा आसान ग्रीन कार्ड

एजेंसी। नई दिल्ली

यह वीजा प्रोग्राम 1990 से चल रहे ईबी-5 निवेशक वीजा की जगह लेगा, जिसके लिए लगभग 1 मिलियन डॉलर का निवेश और कम से कम 10 नौकरियों की शर्त थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि उनका लंबे समय से वादा किया गया "गोल्ड कार्ड" अब आधिकारिक रूप से बिक्री के लिए उपलब्ध है। यह 1 मिलियन डॉलर का भुगतान करने वाले व्यक्तियों और प्रति विदेशी कर्मचारी पर 2 मिलियन डॉलर भुगतान करने वाली कंपनियों के लिए अमेरिका में निवास का एक नया रास्ता है। आवेदन स्वीकार करने वाली सरकारी वेबसाइट लाइव हो गई। ट्रंप ने रूजवेल्ट रूम में सीनियर अमेरिकी बिजनेस नेताओं के साथ इस प्रोग्राम को लॉन्च किया। यह वीजा प्रोग्राम 1990 से चल रहे ईबी-5 निवेशक वीजा की जगह लेगा।